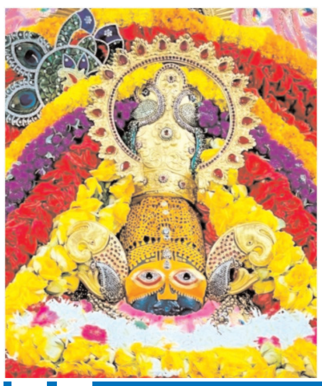

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक:07। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 02 सितंबर 2026 (बुधवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

नीट प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर होंगी रद्द

सीजेपी ने 5 सितंबर का मार्च लिया वापस

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों पर दर्ज एफआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अपने विशेष अधिकार आर्टिकल 142 का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली और चार राज्यों (असम, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार) में दर्ज एफआईआर को रद्द करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को 2873 आपराधिक इतिहास वाले लोगों के खिलाफ नई एफआईआर दर्ज करने की इजाजत दी है। यह एफआईआर 20 से 25 जुलाई के बीच दर्ज की गई थी। इस मामले में चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने सुनवाई की। दरअसल, दिल्ली पुलिस के अलावा चार राज्य सरकारों ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर को आर्टिकल 142 के तहत रद्द करने की गुहार लगाई थी। इस पर मंगलवार को कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच बातचीत हुई थी, जिसमें तीन बातों पर भरोसा दिया गया था।

पहला भरोसा यह था कि जिन छात्रों पर एफआईआर लगाई गई है, उसे वापस लिया जाएगा और कोई भी इन एफआईआर को आगे नहीं बढ़ाएगा। दूसरा भरोसा यह था कि 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच हुई घटनाओं के लिए कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं होगी। एसजी तुषार मेहता ने कोर्ट से अपील की कि यही आदेश उन सभी राज्यों के लिए भी लागू हो, जो कोर्ट नहीं आए हैं।

तीसरा भरोसा मुआवजे को लेकर था। एसजी तुषार मेहता ने कहा कि सरकार इस भरोसे पर कायम है और जिन छात्रों ने सुसाइड किया है, उनके परिवार को मुआवजा दिया जाएगा। इसके लिए अलग-अलग राज्य सरकारों और स्टेकहोल्डर्स से सलाह करके तौर-तरीके तय करने होंगे। उन्होंने इसके लिए कोर्ट से तीन महीने का समय मांगा। कोर्ट में मौजूद सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने बताया कि सीजेपी ने 5 सितंबर को होने वाला आंदोलन वापस ले लिया है।

सीजेपी ने की सराहना

सूर्यकांत ने कहा कि अगर दोनों पक्ष एक-दूसरे पर भरोसा दिखाएं तो सभी मुद्दों को एक-एक करके सुलझाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसा कोई मुद्दा नहीं है जिस पर खुले दिमाग से बातचीत करके समाधान न निकाला जा सके।

राजनाथ सिंह ने डिफेंस पीएसयू की समीक्षा की

पांच साल का रोडमैप तैयार करने का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश के 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (डीपीएसयू) के वार्षिक प्रदर्शन और प्रगति की व्यापक समीक्षा की है। इस दौरान रक्षा मंत्री ने अगले पांच साल के लिए एक स्पष्ट रोडमैप तैयार करने पर जोर दिया। उन्होंने डिफेंस पीएसयू से अगले पांच वर्षों के लिए एक स्पष्ट और व्यावहारिक रोडमैप तैयार करने का आह्वान किया। यह रोडमैप बदलते समय और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के अनुरूप देश की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने वाला होना चाहिए। यह समीक्षा बैठक मंगलवार को नई दिल्ली स्थित रक्षा सार्वजनिक उपक्रम भवन में हुई। समीक्षा का मुख्य फोकस देश में रक्षा उत्पादन को और मजबूत करना, स्वदेशी तकनीकों का विकास, नवाचार को बढ़ावा देना और रक्षा निर्यात में तेजी लाने पर रहा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, राजनाथ सिंह ने सभी 16 डीपीएसयू के

राजनाथ सिंह ने रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने पर भी विशेष बल दिया। डिफेंस पीएसयू से कहा गया कि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रक्षा उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिस्पर्धी और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद विकसित करें।

प्रदर्शन और अब तक हुई प्रगति का जायजा लिया तथा रिकॉर्ड रक्षा उत्पादन में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि डीपीएसयू देश की रक्षा उत्पादन क्षमता को मजबूत करने और आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने डीपीएसयू को अपनी उत्पादन क्षमता, तकनीकी क्षमताओं और अनुसंधान एवं विकास को लगातार बेहतर बनाने पर जोर दिया, ताकि भारतीय सशस्त्र बलों की भविष्य की जरूरतों को देश में ही पूरा किया जा सके। समीक्षा के दौरान राजनाथ सिंह ने रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास और नवाचार को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई। उनका जोर ऐसी अत्याधुनिक रक्षा प्रणालियां और तकनीक विकसित करने पर रहा, जो भारतीय सशस्त्र बलों की परिचालन जरूरतों के अनुरूप हों और देश को विदेशी तकनीक पर निर्भरता कम करने में मदद करें। उन्होंने डीपीएसयू से नई तकनीकों को अपनाने, अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने तथा बदलती युद्ध तकनीक और सुरक्षा वातावरण के अनुरूप अपनी क्षमताओं में बदलाव लाने को कहा।

'डॉक्टर पर हमला करने वाले लोग जमानत के लायक नहीं'

शिवसेना पार्षद को सुप्रीम कोर्ट से कड़ी फटकार

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हुए हमले के मामले में शिवसेना पार्षद रमेश सुक्रिया म्हात्रे से सवाल किया। कोर्ट ने कहा कि अस्पतालों के अंदर मेडिकल प्रोफेशनल्स पर होने वाले हमलों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एजी मसीह की बेंच म्हात्रे की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने हाई कोर्ट द्वारा जमानत देते समय लगाई गई शर्तों को चुनौती दी थी। बेंच ने टिप्पणी की कि डॉक्टरों पर हमला करने वाले लोग जमानत के हकदार नहीं हैं।

इस तरह के लोग जमानत के लायक नहीं- सुप्रीम कोर्ट

पीठ ने सख्त लहजे में टिप्पणी करते हुए कहा, 'इस तरह के लोग जमानत के लायक नहीं हैं। इनमें मेडिकल जगत के लिए कोई सम्मान नहीं है। सोचिए, जब कोई भीड़ हमला करती है तो कितना सदमा लगता है। क्या आप अस्पताल के अंदर जाकर किसी भी अनजान व्यक्ति को पीटेंगे? ' म्हात्रे की तरफ से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी पेश हुए। उन्होंने तर्क दिया कि बॉम्बे हाई कोर्ट ने उनकी जमानत के लिए मुश्किल शर्तें लगाई हैं और पूछा कि क्या 10 दिनों के अंदर आरोप पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया जा सकता है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने संकेत दिया कि वह ट्रायल कोर्ट की ओर से दी गई जमानत पर रोक लगाने वाले बॉम्बे हाई कोर्ट के पहले आदेश को बरकरार रखने के लिए इच्छुक है। जस्टिस नाथ ने टिप्पणी की कि हाई कोर्ट का स्वतः संज्ञान लेना पूरी तरह से न्यायसंगत था। जब रोहतगी ने यह तर्क दिया कि म्हात्रे की डॉक्टरों के साथ कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी, तो कोर्ट ने टिप्पणी की कि वीडियो पहले ही वायरल हो चुका था।

जीडीपी पर आर-पार

पीएम मोदी ने की तारीफ तो कांग्रेस ने कसा तंज

खड़गे बोले- लाइट्स, कैमरा और इनएक्शन की शिकार है अर्थव्यवस्था'

एजेंसी

नई दिल्ली । जीडीपी विकास दर के ताजा आंकड़ों को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच जुबानी टकराव तेज हो गया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में भारत की वास्तविक जीडीपी विकास दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को बधाई दी, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर तीखा हमला बोला और तंज भी कसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर एक वीडियो संदेश जारी कर जीडीपी के आंकड़ों पर खुशी जताई थी, और विपक्षी दलों पर झूठ फैलाने का आरोप भी लगाया था।

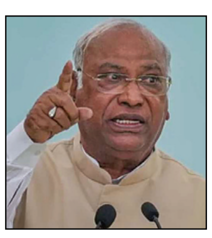

अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जीडीपी ग्रोथ के सरकारी जश्न पर कड़ा ऐतराज जताया। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अर्थव्यवस्था के मामले में मोदी सरकार की कहानी 'लाइट्स, कैमरा और इनएक्शन' वाली पीआर (क्क्र) स्टंट बनकर रह गई है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री भले ही जीडीपी आंकड़ों का जश्न मना रहे हों, लेकिन देश के आम आदमी के पास यह सहूलियत नहीं है। आज देश का आम नागरिक '3-' की मार झेल रहा है और इसके लिए सीधे तौर पर प्रधानमंत्री जिम्मेदार हैं। '

कांग्रेस अध्यक्ष ने '3-' की व्याख्या करते हुए सरकार पर तीन बड़े आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'देश अभूतपूर्व बेरोजगारी, असहनीय महंगाई और बेकाबू असमानता से जूझ रहा है।' उन्होंने दावा किया कि देश में बेरोजगारी 50 साल के उच्चतम स्तर पर है और 40 फीसदी शिक्षित युवा बेरोजगार हैं। जुलाई 2026 के आंकड़ों का हवाला देते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ' उन्होंने कहा कि 15 से 29 वर्ष की आयु के 6 में से 1 युवा के पास काम नहीं है, जिससे हर साल 2 करोड़ नौकरियों का वादा पूरी तरह टूट चुका है। महंगाई के मुद्दे पर बोलते हुए खड़गे ने कहा कि खुदरा महंगाई दर 19 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। चीनी, प्याज, टमाटर, दाल, खाने का तेल, चावल और दूध जैसी रसोई की हर जरूरी चीज की कीमतें आसमान छू रही हैं। पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और सीएनजी आम आदमी की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं।

'देश के मनोबल को कमजोर करने का ठेका राहुल गांधी के पास'

जीडीपी ग्रोथ पर सरकार की पीठ थपथपाते हुए बोले रविशंकर प्रसाद

एजेंसी

नई दिल्ली । वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी रहने के बाद इसको लेकर सियासत खूब हो रही है, जहां एकतरफ वैश्विक संकट के बीच इस जीडीपी ग्रोथ को लेकर सरकार अपनी पीठ थपथपा रही है तो वहीं विपक्षी पार्टियां महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरने में लगी है। इस बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने इस ग्रोथ को भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था से जोड़ते हुए केंद्र की आर्थिक नीतियों और स्थिर नेतृत्व का परिणाम बताया। साथ ही कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अर्थव्यवस्था को लेकर की गई टिप्पणियों का भी करारा जवाब दिया।

मंगलवार को बीजेपी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि अप्रैल, मई और जून महीने में वैश्विक संकट काफी गहराया। वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अनिश्चितताओं, खाड़ी संकट, तेल सप्लाई की चुनौतियों और सप्लाई चेन में व्यवधान के बावजूद भारत ने काफी तेज आर्थिक वृद्धि दर्ज की है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भारत की जीडीपी ग्रोथ इसलिए जरूरी है क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताएं इस साल के शुरुआत से ही बनी हुई हैं, जिसकी वजह से तेल और सप्लाई चेन में काफी दिक्कतें आईं, बावजूद इसके भारत की इकॉनमी 7.8 फीसदी बढ़ी है। बीजेपी सांसद के मुताबिक, भारत की तुलना में कनाडा 1.5 प्रतिशत, जर्मनी 1 प्रतिशत और यूके 2.1 प्रतिशत पर है। मलेशिया 6फीसदी, साउथ कोरिया 3.7फीसदी पर है। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जोरदार हमला बोला। दरअसल, उन्होंने राहुल गांधी की उन टिप्पणियों पर जवाब दिया जो उन्होंने अर्थव्यवस्था को लेकर की थी। उन्होंने कहा कि देश के मनोबल को कमजोर करने का ठेका राहुल गांधी ने लिया है क्या? इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी पर कई मुद्दों पर पूरे भरोसे के साथ गलत बातें कहने का आरोप लगाया। उन्होंने राहुल गांधी के उस कथित बयान का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को 'मरी हुई अर्थव्यवस्था' बताया था। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि 7.8 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि राहुल गांधी के उस दावे का जवाब है।

ममता बनर्जी की भतीजी की मौत

बीरभूम स्थित घर में मिला शव; नौकरी जाने से डिप्रेशन में थीं बृष्टि

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की भतीजी बृष्टि मुखर्जी की मंगलवार को मौत हो गई। उनका शव बीरभूम जिले के रामपुरहाट स्थित घर से बरामद किया गया। शुरुआती रिपोर्टों के मुताबिक, उनका शव फंदे से लटका मिला।बृष्टि, ममता बनर्जी के दूर के रिश्तेदार निहार मुखर्जी की बेटी थीं। रिपोर्टों के अनुसार, बृष्टि की उम्र 28 साल थी। उनका शव उनके घर की दूसरी मंजिल पर मिला। निहार, ममता बनर्जी के मामा के बेटे और तृणमूल कांग्रेस के क्षेत्रीय नेता हैं। इंडियन एक्सप्रेस को परिवार के करीबी सूत्रों ने बताया कि युवती पिछले कुछ सालों से डिप्रेशन से जूझ रही थीं और उनका इलाज चल रहा था। वह बोलपुर के एक अपर प्राइमरी स्कूल में गैर-शिक्षण कर्मचारी के तौर पर काम करती थीं। लेकिन शिक्षक भर्ती मामले में अदालत के आदेश के बाद मार्च 2023 में उनकी नौकरी चली गई थी। करीब 26,000 शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियां जांच और अदालत की कार्रवाई के बाद रद्द की गई थीं।

मछली भोज विवाद में नया मोड़

अजय राय ने सीएम योगी के खिलाफ किया मानहानि का केस

एजेंसी

लखनऊ। अयोध्या के कथित मछली भोज विवाद को लेकर उत्तर प्रदेश की सियासत में नया मोड़ आ गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ मानहानि का केस करने के लिए लखनऊ सिविल कोर्ट का रुख किया है। अजय राय का आरोप है कि मुख्यमंत्री की ओर से उन पर अयोध्या में मछली खाने और माफिया के सामने डरने जैसे आरोप लगाए गए, जो पूरी तरह गलत हैं।

अजय राय ने आरोपों को बताया झूठा

अजय राय का कहना है कि वह शाकाहारी हैं और अयोध्या यात्रा के दौरान उन्होंने किसी मछली भोज में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने दावा किया कि वह निषाद समाज के निमंत्रण पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद समुदाय की ओर से भोज का आयोजन किया गया था, लेकिन इसमें उनके मछली खाने का आरोप निराधार है।

• शिक्षा मंत्री के आवास पर पहुंचे सीटीईटी अभ्यर्थी

बोले-हम लोगों को भी कुछ दिन की छूट दी जाए

एजेंसी

लखनऊ। पटना। बिहार के शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी के आवास पर मंगलवार को बड़ी संख्या में सीटीईटी अभ्यर्थी पहुंचे। अभ्यर्थियों ने मांग की कि उनको भी टीआरई-4 में नौकरी के लिए आवेदन करने का वैसे ही मौका दिया जाए, जैसे एसटीईटी में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को दिया गया है। बातचीत करते हुए अभ्यर्थी रोमा कुमारी ने कहा कि शिक्षा मंत्री से रिक्वेस्ट करने आएं हैं कि जिस तरह से एसटीईटी वालों को मौका दिया गया, वैसे ही सीटीईटी वालों को भी मौका दिया जाए। हम लोगों को भी कुछ दिन की छूट दी जाए। जब उन लोगों को छूट दी गई तो हम लोगों को क्यों नहीं। अभ्यर्थी शोभा कुमारी ने कहा कि हम शिक्षा मंत्री से यही कहने आए हैं कि संविधान में समानता का अधिकार है, अगर एसटीईटी

वालों को मौका मिल रहा है तो सीटीईटी वालों को भी मौका मिलना चाहिए। हम लोग कई वर्षों से तैयारी करते आ रहे हैं और जो योग्य विद्यार्थी हैं उनको एक बार तो मौका दिया जाना ही चाहिए। छात्र नेता नरेंद्र सिंह यादव ने कहा, 'हमारी मांग है कि जिस तरह बीपीएससी टीआरई 1.0 में सीटीईटी में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को मौका दिया गया था और हाल ही में एसटीईटी 2026 के उम्मीदवारों को टीआरई 4.0 में शामिल होने की इजाजत दी गई।

राष्ट्रपति से मिले भाजपा अध्यक्ष नवीन

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की। प्रवासीनेटवर्क जुड़ें भेंट के बाद नितिन नवीन ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि राष्ट्रपति मुर्मु का सहज स्वभाव और राष्ट्र के प्रति उनका अटूट सेवाभाव सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति का मार्गदर्शन देश और समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने की नई ऊर्जा और प्रेरणा देता है। नितिन नवीन ने राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनसे मिलना उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायी अनुभव रहा।

उत्तराखंड में कार बही, घर में मलबा घुसा, 9 मौतें

• केदारनाथ में बारिश रुकी, यात्रा फिर शुरू; यूपी के चित्रकूट में बाढ़ से 80 घर गिरे

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर भारत में तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड के देहरादून में एक कार बरसाती नदी में बह गई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, एक लड़की को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। अल्मोड़ा के उड़्यूड़ा गांव में भारी बारिश के बाद पहाड़ी से आया मलबा एक घर में घुस गया। घर में सो रहे तीन लोगों की मलबे में दबने से मौत हो गई। यहां दीवार गिरने से दो नेपाली मजदूरों की भी जान चली गई। नैनीताल के भीमताल में नाले के तेज बहाव में बहने से 4 साल की बच्ची की मौत हो गई। वहीं उत्तरकाशी के चिन्यालीसौड़ के पास झील से भी एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। वहीं, केदार घाटी में बारिश के चलते रोकी गई केदारनाथ यात्रा फिर शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में आई बाढ़ से 80 से ज्यादा कच्चे मकान गिर गए हैं। बिहार के जहानाबाद में दरधा नदी में अचानक पानी आने के कारण जाफरगंज पुल के ऊपर 2 फीट से ज्यादा पानी बह रहा है।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (बुधवार)
02 सितंबर 2026

काम अधूरा और पेंटिंग शुरू: नरोदा ब्रिज बनाने में AMC एडमिनिस्ट्रेशन और कॉन्ट्रैक्टर का बड़ा खेल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के भ्रष्ट एडमिनिस्ट्रेशन और अधिकारियों की आंखें मूंद लेने की पॉलिसी पर एक और गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। नरोदा इलाके में करोड़ों की लागत से बन रहे फ्लाईओवर का कंस्ट्रक्शन का काम अभी पूरा भी नहीं हुआ है, जबकि ब्रिज पर पेंटिंग का काम जल्दबाजी में शुरू कर दिया गया है। स्ट्रक्चरल काम और सेफ्टी टेस्टिंग बाकी होने के बावजूद, आरोप लग रहे हैं कि उद्घाटन का दिखावा करने या गड़बड़ियों को छिपाने के लिए इतनी बड़ी लापरवाही दिखाई जा रही है। ब्रिज का कंस्ट्रक्शन अभी अधूरा है, रोड और सीमेंट सेफ्टी का प्राइमरी वेरिफिकेशन बाकी है, फिर भी किसके कहने पर ब्रिज को पेंट करके 'तैयार' दिखाने का खेल चल रहा है? करोड़ों का बजट खर्च, फिर भी लापरवाही:ेस्ट सिस्टम जनता के टैक्स का पैसा जला रहा है। अधूरे काम पर पेंटिंग करके कौन सी चोरी छिपाने की कोशिश की जा रही है? लीडरशिप और एडमिनिस्ट्रेशन की चुप्पी: इतनी बड़ी लापरवाही और गड़बड़ियां सामने आने के बाद भी मेयर और म्युनिसिपल कमिश्नर ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। करप्शन का शक लोकल लोगों का आरोप है कि यह जल्दबाजी सिर्फ ब्रिज कंप्लीशन सर्टिफिकेट या सिक्योरिटी क्लीयरेंस के बिना पेंटिंग बिल पास करवाने और कॉन्ट्रैक्टर को फायदा पहुंचाने के लिए की जा रही है। अधूरे काम पर पेंटिंग करने और सेफ्टी नियमों को तोड़ने वाली एजेंसी/कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ तुरंत पेनल्टी एक्शन लिया जाए और उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जाए। AMC के इंजीनियर और सुपरवाइजिंग ऑफिसर जो प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग करने में फेल रहे, उन्हें तुरंत सस्पेंड किया जाए और एक जांच कमेटी बनाई जाए।

असामाजिक तत्वों के अवैध निर्माणों को जमींदोज कर दिया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिले के महुधा में हिंदू युवक जिग्नेश पटेल पर जानलेवा हमले के खिलाफ लोगों के भारी गुस्से के बाद, प्रशासन अब आक्रामक मूड में आ गया है। कानून-व्यवस्था की स्थिति को हाथ से निकलने से रोकने और आपराधिक मानसिकता वाले तत्वों में डर पैदा करने के लिए पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने सख्त बुलडोजर एक्शन लिया है। घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए, गृह मंत्रालय और पुलिस के बड़े अधिकारियों के निर्देश के बाद स्थानीय प्रशासन के चेहरे खिल गए हैं अवैध ठिकानों पर बुलडोजर: इस आपराधिक काम में शामिल और असामाजिक गतिविधियों को अंजाम देने वाले तत्वों द्वारा सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जे और निर्माणों को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया गया है। पुलिस की कड़ी तैनाती: कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरे महुधा इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और संवेदनशील इलाकों में कड़ी पेट्रोलिंग शुरू कर दी गई है। अपराधियों को नुकसान: प्रशासन के इस सख्त रुख से इलाके में असामाजिक तत्वों और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को बड़ा झटका लगा है।

केमिकल वाले पानी के खिलाफ धोलका में लोगों के गुस्से का ज्वालामुखी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। ज़िले के धोलका तालुका के भेटावाड़ा गांव में लगातार 9 दिनों से एक ऐसा आंदोलन चल रहा है, जो किसी पॉलिटिकल कुर्सी या पावर के लिए नहीं, बल्कि इंसान के जीने के बुनियादी हक के लिए है। विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच, धोलका म्युनिसिपैलिटी का गंदा नाले का पानी और उसकी आड़ में लोकल फैक्ट्रियों से निकलने वाला बिना प्रोसेस किया हुआ जानलेवा केमिकल वाला पानी सीधे गांव के इलाकों में डाला जा रहा है। इस ज़हरीले पानी से न सिर्फ़ ज़मीन, बल्कि ग्राउंडवाटर सोर्स भी पूरी तरह से खराब हो चुके हैं। यह लड़ाई सिर्फ़ भेटावाड़ा तक ही सीमित नहीं है। भेटावाड़ा, नेसदा, त्रासद, अंबा रेली और पालडी जैसे पांच गांवों के हज़ारों गांववाले अपना वजूद बचाने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। धरना स्थल पर कैंसर से असमय मरने वाले 21 से ज़्यादा बदकिस्मत गांववालों की तस्वीरें लगाकर विरोध जताया जा रहा है। गांववालों का सीधा आरोप है कि सालों से पीने के लिए मिल रहे ज़हरीले केमिकल पानी की वजह से गांव में कैंसर जैसी घरेलू बीमारियां फैल गई हैं और घर बर्बाद हो गए हैं। भेटावाड़ा गांव जो कभी पूरे इलाके में खुशबूदार गुलाब की खेती के लिए मशहूर था, आज उसी भेटावाड़ा की ज़मीन केमिकल ज़हर की वजह से बंजर होती जा रही है। ज़मीन में केमिकल रिसने से बोरवेल से पीने लायक पानी की जगह गंदा और ज़हरीला पानी निकल रहा है। पांचों गांवों के लोग अब किसी भी पार्टी के खिलाफ़ लड़ाई के मूड में हैं। 'हमें स्मार्ट स्कूल या सड़कें बाद में दो, पहले हमें जीने का अधिकार और साफ़ पानी दो' गांव वाले एक गंभीर और गुस्से भरी मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। स गंदे पानी को निकलने से नहीं रोका, तो आने वाले दिनों में यह जनआंदोलन गांधी की तरह और भी उग्र और आक्रामक रूप लेगा।

रिटायरमेंट के बाद फिर से नौकरी युवाओं के भविष्य के लिए बड़ा खतरा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से लेकर गुजरात के सभी सरकारी विभागों में रिटायरमेंट के बाद भी अधिकारियों को फिर से नौकरी पर रखने की पॉलिसी के खिलाफ बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता और मीडिया कोऑर्डिनेटर हेमांग रावल ने सूचना के अधिकार कानून के तहत मिली जानकारी जारी करके राज्य सरकार और स्थानीय स्व-सरकारी संस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ऋञ्चढ्ढ से मिली जानकारी के मुताबिक, अकेले अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में पिछले तीन सालों में 210 से ज़्यादा रिटायर्ड अधिकारियों और कर्मचारियों को कॉन्ट्रैक्ट पर नौकरी पर फिर से नौकरी पर रखा गया है। अगर 2015 से अब तक के आंकड़ों को देखा जाए, तो अकेले अहमदाबाद में ऐसे कर्मचारियों की संख्या 1,000 से ज़्यादा है। कुछ मामलों में, साल 2015 में रिटायर हुए अधिकारी 2026 में भी अपनी कुर्सियों पर बैठे हैं। कांग्रेस ने आशंका जताई है कि अगर यह स्थिति सिर्फ एक शहर की है, तो पूरे गुजरात में नगर पालिकाओं, नगर पालिकाओं, जिला पंचायतों और सरकारी निगमों सहित 10,000 से ज़्यादा रिटायर लोगों को सरकारी खर्च पर फिर से नौकरी पर रखा जा रहा होगा। सबसे गंभीर सवाल सैलरी पॉलिसी और सरकारी सुविधाओं को लेकर उठा है। रिटायर्ड अधिकारियों को रखने की कोई एक जैसी पॉलिसी नहीं है। कुछ को फिक्स्ड सैलरी दी जाती है, जबकि दूसरों को आखिरी बेसिक सैलरी का 35 परसेंट दिया जाता है और कुछ मामलों में पे माइनस पेंशन तरीके से पैसे दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, अगर डेढ़ लाख रुपये सैलरी वाले किसी अधिकारी को 70 हजार पेंशन मिल रही है, तो उसे सैलरी के तौर पर 80 हजार रुपये और दिए जाते हैं, जिससे सरकारी खजाने पर बोझ पड़ता है। इसके अलावा, सरकारी कार, ड्राइवर, सरकारी बंगला, चपरासी और मोबाइल जैसी सभी सुविधाएं रिटायरमेंट के बाद भी जारी रहती हैं। कांग्रेस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दस सालों में अकेले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में ऐसे दोबारा नियुक्त अधिकारियों पर 200 करोड़ रुपये से ज़्यादा खर्च किए गए हैं।

रिटायरमेंट के बाद फिर नौकरी, युवाओं के भविष्य पर बड़ा सवाल

रिटायरमेंट के बाद भी सरकारी कुर्सी नहीं छूटी, गुजरात में युवाओं के रोजगार और नई भर्तियों पर उठे गंभीर सवाल

सेवानिवृत्ति के बाद पुनर्नियुक्ति पर कांग्रेस का सरकार पर हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात में सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने के बाद अधिकारियों और कर्मचारियों को दोबारा संविदा पर नौकरी देने की व्यवस्था को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता एवं मीडिया समन्वयक हेमांग रावल ने सूचना के अधिकार से मिली जानकारी के आधार पर राज्य सरकार और स्थानीय स्वशासी संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि एक ओर लाखों युवा सरकारी नौकरी के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पुनर्नियुक्ति से नई भर्ती और पदोन्नति के अवसर प्रभावित हो रहे हैं। आरटीआई से सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, अकेले अहमदाबाद नगर निगम में पिछले तीन वर्षों के दौरान 210 से अधिक सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों को संविदा के आधार पर दोबारा नियुक्त किया गया है। वहीं वर्ष 2015 से अब तक ऐसे पुनर्नियुक्त कर्मचारियों की संख्या एक हजार से अधिक बताई गई है। कांग्रेस के अनुसार, कुछ अधिकारी ऐसे भी हैं जो वर्ष 2015 में सेवानिवृत्त होने के बावजूद वर्ष 2026 तक अलग-अलग पदों पर कार्यरत हैं। कांग्रेस ने यह भी आशंका जताई है कि यदि अहमदाबाद जैसी स्थिति पूरे गुजरात में है तो नगर पालिकाओं, महानगर पालिकाओं, जिला पंचायतों और विभिन्न सरकारी निगमों सहित बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अधिकारियों-कर्मचारियों को दोबारा सरकारी व्यवस्था में रखा गया हो सकता है। पार्टी का अनुमान है कि प्रदेश में यह आंकड़ा 10 हजार से अधिक हो सकता है।

वेतन और सरकारी सुविधाओं पर भी सवाल

पुनर्नियुक्त कर्मचारियों को मिलने वाले वेतन और सुविधाओं को लेकर भी सवाल खड़े किए गए हैं। कांग्रेस के मुताबिक, सभी विभागों में पुनर्नियुक्ति के लिए एक समान व्यवस्था नहीं है। कहीं निश्चित वेतन दिया जा रहा है तो कहीं अंतिम मूल वेतन के आधार पर भुगतान किया जाता है। कुछ मामलों में वेतन और पेंशन के अंतर के आधार पर भुगतान किए जाने की बात भी सामने आई है। कांग्रेस का आरोप है कि कुछ मामलों में सेवानिवृत्ति के बाद भी सरकारी वाहन, चालक, आवास, सहायक कर्मचारी और मोबाइल जैसी सुविधाएं जारी रहती हैं। पार्टी के अनुसार, अहमदाबाद नगर निगम में पिछले दस वर्षों के दौरान ऐसे पुनर्नियुक्त अधिकारियों-कर्मचारियों पर 200 करोड़ रुपये से अधिक खर्च हुआ है। इन आंकड़ों को लेकर सरकार से स्पष्ट जवाब और पूरी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की गई है।

श्वेत पत्र जारी करने की मांग

पूरे मामले को लेकर कांग्रेस ने गुजरात सरकार से सभी सरकारी और अर्ध-सरकारी संस्थानों में सेवानिवृत्ति के बाद दोबारा नियुक्त किए गए अधिकारियों और कर्मचारियों की पूरी जानकारी सार्वजनिक करने की मांग की है। पार्टी ने नियुक्ति की अवधि, पद, वेतन, पेंशन, सरकारी सुविधाओं और अब तक हुए कुल खर्च का विवरण सामने लाने के लिए श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। हेमांग रावल ने मांग की है कि राज्य में नियमित सरकारी भर्ती की प्रक्रिया तेज की जाए, पात्र कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति दी जाए और विशेष परिस्थितियों को छोड़कर सेवानिवृत्त अधिकारियों को बार-बार सरकारी पदों पर नियुक्त करने की व्यवस्था पर रोक लगाई जाए। कांग्रेस का कहना है कि सरकारी व्यवस्था में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करना और नियुक्तियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना समय की जरूरत है।

युवाओं की भर्ती और कर्मचारियों की पदोन्नति पर असर

कांग्रेस ने इस व्यवस्था का सबसे बड़ा असर बेरोजगार युवाओं और नियमित कर्मचारियों पर पड़ने का दावा किया है। पार्टी के अनुसार, रा'य के लाखों युवा सरकारी भर्तियों का इंतजार कर रहे हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में वर्षों लगा रहे हैं। ऐसे में सेवानिवृत्त कर्मचारियों को दोबारा उन्हीं पदों या जिम्मेदारियों पर रखने से नए पदों पर भर्ती के अवसर सीमित हो सकते हैं। इसके अलावा नियमित रूप से कार्यरत निचले स्तर के कर्मचारियों की पदोन्नति भी प्रभावित होने का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस का कहना है कि यदि ऊपर के पद सेवानिवृत्ति के बाद भी उसी व्यक्ति के पास बने रहते हैं तो नीचे के कर्मचारियों के लिए पदोन्नति की संभावनाएं भी रुक जाती हैं।

गैस कनेक्शन काटने की धमकी देकर मिनटों में 3.53 लाख की ऑनलाइन ठगी

अडानी शांतिग्राम के युवक को मीटर रीडिंग अपडेट कराने का झांसा देकर भेजी एपीके फाइल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

गांधीनगर। अडालज थाना क्षेत्र के अडानी शांतिग्राम में साइबर ठगी का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। साइबर ठगों ने गैस कनेक्शन काटने की धमकी देकर एक युवक को मीटर रीडिंग अपडेट करने के नाम पर अपने जाल में फंसा लिया। ठगों ने युवक को वॉट्सएप के जरिए एक एपीके फाइल भेजी और उसे मोबाइल में डाउनलोड करने के लिए कहा। फाइल डाउनलोड करने के बाद युवक की बैंकिंग जानकारी साइबर ठगों तक पहुंच गई और कुछ ही समय में उसके बैंक खाते तथा क्रेडिट कार्ड से कुल 3 लाख 53 हजार 990 रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए गए। जानकारी के अनुसार अडानी शांतिग्राम में किराए के मकान में रहने वाले योगेश कुमार यादव होंडा कंपनी में कार्यरत हैं। बताया गया कि उनके मकान मालिक के मोबाइल पर एक संदेश आया था, जिसे बाद में योगेश कुमार को वॉट्सएप पर भेजा गया। संदेश में दावा किया गया था कि गैस मीटर की रीडिंग अपडेट नहीं होने के कारण रात में गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा। संदेश में समस्या का समाधान कराने के लिए राहुल अग्रवाल नाम के कथित अधिकारी का मोबाइल नंबर भी दिया गया था। गैस कनेक्शन कटने की धमकी से युवक परेशान हो गया और उसने संदेश में दिए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क किया। दूसरी ओर मौजूद साइबर ठग ने खुद को संबंधित विभाग का अधिकारी बताते हुए युवक को मीटर रीडिंग ऑनलाइन अपडेट कराने का झांसा दिया। इसके बाद उसने वॉट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजी और कहा कि इसे मोबाइल में डाउनलोड करने के बाद आवश्यक जानकारी भरने से मीटर रीडिंग अपडेट हो जाएगी।युवक ने ठग की बात पर भरोसा करते हुए एपीके फाइल अपने मोबाइल में डाउनलोड कर ली। इसके बाद उसमें मांगी गई बैंकिंग संबंधी जानकारी दर्ज कर दी। जानकारी दर्ज करने के कुछ ही देर बाद उसके मोबाइल पर बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से रकम निकलने के लगातार संदेश आने लगे। अचानक बड़ी संख्या में लेनदेन के संदेश आने से युवक को शक हुआ और उसने तत्काल अपने बैंकिंग कार्ड को ब्लॉक करने का प्रयास किया। कार्ड ब्लॉक किए जाने के बाद कई लेनदेन असफल हो गए, लेकिन तब तक साइबर ठग युवक के खाते से बड़ी रकम निकालने में कामयाब हो चुके थे। अलग-अलग ऑनलाइन लेनदेन के जरिए कुल 3,53,990 रुपये ट्रांसफर कर लिए गए। घटना का पता चलते ही युवक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस और साइबर विशेषज्ञ लगातार लोगों को आगाह करते रहे हैं कि गैस, बिजली, बैंक, मोबाइल कनेक्शन या किसी सरकारी सेवा को बंद करने की धमकी देकर भेजे जाने वाले संदिग्ध संदेशों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करना बेहद जोखिमभरा हो सकता है। ऐसी फाइल के जरिए साइबर अपराधी मोबाइल में मौजूद महत्वपूर्ण जानकारी तक पहुंच बनाने और बैंकिंग संबंधी धोखाधड़ी करने का प्रयास कर सकते हैं। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि साइबर ठग किस तरह रोजमर्रा की सेवाओं से जुड़े डर का इस्तेमाल कर लोगों को कुछ ही मिनटों में अपने जाल में फंसा रहे हैं। पुलिस मामले की शिकायत के आधार पर आगे की जांच कर रही है और ऑनलाइन ट्रांसफर हुई रकम तथा ठगी में इस्तेमाल किए गए मोबाइल नंबर एवं अन्य डिजिटल माध्यमों की जानकारी जुटाई जा रही है।

वटवा में स्कॉर्पियो से नशीली बोतलों के साथ एक युवक पकड़ा या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वटवा। अहमदाबाद के वटवा इलाके में एक हादसे के बाद नशीली कफ सिरप के अवैध नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। वटवा गामड़ी रोड पर एक स्कॉर्पियो कार के ड्राइवर द्वारा एक्सीडेंट करने के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची वटवा पुलिस ने कार की तलाशी ली तो अंदर भारी मात्रा में नशीली कफ सिरप मिलने से हंगामा मच गया। वटवा गामड़ी रोड पर तेज रफ्तार में आ रही एक स्कॉर्पियो कार के ड्राइवर ने अचानक एक्सीडेंट कर दिया। एक्सीडेंट होते ही आसपास के लोग तुरंत जमा हो गए। कार ड्राइवर की संदिग्ध हरकतों और घटना की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय लोगों ने तुरंत वटवा पुलिस को सूचना दी। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की तो नशीली सिरप के काले कारोबार का पर्दाफाश हो गया। पुलिस ने स्कॉर्पियो कार की तलाशी ली तो उसमें गैर-कानूनी तरीके से रखी नशीली कफ सिरप की 120 बोतलें मिलीं। वटवा पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी शेर सिंह राजपूत से गहराई से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि यह नशीली सिरप इतनी मात्रा में कहां से लाई गई थी और अहमदाबाद में किसे सप्लाई की जानी थी। पुलिस ने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिया है जो शहर के युवाओं को नशे की राह पर धकेल रहे हैं।

अमीरों की लोन माफ़ी और NCLT का खेल बैंकिंग सिस्टम पर गंभीर सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। RTI एक्टिविस्ट विवेक वेलंकर की मांगी गई जानकारी में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया ने एक बड़ा खुलासा किया है। अगर किसी आम नागरिक या छोटे किसान के होम लोन या एजुकेशन लोन की किस्तें चुकाने में थोड़ी भी देरी होती है, तो बैंक रिकवरी के लिए नोटिस भेजते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि देश के बड़े उद्योगपतियों और कॉर्पोरेट डिफॉल्टरों के लिए सिस्टम के नियम अलग हैं। NCLT में 1 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का 'हेयरकट' आंकड़ों का बड़ा खुलासा ऋञ्चढ्ढ से सामने आए आंकड़े देश के सबसे बड़े बैंकिंग सिस्टम पर सवाल उठाते हैं: 309 बड़े अकाउंट्स का समाधान: पिछले नौ सालों (फाइनेंशियल ईयर 2017-18 से 2025-26) में, SBI NCLT और दूसरे फोरम के ज़रिए 309 बड़े लोन अकाउंट्स का समाधान किया था। 1.50 लाख करोड़ रुपये के कर्ज का एनालिसिस इन अकाउंट्स पर बैंक का 1.50 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का क्लेम था, जिसके बदले बैंक सिर्फ़ लगभग 50,000 करोड़ रुपये ही रिकवर कर पाया। 1 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का हेयरकट: ह्रस्रञ्ज में सेटलमेंट के नाम पर बैंक को 1 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का हेयरकट लेना पड़ा। 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा के डिफॉल्टर्स का राइट-ऑफ करने के बाद सिर्फ़ 14' रिकवरी! एक और चौंकाने वाली डिटेल के मुताबिक, 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा के लोन वाले बड़े कर्जदारों के मामले में पिछले दस सालों में, SBI ने टेक्निकल या प्रूडेंशियल तरीकों से 1.51 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा की रकम 'राइट-ऑफ' (बट्टे खाते में डालना) की है। इतनी बड़ी रकम राइट-ऑफ करने के बाद भी बैंक सिर्फ़ लगभग 20,838 करोड़ रुपये (लगभग 14') ही रिकवर कर पाया है। डिफॉल्टर्स के नाम 'प्राइवेसी' में छिपाए गए हैं! सबसे बड़ा विवाद तब खड़ा हुआ जब ऋञ्चढ्ढ के तहत 100 करोड़ रुपये से ज़्यादा के लोन पर डिफॉल्ट करने वाले लोगों और कंपनियों के नाम मांगे गए। छोटे लोन होल्डर्स के नाम और फोटो प्रेस में छापने वाले बैंक बड़े डिफॉल्टर्स के नाम छिपाने के पीछे सीक्रेसी का पर्दा क्यों डालते हैं, यह एक बड़ा सवाल है। जब और राइट-ऑफ के नाम पर अमीरों के हज़ारों करोड़ रुपये के लोन राइट-ऑफ किए जाते हैं, तो जनता के मन में सवाल उठना लाज़मी है किसकी ज़िम्मेदारी? जनता के पैसे का गलत इस्तेमाल: सरकारी बैंकों में जमा पैसा आम जनता की बचत है। अगर इतनी बड़ी रकम के हेयरकट को मंजूरी दी जा रही है, तो ज़िम्मेदारी तय होनी चाहिए।

प्राइवेट सेक्टर के NCC कैडेट्स के लिए देशभक्ति का एक नया चैप्टर: अब नेशनल कैंप का सारा खर्च सरकार उठाएगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात और पूरे देश के युवाओं में अनुशासन, देशभक्ति और लीडरशिप की क्वालिटी डालने वाली नेशनल कैडेट कोर को लेकर केंद्र सरकार ने एक बहुत ही ज़रूरी और स्टूडेंट-फ्रेंडली पहल शुरू की है। अब से, जब भी सरकारी ही नहीं, बल्कि प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ने वाले NCC कैडेट्स नेशनल लेवल के ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लेंगे, तो उनका सारा फाइनेंशियल खर्च राज्य और केंद्र सरकार उठाएगी।

पहले, प्राइवेट इंस्टीट्यूशन के स्टूडेंट्स पर होता था फाइनेंशियल बोझ

पहले, सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के कैडेट्स को कैंप के लिए फाइनेंशियल मदद मिलती थी, जबकि प्राइवेट सेक्टर के एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के स्टूडेंट्स को कैंप में हिस्सा लेने के लिए ट्रेन का किराया, खाना, यूनिफॉर्म और दूसरे ट्रेनिंग खर्च अपनी जेब से या इंस्टीट्यूशन से उठाने पड़ते थे। इस भेदभाव की वजह से, प्राइवेट स्कूलों और कॉलेजों के कई टैलेंटेड और आर्थिक रूप से पिछड़े स्टूडेंट्स नेशनल लेवल के कैंप से वंचित रह जाते थे। नई पॉलिसी से कैडेट्स को ये बड़े फायदे मिलेंगे

सरकार के इस फैसले से देश भर के लाखों NCC कैडेट्स में नया जोश और उत्साह देखा जा रहा है

बराबर मौका और हौसला: सरकारी और प्राइवेट स्कूल-कॉलेज के बीच का फर्क खत्म हो जाएगा। हर एलिजिबल कैडेट को अपनी स्किल्स के आधार पर नेशनल कैंप में शामिल होने का बराबर मौका मिलेगा।

सारा खर्च सरकार उठाएगी: कैंप के दौरान आने-जाने का खर्च, रहने और खाने का इंतज़ाम, खास गियर और ट्रेनिंग का पूरा खर्च सरकार उठाएगी।

डिफेंस सेक्टर में युवाओं का आकर्षण बढ़ेगा: इस फैसले से ज़्यादा से ज़्यादा स्टूडेंट्स NCC की तरफ अट्रैक्ट होंगे, जिससे भविष्य में इंडियन आर्म्ड फोर्सेज़ (आर्मी, नेवी, एयर फोर्स) में युवा शक्ति के इंटीग्रेशन को बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

युवाओं को मज़बूत बनाने और देश बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम

अब प्राइवेट इंस्टीट्यूशन के स्टूडेंट्स भी बिना किसी पैसे की चिंता के रिपब्लिक डे परेड , थल सैनिक कैंप और एक भारत श्रेष्ठ भारत जैसे बहुत ज़रूरी नेशनल कैंप में अपने राज्य और इंस्टीट्यूशन को रिप्रेजेंट कर सकेंगे। सरकार की इस क्रांतिकारी योजना ने शिक्षा और रक्षा के क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश दिया है, जिससे देश के युवाओं का मनोबल शेर की तरह मजबूत होगा

नशे में धुत महिला एक्टिव नहीं चला पा रही थी, अभयम उसे वैन में घर ले गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के उत्तरी इलाके में, दो नाबालिग बच्चों की एक विधवा मां नशे में धुत होकर अपनी एक्टिव लेकर सड़क पर थी। बहुत ज्यादा नशे में होने की वजह से महिला एक्टिव नहीं चला पा रही थी और एक्टिव को सड़क पर खड़ी करके लोगों को गालियां दे रही थी। इस वजह से किसी तीसरे पक्ष ने अभयम महिला हेल्पलाइन को सूचना दी। कॉल मिलने पर अभयम की टीम मौके पर पहुंची। कॉलर ने टीम को बताया, 'बेन बहुत नशे में हैं। वह एक्टिव को यहां खड़ी करके लोगों को गालियां दे रही है।' महिला की काउंसलिंग करते हुए उसने कहा कि वह अपनी दोस्त के घर गई थी और अब घर जाना चाहती है। महिला के पति से संपर्क करने के बारे में पूछे जाने पर महिला ने बताया कि उसके पति की तीन साल पहले मौत हो गई थी और वह अपने दो नाबालिग बच्चों के साथ रहती है। उसने यह भी कहा कि उसका अपने ससुराल वालों से कोई रिश्ता नहीं है। महिला ने खुद घर जाने की बात कही थी, लेकिन बहुत ज्यादा नशे की वजह से वह ठीक से चल भी नहीं पा रही थी, इसलिए एक्टिवा चलाना तो दूर की बात थी। ऐसे में अगर महिला एक्टिवा चलाती, तो एक्सीडेंट होने का चांस रहता, इसलिए अभयम की टीम ने महिला को अकेले नहीं जाने दिया। अभयम की टीम ने महिला का पता लिया और उसे पुलिस वैन में बिठाकर सुरक्षित घर पहुंचाने का इंतज़ाम किया। उसी समय, एक पुलिसवाले ने महिला की एक्टिवा उसके घर तक पहुंचाई। जब महिला घर पहुंची, तो उसके दो नाबालिग बच्चों ने राहत की सांस ली। महिला की बेटी ने अभयम की टीम को बताया, 'हम काफी देर से अपनी मां को फोन कर रहे थे, लेकिन उनका मोबाइल बंद होने की वजह से हम परेशान थे। हमारी मां को घर पहुंचाने के लिए आपका शुक्रिया।' इस तरह, इससे पहले कि नशे में एक्टिवा चला रही एक महिला की वजह से कोई एक्सीडेंट होता और किसी और को नुकसान होता, अभयम की टीम ने समय पर मदद की और महिला को सुरक्षितरूप से उसके बच्चों तक पहुंचाया।

स्टूडेंट्स के भविष्य के साथ बड़ा खेलः 3,334 टीचर मामूली जोड़ भी नहीं कर पाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन बोर्ड की तरफ से 10वीं और 12वीं की आंसर शीट्स के इवैल्यूएशन के बाद सामने आए आंकड़ों ने पूरे एजुकेशन जगत में हलचल मचा दी है। पता चला है कि राज्य के 3,334 टीचर, जो डिग्री लेकर स्कूलों में बच्चों को पढ़ाते हैं, उन्होंने आंसर शीट्स में मार्क्स जोड़ने में गंभीर गलतियां कीं। बोर्ड रिजल्ट घोषित होने के बाद जब स्टूडेंट्स ने री-चेकिंग और मार्क्स के वेरिफिकेशन के लिए अप्लाई किया तो इवैल्यूएशन करने वाले टीचर्स की बड़ी लापरवाही सामने आई: टीचर्स का डिपार्टमेंटवाइज आंकड़ा: जिन टीचर्स पर जुर्माना लगा है उनमें 10वीं के 1,671, 12वीं जनरल स्ट्रीम के 1,137 और 12वीं साइंस स्ट्रीम के 526 टीचर्स शामिल हैं। 3,334 टीचर्स पर 50 लाख से ज्यादा का जुर्माना हर गलती पर 100 रुपये: बोर्ड के नियमों के मुताबिक, 1 मार्क की गलती पर एक टीचर पर 100 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। कुछ मामलों में 100 से ज्यादा मार्क्स की गंभीर गलतियां देखी गई हैं, जिसकी वजह से कुछ टीचरों पर 10,000 रुपये से ज्यादा का जुर्माना भी लगाया गया है। 50 लाख से ज्यादा की रकम वसूली जाएगी: बोर्ड ने इन 3,334 टीचरों से जुर्माने के तौर पर कुल 50 लाख रुपये से ज्यादा की रकम वसूलने की कार्रवाई की है। टीचर की एक छोटी सी गलती की वजह से कई होनहार स्टूडेंट्स का रिज़ल्ट खराब हो गया और कुछ पास होने वाले स्टूडेंट्स को फेल घोषित कर दिया गया।

इसुदान गढ़वी के विरोध में गोपाल इटालिया ने BJP सरकार की कड़ी आलोचना की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खंभालिया। आम आदमी पार्टी के प्रदेश नेता इसुदान गढ़वी द्वारा खंभालिया और देवभूमि द्वारका इलाके के किसानों के लंबित मुद्दों, सिंचाई के पानी और फसलों के सही दाम को लेकर किए गए विरोध प्रदर्शन ने राज्य की राजनीति को गरमा दिया है। किसानों के समर्थन में आए गोपाल इटालिया ने मंच से BJP सरकार पर कड़े हमले किए और सरकार की किसान विरोधी नीतियों की आलोचना की। किसानों के नाम पर वोट लेने वाली सरकार आज चुप क्यों है?': गोपाल इटालिया के तीखे सवालद्द प्रदर्शन स्थल से किसानों का दुख-दर्द बताते हुए गोपाल इटालिया ने राज्य सरकार और सत्ताधारी पार्टी पर गंभीर सवाल उठाए: किसानों की मुश्किलों के सामने प्रशासन की चुप्पी: दुनिया के सबसे अमीर आदमी को अपने हक, सिंचाई के पानी और बिजली के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है, यह सरकार की नाकामी दिखाता है। द्वारका जिले के लोकल किसान बड़ी संख्या में इस धरने में शामिल हुए। इसुदान गढ़वी और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने साफ कर दिया है कि यह आंदोलन कोई राजनीतिक रोटी सेंकने के लिए नहीं है, बल्कि किसानों के जिंदा रहने की लड़ाई है। अगर सरकार ने किसानों की सही मांगों को तुरंत नहीं माना और कोई हल नहीं निकाला तो यह आंदोलन पूरे गुजरात में विरोध प्रदर्शन का रूप ले लेगा।

सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई की धमकी

गोपाल इटालिया ने अपने भाषण में चेतावनी दी कि धरना और विरोध प्रदर्शन तो बस शुरुआत है। अगर सत्ताधारी सरकार ने किसानों की समस्याओं को अनदेखा करना बंद नहीं किया तो आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी किसानों के हक के लिए सेक्रेटेरिएट तक कार्यक्रम करने से नहीं हिचकिचाएगी।3

एलीट की खेल प्रतिभाओं को तराशने की मुहिम, दो विद्यालयों में बांटी खेल सामग्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सुमेरपुर। राष्ट्रीय खेल सप्ताह के तहत एलीट स्पोर्ट्स अकादमी सुमेरपुर ने क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में विशेष पहल करते हुए दो विद्यालयों में खेल सामग्री भेंट की। अभियान के तहत ज्ञानदीप माध्यमिक विद्यालय, सुमेरपुर एवं राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, रामनगर में विद्यार्थियों से रूबरू होकर उन्हें विभिन्न खेल सामग्री प्रदान की गई और नियमित रूप से खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। अकादमी के संस्थापक देवेंद्र सिंह सिसोदिया व उपसंस्थापक योगेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि एलीट का उद्देश्य केवल अकादमी तक सीमित रहकर खिलाड़ी तैयार करना नहीं, बल्कि क्षेत्र के प्रत्येक प्रतिभाशाली बच्चे तक खेलों के अवसर पहुँचाना है। 'हमारा प्रयास है कि प्रत्येक विद्यालय शिक्षा के साथ खेलों में भी आगे बढ़े। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र का कोई भी प्रतिभाशाली बच्चा संसाधनों के अभाव में पीछे न रहे।' उन्होंने कहा कि जिस विद्यालय में जरूरतमंद खिलाड़ियों के लिए खेल सामग्री की आवश्यकता होगी, एलीट वहां तक खेल सामग्री पहुँचाने का हरसंभव प्रयास करेगा। सिसोदिया ने कहा कि राज्य सरकार भी खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने पर विशेष ध्यान दे रही है। ऐसे में हम उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाते हुए जमीनी स्तर पर खेलों का मजबूत वातावरण तैयार करना होगा। विद्यालय स्तर पर सही मार्गदर्शन, संसाधन और प्रशिक्षण मिलने से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं भी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना सकती हैं। अकादमी के उप-संस्थापक योगेंद्र सिंह राणावत ने कहा कि एलीट ने सत्र 2027-28 के लिए लक्ष्य निर्धारित किया है कि क्षेत्र से अधिक से अधिक खिलाड़ी जिला एवं राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व करें। इसके लिए विद्यालय स्तर से प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें प्रोत्साहन और उचित मार्गदर्शन देने की दिशा में लगातार कार्य किया जाएगा। खेल सामग्री वितरण के दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर अकादमी के मुख्य कोच फिरोज खान, मैनेजर यशपाल सिंह सहित विद्यालयों के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नेवान बंसल ने जीता सुपरकिड्ज़ अवार्ड, राजस्थान में हासिल किया प्रथम स्थान

उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर नेवान ने हासिल किया पहला स्थान, ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र और 15 हजार रुपए की नकद राशि से सम्मानित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आसींद। एसआईपी अबेकस द्वारा आयोजित सुपरकिड्ज राष्ट्रीय प्रतियोगिता में आसींद के प्रतिभावान छात्र नेवान बंसल ने राजस्थान में प्रथम स्थान हासिल कर सुपरकिड्ज अवार्ड अपने नाम किया। इस उपलब्धि के लिए नेवान को ट्रॉफी, प्रमाण-पत्र एवं 15 हजार रुपए की नकद राशि प्रदान की गई। उनकी इस सफलता से परिवार, विद्यालय एवं क्षेत्र में खुशी का माहौल है। नेवान को यह प्रतिष्ठित सम्मान अबेकस में पिछले तीन वर्षों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, दसवीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम तथा विभिन्न ओलंपियाड परीक्षाओं में शानदार उपलब्धियों के आधार पर प्रदान किया गया। नेवान लगातार तीन वर्षों तक राष्ट्रीय चैंपियन रह चुके हैं। इसके साथ ही दसवीं बोर्ड परीक्षा में उन्होंने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया था। गणितीय प्रतिभा के क्षेत्र में भी नेवान ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। आईओक्यूएम परीक्षा में उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल किया है। इसके अलावा कई अन्य ओलंपियाड प्रतियोगिताओं में भी नेवान स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। बचपन से ही मेधावी रहे नेवान ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर लगातार नई उपलब्धियां हासिल की हैं। नेवान बंसल डॉ. राजीव बंसल एवं डॉ. शानू बंसल के सुपुत्र हैं। सुपरकिड्ज अवार्ड मिलने पर विद्यालय के निदेशक अनिल बंसल सहित रिश्तेदारों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने नेवान को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सरकारी बेकार ज़मीन पर हॉस्पिटल बनाने की मांग, हॉस्टल नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। कलारानी के पास रंगली चार रास्ता के पास हॉस्टल के लिए दी गई सरकारी बेकार ज़मीन को लेकर गांववालों में विरोध शुरू हो गया है कलारानी ग्रुप ग्राम पंचायत ने ज़िला कलेक्टर को एक अर्ज़ी देकर इस ज़मीन के अलॉटमेंट को खारिज़ कर दिया है, और यहां हॉस्पिटल बनाने की मांग की है। गांववालों का कहना है कि इलाके में सही हेल्थ सुविधाएं न होने की वजह से इमरजेंसी में मरीज़ों को बोडेली समेत दूसरी जगहों पर ले जाना पड़ता है। छोटा उदयपुर ज़िले में कलारानी गांव और आस-पास के गांवों में हॉस्पिटल बनाने की मांग उठ रही है। कलारानी के पास रंगली चार रास्ता के पास सरकारी बेकार ज़मीन को हॉस्टल बनाने के लिए अलॉट किए जाने की जानकारी सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में विरोध शुरू हो गया है। गांववालों का कहना है कि इस इलाके में अभी सही हेल्थ सुविधाएं मौजूद नहीं हैं। गंभीर बीमारी या इमरजेंसी में मरीज़ों को इलाज के लिए बोडेली या दूसरे शहरों में ले जाना पड़ता है। गांववालों की मांग है कि लोकल लेवल पर हॉस्पिटल की सुविधा दी जाए ताकि मरीज़ को समय पर इलाज मिल सके। कलारानी ग्रुप ग्राम पंचायत ने डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर को एक एप्लीकेशन देकर रिक्वेस्ट की है कि हॉस्टल के लिए दी गई ज़मीन का अलॉटमेंट रिजेक्ट किया जाए और उसी सरकारी ज़मीन को हॉस्पिटल बनाने के लिए अलॉट किया जाए। गांववालों के मुताबिक, अगर यहां हॉस्पिटल बन जाता है, तो कलारानी समेत आस-पास के कई गांवों के लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। इमरजेंसी के समय मरीज़ों को ले जाने में होने वाली मुश्किल, समय और खर्च भी कम हो सकता है। हालांकि, अगर गांववालों की मांग नहीं मानी गई, तो आने वाले दिनों में आंदोलन की धमकी भी दी गई है। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि गांववालों की इस बात पर विचार करके डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन क्या फैसला लेता है और कलारानी में हॉस्पिटल का सपना पूरा होता है या नहीं।

न्यूज़ रिपोर्ट का तेज़ असरः छोटाउदेपुर सिविल हॉस्पिटल में रिपोर्ट के बाद जागा सिस्टम, एक ही चैंबर में तीन डॉक्टर मौजूद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। सिविल हॉस्पिटल में डॉक्टरों की लंबे समय से चली आ रही गड़बड़ी और इलाज के लिए घंटों इंतज़ार करने वाले गरीब मरीज़ों की बुरी हालत के बारे में मीडिया रिपोर्ट छपते ही हेल्थ सिस्टम एक झटके में जागा। रिपोर्ट के तुरंत बाद, हॉस्पिटल की हालत में अचानक सुधार देखा गया और एक ही चैंबर में तीन डॉक्टर स्टाफ़ के साथ मरीज़ों की जांच करते दिखे। जिस सिविल हॉस्पिटल में मरीज़ों को डॉक्टर की जांच के लिए भी घंटों लंबी लाइनों में खड़ा रहना पड़ता था, वहां मीडिया के कैमरों और रिपोर्ट के असर से सिस्टम तुरंत एक्शन मोड में आ गया है। हालांकि, इस सुधार के साथ ही सिस्टम के काम करने के तरीके पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जनता के ज़रूरी सवालों की ज़िम्मेदारी कौन लेगा? सिर्फ़ कैमरे के सामने ही एक्टिविज़्म क्यों? अगर डॉक्टर मीडिया रिपोर्ट के बाद आ सकते हैं, तो पिछली बार मरीज़ों की शिकायतों के समय सिस्टम सोया क्यों था? परमानेंट सिस्टम या सिर्फ़ दिखावा? क्या यह सुधार सिर्फ़ रिपोर्ट वाले दिन तक ही रहेगा या रोज़ का सिस्टम बन जाएगा? आउटपेशेंट का क्या? दूर-दराज़ के गांवों से किराया देकर आने वाले गरीब मरीज़ों को समय पर इलाज की गारंटी परमानेंटली कौन देगा? सरकारी अस्पताल जनता के टैक्स के पैसे से चलते हैं। मरीज़ों को सही और समय पर इलाज देना सिस्टम का पहला काम है, कोई एहसान नहीं। अगर एक रिपोर्ट रातों-रात सिस्टम बदल सकती है, तो पहले सिस्टम में इतनी कड़ी मॉनिटरिंग क्यों नहीं थी? पाको गुजरात से सीधा सवालः क्या बड़े अधिकारी ऐसे सिस्टम के खिलाफ़ कोई परमानेंट और सख़्त एक्शन लेंगे जो सिर्फ़ खबर छपने पर सुधरता है?

द्वितीय दिवस सिद्धि तप तपस्वियो के केसर छांटना वधामणा का हुआ आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महिदपुर। श्री राजेंद्र सुरि ज्ञान मंदिर में चातुर्मास हेतु विराजित परम पूज्य साध्वी डॉ अमृतरसा श्री जी महाराज साहब ने मंगलवार को नवीन महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर उपस्थित समाज जनों को धर्म सभा में सम्बोधित करते हुए कहा कि अति दुर्लभ मनुष्य का भव हमें पुण्य का पोषण और पाप का शोषण करने के लिए मिला है। यह सोने के लिए नहीं सोई हुई आत्मा को जगाने के लिए मिला है। पूज्य साध्वी जी ने कहा कि बच्चों को हमने कार तो दे दी, लेकिन नवकार नहीं दिया बच्चों में धर्म का बीजारोपण होना परम आवश्यक है। जैन समाज मीडिया प्रभारी सचिन भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि द्वितीय दिवस सिद्धि तप तपस्वियों को केसर छांटने के वधामणा का मंगलकारी लाभ पारसमल राजेश कुमार ईशान कुमार मेहता परिवार नामली प्रतापगढ़ द्वारा लिया गया। आज की सा धार्मिक भक्ति प्रभावना एवं संपूर्ण दिवस का लाभ राकेश कुमार ऋषभ कुमार कोचर मावा वाला परिवार एवं प्रवचन प्रभावना का लाभ प्रकाश चंद्र चत्तर की छठी पुण्यतिथि के निमित्त पीयूष कुमार पार्थ कुमार चत्तर परिवार के द्वारा लिया गया। 2 घंटे चले कार्यक्रम में सभी समाज जनों ने तपस्वी के तप की बारंबार अनुमोदना कर पुण्य लाभ अर्जित किया। मंगलकारी कार्यक्रम में सभी समाज जनों ने उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

सोसायटी में घुसी कार ने 3 साल के मासूम जॉय की जान ले ली वडोदरा के श्री ग्रिल फ्लैट्स में दिल दहला देने वाली घटना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। कल रात वडोदरा शहर के श्री ग्रिल फ्लैट्स कॉम्प्लेक्स में एक बहुत ही दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। रात में डिनर के बाद पिता अपने 3 साल के मासूम बेटे जॉय सोलंकी को फ्लैट के नीचे खुली हवा में खेलने के लिए ले गया था। इसी बीच, सोसायटी में रहने वाले एक कार ड्राइवर की बड़ी लापरवाही और खेलते हुए मासूम बच्चे को कुचलने वाली तेज रफ्तार कार ने पूरे इलाके में दहशत फैला दी है। मासूम बच्चे को उसके पिता की आंखों के सामने कुचला गया: जानलेवा चोटें हॉस्पिटल पहुंचने से पहले ही चली गई ह घटना पल भर में हुई। रात में डिनर के बाद पिता बच्चे के साथ फ्लैट के नीचे कंपाउंड में खेल रहा था। उसी समय, सोसायटी में रहने वाले एक कार ड्राइवर ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए 3 साल के जॉय को टक्कर मार दी। पिता की चीख-पुकारः एक्सीडेंट होते ही अपने मासूम बेटे को लहूलुहान हालत में पड़ा देखकर उसके पैरों तले से ज़मीन खिसक गई। पिता तुरंत बच्चे को बचाने की पूरी कोशिश करते हुए हॉस्पिटल की तरफ भागा।

डॉक्टरों ने मृत घोषित कियाः हॉस्पिटल पहुंचते ही ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने मासूम जॉय की जांच की और उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सयाजी हॉस्पिटल भेज दिया गया है। रिवार ने इंसाफ मांगा जिस सोसाइटी में बच्चों से सुरक्षित खेलने की उम्मीद की जाती है, वहां रहने वाले कार ड्राइवर की इतनी बड़ी लापरवाही से 3 साल के फूल जैसे मासूम बच्चे की अकाल मौत हो गई, जिससे परिवार शर्मसार हो गया है। सयाजी हॉस्पिटल के गलियारों में माता-पिता की करुण चीखें गूंज रही थीं। बच्चे के परिवार वालों और स्थानीय लोगों ने पुलिस से पुरज़ोर मांग की है कि वह कार ड्राइवर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और क्रिमिनल नेग्लिजेंस का केस दर्ज करके उसे जेल भेजें। सोसाइटी परिसर में लापरवाही से गाड़ी चलाने वाले लोगों के खिलाफ कानून लागू करना अब बेहद जरूरी हो गया है।

ग्लोबल संकट के बीच भारत का डंकाः PM मोदी ने देशवासियों से सोना खरीदने से बचने की अपील की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। ग्लोबल आर्थिक अस्थिरता और युद्ध जैसे संकटों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने ज़बरदस्त प्रदर्शन करके दुनिया को चौंका दिया है। भारत की GDP ग्रोथ रेट 7.8 परसेंट दर्ज होने के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो पोस्ट किया है और देशवासियों की मेहनत की तारीफ़ की है। इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ने देश की अर्थव्यवस्था को और मज़बूत करने और गैर-ज़रूरी इम्पोर्ट कम करने की भी अहम अपील की है। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में ज़ोर दिया कि जब दुनिया के बड़े देश आर्थिक मंदी और महंगाई से जूझ रहे हैं, तब भारत ने 7.8 परसेंट की आर्थिक ग्रोथ रेट हासिल की है। देशवासियों की मेहनत की जीतः यह कामयाबी कोई सरकारी आंकड़ा नहीं है, बल्कि देश के किसानों, मज़दूरों, युवाओं, छोटे व्यापारियों और उद्यमियों की बिना थके मेहनत का नतीजा है। आत्मनिर्भर भारत की नींवः भारतीय अर्थव्यवस्था की यह मज़बूती दिखाती है कि देश सच में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था को और स्थिर रखने के लिए प्रधानमंत्री ने देशवासियों से एक खास अनुरोध किया है सोने के इम्पोर्ट पर रोकः भारत को बड़े पैमाने पर सोना इम्पोर्ट करना पड़ता है, जिससे विदेशी मुद्रा बाहर जाती है। समझदारी से खरीदेंPM मोदी ने देशवासियों से आग्रह किया है कि जब तक बहुत ज़रूरी न हो, गैर-ज़रूरी खर्च या सोना खरीदने से बचें, ताकि देश के फाइनेंशियल रिसोर्स का इस्तेमाल देश के विकास के लिए किया जा सके। प्रधानमंत्री के इस संदेश से यह साफ़ है कि सरकार आने वाले समय में भी आर्थिक नीतियों को और ज़्यादा एग्रेसिव और प्रोडक्टिव बनाने की दिशा में काम कर रही है। देशवासियों से गैर-ज़रूरी खर्चे से बचकर लोकल प्रोडक्ट और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने का आह्वान किया गया है।

राजकोट क्राइम ब्रांच को बड़ी कामयाबी लूट के दो अनसुलझे मामले सुलझाए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। शहर में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने में सक्रिय क्राइम ब्रांच टीम को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने शहर के गांधीग्राम-2 (यूनिवर्सिटी) पुलिस स्टेशन और राजकोट तालुका पुलिस स्टेशन इलाकों में लूट के दो गंभीर और अनसुलझे मामलों को सुलझाया है और 4 कुख्यात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अनसुलझे अपराधों पर क्राइम ब्रांच की सर्जिकल स्ट्राइक पिछले कुछ समय से यह जानकारी सामने आ रही थी कि राजकोट शहर में नागरिकों को निशाना बनाकर लूटपाट करने वाले गिरोह सक्रिय हो गए हैं। इस मामले में राजकोट क्राइम ब्रांच टीम ने टेक्निकल सर्विलांस और मुखबिरों के नेटवर्क को सक्रिय करके जोरदार जांच शुरू की थी। पुलिस की विस्तृत जांच और खास जानकारी के आधार पर लूट की दो अलग-अलग घटनाओं में शामिल 4 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों से कड़ी पूछताछ के दौरान गांधीग्राम-2 और तालुका पुलिस स्टेशन में दर्ज लूट के अपराधों का कबूलनामा सामने आया है। 2.87 लाख रुपये जब्त गिरफ्तार आरोपियों की तलाशी और पूछताछ के बाद, पुलिस ने डकैती में इस्तेमाल किया गया कीमती सामान और लूटा गया सामान जब्त कर लिया है: गाड़ियाँ और हथियारः डकैती की घटना में इस्तेमाल की गई 2 एक्सेस मोटरसाइकिल और डर दिखाने के लिए इस्तेमाल किया गया एक तेज चाकू। राजकोट क्राइम ब्रांच ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार करके कानूनी कार्रवाई की है। रिमांड लेकर गहराई से पूछताछ की जा रही है ताकि पता चल सके कि इस गैंग ने राजकोट शहर या आस-पास के ज़िलों में ऐसी और कितनी डकैती या चोरियाँ की हैं। क्राइम ब्रांच के इस सफल ऑपरेशन से अपराधियों में दहशत फैल गई है।

दिल्ली में 47 लाख वोटर्स के नाम गायब'गरीब लोगों के वोटों पर बड़ी डकैती', AAP नेता सौरभ भारद्वाज का गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति गरमा गई है। दिल्ली की वोटर लिस्ट से करीब 47 लाख वोटर्स के नाम अचानक हटाए जाने से आम आदमी पार्टी ने सरकार और विपक्षी राष्ट्रीय पार्टियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। AAP के सीनियर नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गंभीर आरोप लगाए हैं कि यह कोई आम बदलाव नहीं है, बल्कि एक साजिश के तहत गरीब और मजदूर वर्ग के लोगों के वोट काटने का खेल है। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने मीडिया के सामने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा गरीब इलाकों पर सर्जिकल स्ट्राइकः बड़े पैमाने पर उन इलाकों से नाम हटाए गए हैं जहां झुग्गी-झोपड़ियां, झुग्गी-झोपड़ियां और मजदूर वर्ग के लोग रहते हैं। वोटों को ज़बरदस्ती हटाने का खेलः डेमोक्रेसी में हर नागरिक को वोट देने का अधिकार है, लेकिन अमीर गरीब लोगों को ज़बरदस्ती वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। चुनाव जीतने की साज़िशः पॉपुलर पॉलिसियों और गरीब-हितैषी स्कीमों का सपोर्ट करने वाले वोटरों के अधिकार छीनकर डेमोक्रेसी की हत्या करने की कोशिश की जा रही है।

47 लाख वोटरों के भविष्य पर सवाल

दिल्ली जैसे बड़े महानगर से इतनी बड़ी संख्या में वोटरों का वोटर लिस्ट से गायब होना चुनाव आयोग के काम करने के तरीके पर भी बड़े सवाल खड़े करता है क्या इतनी बड़ी संख्या में नाम हटाने से पहले सही वेरिफिकेशन किया गया था? बिना नोटिस दिए या लोकल रिप्रेजेंटेशन के नाम किस आधार पर हटाए गए? क्या यह एडमिनिस्ट्रेशन की लापरवाही है या पॉलिटिकल मकसद से की गई कोई बड़ी साज़िश? सौरभ भारद्वाज ने साफ चेतावनी दी है कि आम आदमी पार्टी इस नाइंसाफी के सामने चुप नहीं बैठेगी। हर प्रभावित इलाके में जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा, कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी और चुनाव आयोग से इस गड़बड़ी को तुरंत ठीक करने की पुरज़ोर मांग की जाएगी। अगर सही कार्रवाई नहीं की गई तो पूरी दिल्ली में इस मुद्दे पर सड़कों पर उतरकर जन आंदोलन करने की धमकी भी दी गई है।

सोन के पानी पर समझौता, अब असली परीक्षा

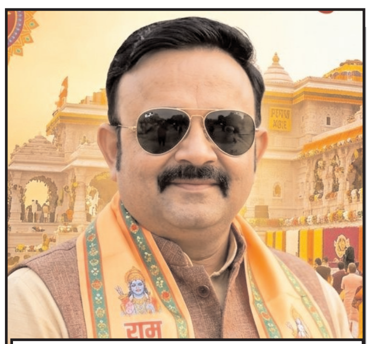

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

कुमार कृष्णन

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन का पानी अब केवल नदी का सवाल नहीं है। बिहार और झारखंड के बीच करीब 25 साल से चला आ रहा जल विवाद समझौते की मेज तक पहुंचा है। नई दिल्ली में दोनों राज्यों ने सोन नदी के जल बंटवारे पर समझौता किया है। हिस्सेदारी तय हो गई, लेकिन असली सवाल अब शुरू होता है–क्या यह पानी खेतों और घरों तक पहुंचेगा? क्या दोनों राज्य नदी को केवल बंटवारे की वस्तु मानने के बजाय साझा प्राकृतिक संसाधन की तरह देख पाएंगे? इस समझौते की सफलता इन्हीं सवालों के जवाब पर निर्भर करेगी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल तथा दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। केंद्र ने इसे 'टीम भारत' की भावना और सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। लंबे समय से अटके किसी अंतरराज्यीय जल विवाद का बातचीत के जरिए समाधान निस्संदेह महत्वपूर्ण है। लेकिन किसी समझौते का महत्व उसके दस्तावेज में नहीं, उसके परिणाम में होता है।

सोन जल विवाद की पृष्ठभूमि 1973 के बाणसागर समझौते तक जाती है। वर्ष 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड के गठन के बाद अविभाजित बिहार के हिस्से में रहे सोन के पानी के पुनर्वितरण का प्रश्न सामने आया। दोनों राज्यों के बीच यह मामला वर्षों तक उलझा रहा। अब बनी व्यवस्था के अनुसार बिहार को 5.75 मिलियन एकड़-फीट और झारखंड को 2 मिलियन एकड़-फीट पानी का हिस्सा निर्धारित किया गया है।

यह हिस्सा दोनों राज्यों के ग्रामीण जीवन के लिए महत्वपूर्ण है। बिहार में भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल, गया और पटना के बड़े इलाके सोन की सिंचाई व्यवस्था से जुड़े हैं। झारखंड में पलामू और गढ़वा सहित आसपास के क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की जरूरत लंबे समय से बनी हुई है। ऐसे में जल की हिस्सेदारी का स्पष्ट निर्धारण दोनों राज्यों के लिए राहत का आधार बन सकता है।

बिहार में सोन की सिंचाई व्यवस्था ने कृषि को अपेक्षाकृत स्थिर आधार दिया है। वर्षा की अनिश्चितता बढ़ने के साथ इसकी उपयोगिता और बढ़ी है। समय पर सिंचाई मिले तो किसान एक फसल पर निर्भर रहने के बजाय फसल विविधीकरण की ओर बढ़ सकते हैं। उत्पादन और ग्रामीण आय में भी सुधार की संभावना है। झारखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों में इसका महत्व और व्यापक है, जहां सिंचाई के साथ पेयजल भी बड़ी समस्या है।

लेकिन यहीं समझौते की पहली और सबसे कठिन परीक्षा है। पानी का हिस्सा तय हो जाना और पानी का खेत तक पहुंचना अलग-अलग बातें हैं। नहरों की क्षमता, उनकी मरम्मत, जलाशयों का संचालन, वितरण नेटवर्क, बिजली और स्थानीय सिंचाई व्यवस्था तय करेगी कि समझौते का लाभ वास्तव में किसे मिलता है। देश में अनेक सिंचाई परियोजनाओं का अनुभव रहा है कि स्रोत पर पानी मौजूद रहने के बावजूद कमजोर वितरण व्यवस्था के कारण उसका पूरा लाभ अंतिम छोर तक नहीं पहुंचता।

इसलिए समझौते के साथ स्पष्ट क्रियान्वयन योजना जरूरी है। दोनों राज्यों के बीच संयुक्त निगरानी व्यवस्था होनी चाहिए। जल प्रवाह, उपलब्धता और उपयोग के आंकड़े सार्वजनिक किए जाएं। किस मौसम में कितना पानी उपलब्ध है, कितना इस्तेमाल हुआ और किन क्षेत्रों को कितना पानी मिला–इनका नियमित हिसाब होना चाहिए। आधुनिक तकनीक से इसकी निगरानी संभव है। पारदर्शी आंकड़े राज्यों के बीच भरोसा बढ़ाने के साथ भविष्य के विवादों को भी रोक सकते हैं।

कम वर्षा या कम प्रवाह वाले वर्षों के लिए व्यवस्था और महत्वपूर्ण हो जाती है। सामान्य परिस्थितियों में हिस्सेदारी लागू करना आसान हो सकता है, लेकिन जल संकट के समय ही किसी समझौते की मजबूती सामने आती है। ऐसे समय में पेयजल, सिंचाई और नदी के पर्यावरणीय प्रवाह के बीच प्राथमिकता कैसे तय होगी, यह पहले से स्पष्ट होना चाहिए। संकट के समय यदि नियम अस्पष्ट रहे तो पुराना विवाद नए रूप में लौट सकता है।

अमित शाह ने सोन समझौते को सहकारी संघवाद का उदाहरण बताया है। इस वर्ष अंतरराज्यीय जल और उससे जुड़े कई मामलों में केंद्र की मध्यस्थता से सहमति बनी है। नर्मदा परियोजना से जुड़े राज्यों के बीच लंबित भुगतान का निपटारा, राजस्थान और हरियाणा के बीच यमुना जल परियोजना पर समझौता तथा किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना से जुड़े छह राज्यों के बीच सहमति इसी क्रम में हुई है।

इन घटनाओं को केवल समझौतों की संख्या के रूप में देखने के बजाय संघीय राजनीति में बदलती कार्यशैली के संकेत के रूप में देखना चाहिए। जल विवादों को लंबे समय तक राजनीतिक टकराव और कानूनी प्रक्रिया में उलझाए रखने के बजाय बातचीत से हल करने की कोशिश सकारात्मक है। लेकिन सहकारी संघवाद का अर्थ केवल केंद्र की मध्यस्थता नहीं है। उसमें राज्यों के बीच बराबरी का भरोसा, पारदर्शिता और साझा जिम्मेदारी भी जरूरी है।

सोन के पानी का सवाल स्थानीय लोगों की भागीदारी से भी जुड़ा है। पानी के बारे में फैसले राजधानी में होते हैं, लेकिन उसका असर गांवों में दिखाई देता है। किसान, खेतिहर मजदूर, मछुआरे और नदी किनारे रहने वाले समुदाय नदी की बदलती स्थिति को सबसे पहले महसूस करते हैं। इसलिए जल प्रबंधन की व्यवस्था में स्थानीय अनुभव और जरूरतों को शामिल किया जाना चाहिए।

सोन को केवल सिंचाई की नहर में बदल देना भी दूरदर्शी नीति नहीं होगी। नदी का अपना पारिस्थितिक जीवन है। उसका प्राकृतिक प्रवाह भूजल पुनर्भरण, मिट्टी की नमी, जैव विविधता और नदी पर निर्भर आजीविका से जुड़ा है। यदि नदी से पानी निकालने की मात्रा बढ़ती रही और प्राकृतिक प्रवाह की चिंता नहीं की गई तो भविष्य में जल उपलब्धता का संकट और गहरा सकता है। जल बंटवारे में पर्यावरणीय प्रवाह को भी एक आवश्यक तत्व मानना होगा।

जलवायु परिवर्तन इस चुनौती को और गंभीर बना रहा है। बारिश का समय और वितरण पहले की तरह निश्चित नहीं रहा। कभी कम समय में अत्यधिक वर्षा होती है, तो कभी लंबे समय तक सूखा पड़ता है। इसलिए भविष्य की जल नीति को पुराने औसत आंकड़ों तक सीमित नहीं किया जा सकता। नदी के प्रवाह और जल उपलब्धता का लगातार वैज्ञानिक आकलन आवश्यक है।

जल प्रबंधन का अर्थ केवल नदी से अधिक पानी लेना भी नहीं है। वर्षाजल संचयन, भूजल पुनर्भरण, स्थानीय तालाबों और जल संरचनाओं का संरक्षण तथा सूक्ष्म सिंचाई जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत करना होगा। खेत में पानी की दक्षता बढ़ेगी तो नदी पर दबाव कम होगा। फसल चयन को भी स्थानीय जल उपलब्धता के अनुरूप करने की जरूरत है।

इस समझौते का सबसे सकारात्मक पक्ष यह है कि सोन के पानी को विवाद की वस्तु से साझा विकास के संसाधन में बदला जा सकता है। बिहार और झारखंड की ऐतिहासिक निकटता इस सहयोग को आधार देती है। दोनों राज्यों की जरूरतें अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन कृषि और ग्रामीण जीवन के लिए पानी दोनों की समान आवश्यकता है।

इसलिए सोन समझौते को किसी एक राज्य की जीत या दूसरे की हार के रूप में देखना गलत होगा। पानी की साझेदारी का अर्थ है अधिकार के साथ जिम्मेदारी भी साझा करना। बिहार को अपने हिस्से के पानी का उपयोग करते हुए झारखंड की जरूरत को समझना होगा और झारखंड को भी साझा नदी तंत्र की सीमाओं को ध्यान में रखना होगा। इसी संतुलन से समझौता टिकाऊ बनेगा।

समझौते के बाद दोनों राज्यों को एक समयबद्ध कार्ययोजना बनानी चाहिए। नहरों और वितरण तंत्र की स्थिति का आकलन, आवश्यक निवेश, जल उपयोग की निगरानी और नियमित समीक्षा इसकी प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, विवाद खत्म होने के बाद संवाद खत्म नहीं होना चाहिए। नदी का स्वभाव बदलता है, इसलिए जल प्रबंधन की संस्थाओं को भी बदलती परिस्थितियों के अनुरूप काम करना होगा।

सोन का अनुभव देश के दूसरे अंतरराज्यीय जल विवादों के लिए भी महत्वपूर्ण है। पानी पर संघर्ष बढ़ने के पीछे केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि आंकड़ों की अस्पष्टता, अविश्वास और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी होती है। यदि राज्यों के बीच जल संबंधी आंकड़ों की साझेदारी, वैज्ञानिक आकलन और नियमित संवाद की व्यवस्था हो तो अनेक विवादों को गंभीर होने से पहले ही रोका जा सकता है।

इस पूरे मामले में एक बुनियादी सवाल फिर भी बना रहेगा–हम नदी को देखते कैसे हैं? यदि नदी को केवल बांध, नहर और जल की मात्रा के रूप में देखा जाएगा तो कोई भी समझौता अधूरा रहेगा। नदी एक जीवित प्राकृतिक तंत्र है, जिसके साथ मनुष्य की खेती, आजीविका और संस्कृति जुड़ी है। जल नीति को इस व्यापक दृष्टि की जरूरत है।

सोन पर हुआ समझौता इसलिए एक अंत नहीं, बल्कि शुरूआत है। करीब ढाई दशक पुराने विवाद को सुलझाने की राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाई गई है। अब उसी इच्छाशक्ति को प्रशासनिक दक्षता, वैज्ञानिक प्रबंधन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी में बदलना होगा।

अंततः इसकी सफलता का पैमाना कागज पर दर्ज 5.75 या 2 मिलियन एकड़-फीट पानी नहीं होगा। पैमाना यह होगा कि कितने खेतों तक सिंचाई पहुंची, कितने गांवों की पेयजल समस्या कम हुई और सोन का प्राकृतिक प्रवाह कितना सुरक्षित रहा।

सोन के पानी पर समझौता हो गया है। अब असली परीक्षा है–क्या पानी के साथ भरोसा भी बंटेगा, क्या विकास के साथ नदी भी बचेगी और क्या सहकारी संघवाद कागज से निकलकर खेत और गांव तक पहुंचेगा। यदि ऐसा हुआ तो यह समझौता केवल 25 साल पुराने विवाद का अंत नहीं, बल्कि अंतरराज्यीय जल सहयोग की एक नई शुरूआत होगा।

संपादकीय

फिर-फिर निर्भया कांड

एक बार फिर बारह साल पुराने निर्भया कांड की पुनरावृत्ति हुई है। निर्भयाकांड में दिसंबर 2012 में 23 साल की युवती के साथ क्रूरता से गैंगरेप हुआ था, जिसकी बाद में सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। इस घटना के बाद देश में व्यापक आक्रोश उभरा था। यौन हिंसा के खिलाफ कानून कठोर किए गए। इस कांड में साल 2020 में चार अपराधियों को फांसी की सजा दी गई थी। लेकिन सवाल यह है कि क्या सख्त कानून और कठोर सजाओं के बाद ऐसे अपराधों पर अंकुश लगा? दुखद है कि एक बार फिर निर्भयाकांड की पुनरावृत्ति हुई । अकेली नाबालिग लड़की, खाली बस और चलती बस में चालक-परिचालक द्वारा गैंग रेप। उ.प्र. की एक सोलह साल की लड़की किसी बात पर मां की डांट से क्षुब्ध हो घर छोड़कर अपने रिश्तेदार से मिलने नोयडा सेक्टर-63 के लिये चली। लेकिन रात के अंधेरे और बारिश के मौसम की गफलत में नोयडा के परी चौक पर उतर गई। सेक्टर-63 जाने के लिये उसने जिस बस को रुकवाया, उसमें बैठे दरिंदों ने बस के वहीं जाने की बात कहकर उसे बैठा लिया। पर्दे लगी स्लीपर बस में लड़की के बैठते ही परिचालक ने उससे छेड़छाड़ शुरू कर दी। चालक-परिचालक ने दुराचार किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। करीब 47 किलोमीटर के सफर में उसके साथ यौन हिंसा हुई। अपराधी उसे कश्मीरी गेट के निकट रिंग रोड में छोड़कर फरार हो गए। किशोरी ने साहस दिखाते हुए रात ही में कश्मीरी गेट पुलिस को वारदात की सूचना दी। पुलिस ने इस मामले में टीम बनाकर पड़ताल की। बस की पहचान व रूट की जानकारी सीसीटीवी कैमरों के जरिये की गई। चालक-परिचालक को तिमारपुर की बस पार्किंग से गिरफ्तार किया गया। फोरेंसिक जांच के लिये बस को भी कब्जे में लिया गया है। लेकिन सवाल है कि चार अगस्त की घटना को पुलिस ने क्यों पर्दे में रखा? आखिर क्यों हादसे की सार्वजनिक जानकारी 31 अगस्त को मीडिया को दी गई?

चिंतन-मनन

मन की शक्ति

मन को जीवन का केंद्रबिंदु कहना असंभव नहीं है। मनुष्य की क्रियाओं, आचरणों का प्रारंभ मन से ही होता है। मन तरह-तरह के संकल्प, कल्पनाएं करता है। जिस ओर उसका रुझान हो जाता है उसी ओर मनुष्य की सारी गतिविधियां चल पड़ती है। जैसी कल्पना हो उसी के अनुरूप प्रयास-पुरुषार्थ एवं उसी के अनुसार फल सामने आने लगते हैं। मन जिधर रस लेने लगे उसमें लौकिक लाभ या हानि का बहुत महत्व नहीं रह जाता। प्रिय लगने वाले के लिए सब कुछ खो देने और बड़े से बड़े कष्ट सहने को भी मनुष्य सहज ही तैयार हो जाता है। मन यदि अच्छी दिशा में मुड़ जाए; आत्मसुधार, आत्मनिर्माण और आत्मविकास में रुचि लेने लगे तो जीवन में एक चमत्कार हो सकता है। सामान्य श्रेणी का मनुष्य भी महापुरुषों की श्रेणी में आसानी से पहुंच सकता है। सारी कठिनाई मन को अनुपयुक्त दिशा से उपयुक्त दिशा में मोड़ने की ही है। इस समस्या के हल होने पर मनुष्य सच्चे अर्थ में मनुष्य बनता हुआ देवत्व के लक्ष्य तक सुविधापूर्वक पहुंच सकता है। शरीर के प्रति कर्तव्य पालन करने की तरह मन के प्रति भी हमें अपने उत्तरदायित्वों को पूर्ण करना चाहिए। कुविचारों और दुर्भावनाओं से मन गंदा, मलिन और पतित होता है, अपनी सभी विशेषता और श्रेष्ठताओं को खो देता है। इस स्थिति से सतर्क रहने और बचने की आवश्यकता का अनुभव करना हमारा पवित्र कर्तव्य है। मन को सही दिशा देते रहने के लिए स्वाध्याय की वैसी ही आवश्यकता है जैसे शरीर को भोजन देने की। आत्मनिर्माण करने वाली जीवन की समस्याओं को सही ढंग से सुलझाने वाली उत्कृष्ट विचारधारा की पुस्तकें पूरे ध्यान, मनन और चिंतन के साथ पढ़ते रहना ही स्वाध्याय है। यदि सुलझे हुए विचारों के जीवन विद्या के ज्ञाता कोई संभ्रांत सज्जन उपलब्ध हो सकते हों तो उनका सत्संग भी उपयोगी सिद्ध हो सकता है। मन का स्वभाव बालक जैसा होता है, उमंग से भरकर वह कुछ न कुछ करना-बोलना चाहता है। यदि दिशा न दी जाए तो उसकी क्रियाशीलता तोड़-फोड़ एवं गाली-गलौज के रूप में भी सामने आ सकती है। मन में जब सद्विचार भरे रहेंगे तो कुविचार भी कोई दूसरा रास्ता टटोलेंगे। ...

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह : जंक फूड की चमक के पीछे छिपता पोषण का संकट

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से एक से 7 सितम्बर के बीच 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जाता है। भारत सरकार के महिला और बाल विकास मंत्रालय के अंतर्गत खाद्य और पोषण बोर्ड प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ इसका आयोजन करता है, जो पूरे सप्ताह के दौरान होने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की दिशा निर्धारित करती है। 2026 के राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का विषय है 'पोषण की शक्ति को जानें' जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देने और कुपोषण को रोकने के लिए सभी आयु समूहों के लिए संतुलित आहार और स्वस्थ खाने के महत्व पर जोर देता है। दरअसल स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार के सेवन की आवश्यकता है लेकिन आज की बिगड़ी जीवनचर्या और गलत खानपान के कारण लोगों में तरह-तरह की बीमारियां पनप रही हैं। एक स्वस्थ और संतुलित आहार हमारे शरीर के विभिन्न अंगों को पोषण प्रदान करता है और हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक होता है। पोषण सप्ताह के अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य के लिए लोगों को शरीर को पोषण देने वाली खानपान की चीजों के बारे में जागरूक करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। दरअसल स्वास्थ्य के मोर्चे पर भारत द्वारा बेहतर कार्य करने के बावजूद लोगों में सेहत को लेकर जागरूकता के अभाव के चलते रोगियों का आंकड़ा बढ़ रहा है, जो उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं पर बहुत भारी पड़ रहा है। पोषण के महत्व को समझते हुए लोगों को खानपान, पोषण की पूर्ति और सेहत को लेकर जागरूक करने के लिए मार्च 1975 में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाए जाने की घोषणा सर्वप्रथम 'अमेरिकन डायटेटिक्स एसोसिएशन' द्वारा की गई थी, जिसे अब 'न्यूट्रिशन एंड डाइट साइंस एकेडमी' के नाम से जाना जाता है। 1980 में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह एक सप्ताह के बजाय पूरे एक माह तक मनाया जाने लगा लेकिन 1982 में निर्णय लिया गया कि इसे पूरे एक महीने के बजाय सितम्बर महीने के पहले सप्ताह में ही मनाया जाएगा। तभी से एक से सात सितम्बर तक 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' मनाया जा रहा है। पोषण सप्ताह के अवसर पर लोगों को शरीर को पोषण देने वाले फल, सब्जियों और अन्य पौष्टिक खाद्य सामग्रियों को आजमाने के लिए प्रेरित किया जाता है। कुपोषण का मनुष्य के स्वास्थ्य और विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप उत्पादकता में कमी और आर्थिक पिछड़ेपन की समस्या भी उत्पन्न होती है। पोषण स्वास्थ्य और कल्याण का केन्द्र बिंदु है, जो कार्य करने के लिए शक्ति एवं ऊर्जा प्रदान करता है और तंदुरुस्त एवं बेहतर महसूस करने में भी मददगार होता है। पर्याप्त पोषण का सेवन करने वाले व्यक्ति अधिक कार्य करते हैं जबकि खराब पोषण प्रतिरक्षा में कमी, बीमारी के जोखिम को बढ़ाने, शारीरिक एवं मानसिक विकास को क्षीण करने तथा कार्यक्षमता में कमी पैदा करने का कार्य करता हैं।

कानून का डर ही नहीं, संस्कारों की रोशनी भी जरूरी

कांतिलाल मांडोत

नाबालिग छात्रा के साथ बस में अपराध समाज के लिए चेतावनी, बेटियों की सुरक्षा केवल कड़े कानून से नहीं बल्कि चरित्र निर्माण से होगी...

नई दिल्ली में 16 वर्षीय छात्रा के साथ चलती बस में हुए कथित सामूहिक दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर समाज की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। पुलिस के अनुसार छात्रा ग्रेटर नोएडा के परी चौक से एक बस में सवार हुई थी और बाद में उसे दिल्ली के कश्मीरी गेट इलाके में छोड़ दिया गया। मामले में बस चालक और परिचालक को गिरफ्तार किया गया है। घटना की जांच चल रही है और अदालत में आरोपों की पुष्टि तथा अंतिम दोष सिद्ध होना अभी बाकी है। लेकिन इतना जरूर है कि एक नाबालिग लड़की के साथ इस प्रकार की कथित घटना समाज के सामने कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कानून कड़े होने के बावजूद अपराधियों के मन में कानून का भय क्यों नहीं पैदा हो रहा है? देश में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए कठोर प्रावधान मौजूद हैं। नाबालिगों की सुरक्षा के लिए पॉक्सो कानून बनाया गया है और गंभीर अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है। इसके बावजूद जब ऐसी घटनाएं सामने आती हैं तो स्पष्ट होता है कि केवल कानून बना देना पर्याप्त नहीं है। कानून आवश्यक है, लेकिन अपराध रोकने के लिए कानून के साथ सामाजिक चेतना, नैतिक शिक्षा, परिवार के संस्कार और जिम्मेदार नागरिकता भी उतनी ही आवश्यक है।

यह घटना इसलिए भी चिंता बढ़ाती है क्योंकि पीड़िता एक छात्रा है। वह किसी सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ रही एक बच्ची है। परिवार से किसी बात को लेकर निकली, रास्ते में परिस्थितियों के कारण असहाय हुई और जिस वाहन को उसने मदद का माध्यम समझा, उसी में उसके साथ कथित अपराध हो गया। यह स्थिति बताती है कि सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अभी भी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर दिखाई देनी चाहिए।

सार्वजनिक परिवहन में चालक और परिचालक केवल वाहन चलाने या यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले कर्मचारी नहीं होते। उनके ऊपर यात्रियों की सुरक्षा की भी जिम्मेदारी होती है। इसलिए परिवहन कंपनियों और संबंधित विभागों को कर्मचारियों के सत्यापन, प्रशिक्षण और निगरानी को गंभीरता से लेना चाहिए। बसों में पर्याप्त निगरानी व्यवस्था, आपातकालीन सहायता, शिकायत तंत्र और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था प्रभावी होनी चाहिए। किसी भी यात्री को यह महसूस नहीं होना चाहिए कि संकट की स्थिति में वह पूरी तरह अकेला है।

लेकिन सवाल केवल व्यवस्था का नहीं है। सवाल उस मानसिकता का भी है जिसमें किसी लड़की या महिला को कमजोर समझकर उसके साथ मनमानी करने की कोशिश की जाती है। किसी महिला की मजबूरी, अकेलापन या असहाय स्थिति किसी दूसरे व्यक्ति को अपराध करने का अधिकार नहीं देती। किसी की चुप्पी को सहमति समझना, विरोध को दबाने की कोशिश करना या डराकर अपनी बात मनवाना घोर अन्याय है। यह बहादुरी नहीं, बल्कि कायरता और चरित्रहीनता है। समाज को यह समझना होगा कि महिलाओं के सम्मान की शुरूआत घर से होती है। बच्चे क्या देखते हैं, क्या सुनते हैं और किस वातावरण में बड़े होते हैं, इसका उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ता है। माता-पिता द्वारा दिए गए संस्कार जीवनभर साथ रहते हैं। बच्चों को बचपन से ही यह सिखाना जरूरी है कि हर व्यक्ति की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। लड़की और लड़के में भेद किए बिना दोनों को मयार्दा, सहमति, जिम्मेदारी और दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का महत्व समझाना होगा। आज के समय में बच्चों और किशोरों पर उनके मित्रों, इंटरनेट, सोशल मीडिया और आसपास के वातावरण का भी प्रभाव पड़ता है। गलत संगत कई बार सही और गलत के बीच का अंतर कमजोर कर देती है। इसलिए केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि परिवार ने संस्कार दिए हैं। परिवार, विद्यालय और समाज तीनों को मिलकर बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में भूमिका निभानी होगी। युवाओं को यह समझाना होगा कि क्षणिक आवेश में लिया गया गलत निर्णय पूरी जिंदगी को प्रभावित कर सकता है।

अपराध के बाद पीड़िता की जिंदगी पर पड़ने वाले प्रभाव को भी समाज को समझना होगा। किसी अपराध की सबसे बड़ी त्रासदी केवल घटना तक सीमित नहीं रहती। पीड़ित व्यक्ति को लंबे समय तक मानसिक पीड़ा, भय, सामाजिक दबाव और असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए ऐसी घटनाओं में पीड़िता को दोष देने, उसके चरित्र पर सवाल उठाने या घटना के लिए उसे जिम्मेदार ठहराने की मानसिकता पूरी तरह समाप्त होनी चाहिए। अपराध की जिम्मेदारी केवल अपराध करने वाले की होती है। परिवारों की भी जिम्मेदारी है कि बच्चे यदि किसी परेशानी में हों तो वे बिना डर अपनी बात परिवार के सामने रख सकें। घर ऐसा स्थान होना चाहिए जहां बच्चा संकट में सबसे पहले अपने माता-पिता या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से सहायता मांग सके। संवाद की कमी कई समस्याओं को गंभीर बना देती है। बच्चों को यह विश्वास दिलाना आवश्यक है कि परेशानी में घर लौटना शर्म की बात नहीं, बल्कि समझदारी है।

इसके साथ ही प्रशासन और पुलिस की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। ऐसे मामलों में त्वरित जांच, वैज्ञानिक साक्ष्यों का संरक्षण और निष्पक्ष कार्रवाई आवश्यक है। अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर कोई नहीं होना चाहिए। तेज और निष्पक्ष न्याय व्यवस्था समाज में कानून के प्रति विश्वास मजबूत करती है। केवल कठोर सजा की घोषणा से अपराध नहीं रुकते; अपराध की निश्चित जांच, गिरफ्तारी और न्यायिक प्रक्रिया का प्रभावी होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

चौदह वर्ष पहले दिल्ली में हुई निर्भया घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उसके बाद कानूनों में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर देशभर में गंभीर चर्चा हुई। फिर भी समय-समय पर सामने आने वाली घटनाएं बताती हैं कि कानून के साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन की जरूरत अभी समाप्त नहीं हुई है। किसी घटना के बाद कुछ दिनों तक आक्रोश व्यक्त करना पर्याप्त नहीं। वास्तविक बदलाव तब होगा जब महिलाओं का सम्मान हमारे व्यवहार का स्वाभाविक हिस्सा बनेगा।

यह भी याद रखना होगा कि हर अपराधी को केवल किसी दूसरे घर की बेटी के संदर्भ में नहीं देखा जाना चाहिए। हर लड़की किसी की बेटी, बहन या परिवार का हिस्सा है, लेकिन उससे भी पहले वह स्वयं एक स्वतंत्र और सम्मानित इंसान है। महिलाओं का सम्मान रिश्ते के आधार पर नहीं, मानव गरिमा के आधार पर होना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने बच्चों को केवल सफल बनने की शिक्षा न दें, बल्कि अच्छा इंसान बनने की शिक्षा भी दें। पढ़ाई, नौकरी और आर्थिक सफलता महत्वपूर्ण हैं, लेकिन चरित्र, संयम और संवेदनशीलता के बिना ये उपलब्धियां अधूरी हैं। परिवारों में संवाद बढ़े, विद्यालयों में नैतिक एवं नागरिक शिक्षा को महत्व मिले, युवाओं को जिम्मेदार व्यवहार के लिए प्रेरित किया जाए और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए। दिल्ली की यह घटना पूरे समाज के लिए चेतावनी है। बेटियों की सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है और न ही केवल सरकार की। यह परिवार, विद्यालय, परिवहन व्यवस्था, प्रशासन और समाज–सभी की साझा जिम्मेदारी है। कठोर कानून अपराध के बाद न्याय दिला सकता है, लेकिन संस्कार और जागरूकता अपराध होने से पहले रोकने की शक्ति रखते हैं।

अंततः हमें यह संकल्प लेना होगा कि किसी भी महिला या बच्ची के सम्मान से खिलवाड़ को कभी सामान्य नहीं माना जाएगा। गलत को गलत कहने का साहस परिवार से लेकर समाज तक विकसित करना होगा। क्योंकि कानून का भय अपराधी को रोक सकता है, लेकिन अच्छे संस्कार व्यक्ति को अपराध करने की सोच तक पहुंचने से रोकते हैं। जब कानून की मजबूती और संस्कारों की शक्ति साथ आएगी, तभी ऐसा समाज बनाया जा सकेगा जिसमें बेटियां भय के साथ नहीं, विश्वास और सम्मान के साथ घर से बाहर निकल सकें।

दिव्या मित्तल IAS से इस्तीफा देने के बाद पहली बार पहुंचीं दफ्तर, निजी पारिवारिक कारण बताया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की तेजतर्रार आईएएस अफसर दिव?या मित?तल ने 30 अगस्त, 2026 को भारतीय प्रशासनिक सेवा से त?यागपत्र दे दिया। इस्तीफे के बाद पहली बार सोमवार को वह अपने दफ्तर पहुंची। उनसे मिलने के लिए लोग आए। प्रमुख सचिव एसपी गोयल को भेजे त्यागपत्र में उन्होंने निजी पारिवारिक कारण बताया है। अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं हुआ है। 43 साल की दिव्या मित्तल ने 13 साल की

नौकरी छोड़ने के बारे में सोशल मीडिया पर बताया था। दिव्या मित्तल एनेक्सी भवन स्थित अपने दफ्तर पहुंचीं। वह इस समय राजस्व विभाग में विशेष सचिव पद पर कार्यरत थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, थोड़ी देर तक कार्यालय में रहने के बाद दिव?या मित?तल वापस लौट गईं। जब से दिव?या मित्तल ने आईएएस से इस्तीफा दिया है, सोशल मीडिया पर अफवाहों का बाजार गर्म है। कोई दावा कर रहा है कि दिव?या मित्तल फील्ड पोस्टिंग चाहती थीं। साइड लाइन होने पर नाराज चल रही थीं। किसा का दावा है कि दिव्या मित्ल राजनीति में अपना भाग्य आजमाना चाहती हैं। वह अगले विधानसभा चुनाव में मिर्जापुर से लड़ सकती हैं। दरअसल, मिर्जापुर की डीएम रहने के दौरान अपने काम से दिव्या मित्तल ने काफी लोकप्रियता हासिल की थी। उन्होंने आजादी के 75 साल बाद एक गांव में पानी पहुंचाया था। इसको लेकर उनकी बहुत तारीफ हुई थी। करीब साल भर बाद जब उनका यहां से ट्रांसफर हुआ तो लोगों ने उनके ऊपर गुलाब के फूलों से बारिश की थी।

किसान से नोटों से भरा बैग लेकर भागने लगीं महिलाएं, लोगों ने दौड़ाकर पकड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महोबा। इंडियन बैंक के पास किसान से 3 लाख रुपये की टप्पेबाजी की कोशिश नाकाम हो गई. दिसरापुर निवासी किसान कांशीराम राजपूत बैंक से रकम निकालकर बाइक की डिग्गी में रख रहे थे. इसी दौरान दो महिलाओं ने मौका पाकर रुपयों से भरा थैला निकाल लिया और भागने लगीं. उत्तर प्रदेश के महोबा जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र के इंडियन बैंक के पास टप्पेबाजी की एक बड़ी वारदात नाकाम हो गई. जहां दिसरापुर निवासी किसान कांशीराम राजपूत बैंक से 3 लाख रुपये निकालकर अपनी बाइक की डिग्गी में रखे थे. इसी दौरान दो शातिर टप्पेबाज महिलाओं ने पलक झपकते ही रुपयों से भरा थैला पार कर दिया. लेकिन किसान की सतर्कता और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों महिलाओं को मौके पर ही दबोचकर पुलिस के हवाले कर दिया गया दरअसल ?महोबा के इंडियन बैंक के बाहर सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब दिनदहाड़े 3 लाख रुपये की टप्पेबाजी का प्रयास किया गया. दिसरापुर गांव के रहने वाले किसान कांशीराम राजपूत बैंक से अपने 3 लाख रुपये की नगदी निकालकर बाहर आए थे. किसान ने जैसे ही रुपयों से भरा थैला बाइक की डिग्गी में रखा, वहां पहले से घात लगाए बैठी टप्पेबाज महिला गैंग की दो सदस्यों ने झपट्टा मारकर नगदी पार कर दी और भागने लगीं. महिला आरोपियों को भागता देख किसान कांशीराम ने तुरंत शोर मचाया. किसान की मुस्तैदी और आसपास मौजूद लोगों की मदद से घेराबंदी कर भाग रही दोनों महिलाओं को मौके पर ही पकड़ लिया गया. घबराकर महिलाओं ने नगदी से भरा थैला सड़क पर फेंक दिया, लेकिन वे भागने में सफल न हो सकीं. घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को हिरासत में ले लिया. पुलिस ने बैंक और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है. सामने आए एक सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि किस तरह दोनों महिलाएं बाइक के आसपास मंडरा रही थीं और मौका मिलते ही एक महिला डिग्गी से थैला निकालती नजर आ रही है. फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की गहन जांच में जुटी है.

'सर, सड़क बनवा दीजिए, ड्रेस गंदी हो जाती हैं' कक्षा 1 की छात्रा की मऊ DM से फरियाद, मिला ये जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मऊ. उत्तरप्रदेश के मऊ जिले के नगर क्षेत्र स्थित वार्ड नंबर-17 की रहने वाली 7 वर्षीय मासूम बच्ची समरा नाज ने अपने मोहल्ले की टूटी सड़क बनवाने के लिए जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर डीएम से गुहार लगाई. कक्षा एक में पढ़ने वाली यह छात्रा हाथों में बदहाली का शिकायती पत्र लेकर सीधे डीएम दरबार पहुंची. बच्ची ने जिलाधिकारी को बताया कि स्कूल आते-जाते समय खराब कच्ची सड़क के कारण वह गिर जाती है और उसकी स्कूल ड्रेस गंदी हो जाती है. जिलाधिकारी आनंद वर्धन ने बच्ची की बात सुनकर टीम से जांच कराने और समाधान का आश्वासन दिया. इस घटना का वीडियो सोशल मिडिया पर वायरल हो रहा है. लोग बच्ची की हिम्मत की दाद दे रहे हैं, वहीं डीएम के अप्रोच की भी तारीफ कर रहे हैं. निजी कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ने वाली समरा नाज अपने घर के रास्ते की बदहाली से परेशान होकर खुद डीएम से मिलने पहुंची. बच्ची ने सीधे शब्दों में डीएम से कहा कि सर मेरे घर का रास्ता बनवा दीजिए. उसने बताया कि रास्ता बेहद खराब होने से उसे स्कूल आने-जाने में भारी दिक्कत होती है और वह कई बार गिर जाती है.

डीएम का आश्वासन और दुलार

जिलाधिकारी आनंद वर्धन ने मासूम की पूरी बात ध्यान से सुनी और परिजनों से सड़क के बारे में जानकारी ली. उन्होंने बच्ची को दुलारते हुए कहा कि रास्ता बनवाया जाएगा. साथ ही डीएम ने बच्ची को रोज स्कूल जाने और ध्यान लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया.

प्रशासन की जांच और कार्रवाई

डीएम आनंद वर्धन के अनुसार, वार्ड 17 में लगभग 25 मीटर रास्ता कच्चा है. उन्होंने बताया कि इस रास्ते की जांच के लिए टीम भेजी जाएगी और जो भी संभव समाधान होगा, उसे पूरा किया जाएगा ताकि बच्ची और अन्य लोगों का आवागमन आसान हो सके.

'मैं 12वीं में टॉप करूंगी और आप मुझे सम्मानित करेंगे', लड़की ने बताया सपना तो खूब हंसे CM मोहन यादव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के प्रतिभावन छात्रों को सीएम मोहन यादव ने लैपटॉप वितरित किए हैं। इस दौरान उन्होंने छात्र-छात्राओं के साथ संवाद भी किया है। उनकी बातों से सीएम मोहन यादव इतने प्रभावित हुए कि बच्चों की तारीफ करने से खुद को रोक नहीं सके। इस दौरान छात्रों के साथ उनका दिलचस्प संवाद भी दुआ है। एक छात्रा हिमांशी पाठक ने कहा कि मैंने सपने में देखा था कि आप मुझे सम्मानित कर रहे हैं और परीक्षा के बाद मैं आपके बगल में खड़ी हूं। दरअसल, 12वीं में 75' से ज्यादा नंबर लाने वाले विद्यार्थियों को सीएम मोहन यादव ने लैपटॉप दिया। उन्होंने 1 लाख 21 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए 304 करोड़ रुपए से अधिक की राशि उनके खातों में ट्रांसफर की। इस तरह

हर विद्यार्थी के खाते में 25-25 हजार रुपए आए। मोहन यादव ने कार्यक्रम में 10 विद्यार्थियों को मंच पर लैपटॉप प्रदान किए। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि सीएम ने विद्यार्थियों के साथ रिमोट का बटन क्लिक करवाकर रुपए ट्रांसफर कराए। मंच से सीएम ने छात्रों से बात की है। उन्होंने छात्रों से पूछा कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। छात्र वीरेंद्र सिंह बुंदेला ने कहा कि मैं राजनेता बनना चाहता हूं। इस पर सीएम यादव ने कहा कि यह भी हमारे लिए जरूरी है। बच्चे राजनेता बनकर देश को दिशा देने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। एक सवाल के जवाब में बुंदेला ने कहा कि मैंने लोगों की परेशानी देखी है। एक राजनेता उन परेशानियों को दूर कर सकता है। उन्होंने कहा कि जब मैंने देखा कि कोई राजनीति नहीं करना चाहता, तो मैंने फैसला किया कि मैं वो करूंगा जो कोई नहीं करना चाहता। मैं देश का विकास करना चाहता हूं। त्रा हिमांशी पाठक ने कहा कि मैं शुरूआत एयर होस्टेस बनकर करना चाहती हूं, लेकिन मेरा अंतिम उद्देश्य एंटरप्रिन्योर बनना है। आज कॉम्पटीशन ज्यादा है। इसलिए अपना काम करना ही उचित होगा। इस पर सीएम मोहन यादव ने कहा कि इसे सरल भाषा में कहा जाता है कि हम नौकरी पाने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनेंगे। इस बीच पूरा हॉल हिमांशी की उस बात पर ठहाकों से गूंज उठा, जब उसने कहा कि मैंने इस दृश्य को सपने में देखा है। मैंने देखा था कि इसी तरह का हॉल है और मैं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मंच पर हूं। हिमांशी सीएम को अपने सपने के बारे में बताया। उसने कहा कि मुझे पता था कि मैं 12वीं में टॉप करूंगी। मुझे खुद पर शक नहीं है। मैंने सपने में देखा था कि मैं सर के बगल में खड़ी रहूंगी और उनसे बात करूंगी। इसके बाद सीएम हंसने लगते हैं। फिर सीएम पास में बुलाते हैं कि और कहते हैं कि एग्जाम देने से पहले ही सोच ली। छात्रा ने कहा कि ऐसा सोचो कि जो कभी संभव नहीं हो और उसके लिए मेहनत करो। ये लैपटॉप मेरी बहुत मदद करेगा।

'मेरी मोड़ी को मार दिया', एंबुलेंस में नंदिनी का शव लेकर बिलखती मां, पिता और चाचा पर है आरोप, रक्षाबंधन पर आई थी घर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। रक्षाबंधन पर अपने घर लौटी एक बेटी की जिंदगी खत्म हो गई है, जहां से वह अपने सपनों को पूरा करने के लिए कर्नाटक गई थी। ग्वालियर के पिछोर थाना क्षेत्र के पथरियापुरा गांव में नंदिनी यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद सनसनी फैल गई है। मामले में मृतका के ही परिवार

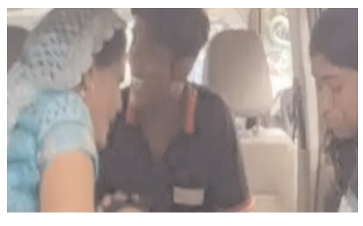

के सदस्यों ने उसके पिता भगवानसिंह यादव और चाचा संतोष यादव पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों के आरोपों के मुताबिक, नंदिनी कर्नाटक में एक मॉल में काम करती थी। वह रक्षाबंधन के मौके पर अपने घर आई थी। घर लौटने के बाद कर्नाटक में नौकरी करने को लेकर परिवार में विवाद की स्थिति बनी। इसी दौरान नंदिनी के किसी युवक से फोन पर बातचीत करने की बात भी सामने आई, जिसे लेकर घर में नाराजगी और विवाद बढ़ने की बात कही जा रही है। परिजनों का आरोप है कि देर रात विवाद के बाद नंदिनी के पिता भगवानसिंह यादव और उसके चाचा संतोष यादव ने कथित तौर पर उसकी साफी से गला दबा दिया। आरोप है कि गला दबाए जाने से नंदिनी की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में खबर फैलते ही हड़कंप मच गया। जिस घर में कुछ समय पहले तक रक्षाबंधन की खुशियां थीं, वहां अचानक मातम पसर गया। मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मृतका के भाई, बहन और मां ने ही नंदिनी की मौत के लिए उसके पिता और चाचा को जिम्मेदार ठहराया है। परिजनों का कहना है कि नंदिनी की मौत सामान्य नहीं थी, बल्कि उसकी हत्या की गई है। परिवार के सदस्यों द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

राजगढ़ में SC-ST एक्ट, GC और आरक्षण को लेकर सड़कों पर उतरा सवर्ण समाज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजगढ़। जिले के पचोर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लागू किए गए नए प्रावधानों को लेकर विरोध प्रदर्शन अब तेज हो गया है। सोमवार को समस्त संगठन क्षत्रिय करणी सेना एवं सवर्ण समाज जिला राजगढ़ (तहसील पचोर) के बैनर तले समाज के लोगों ने बोड़ा नाका से लेकर तहसील कार्यालय तक एक शांतिपूर्ण रैली निकाली और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

समानता के अधिकार के उल्लंघन का आरोप

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि यूजीसी के इन नए प्रावधानों में सवर्ण समाज के छात्र-छात्राओं के साथ भेदभाव किया गया है। संगठन का कहना है कि यह नियम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 और 15 में दिए गए समानता के अधिकार का

सीधा उल्लंघन करते हैं। इसके अलावा, दिल्ली के जंतर-मंतर पर यूजीसी के इन नियमों के खिलाफ चल रहे आंदोलन को भी इस दौरान समर्थन दिया गया।

उच्च शिक्षा के अवसरों पर असर की आशंका

संगठन के प्रतिनिधियों ने बताया कि इन नए नियमों की वजह से गरीब और मध्यमवर्गीय सवर्ण समाज के विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के अवसर बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं। ज्ञापन के जरिए मुख्य रूप से यह मांग की गई है कि यूजीसी के इन नए प्रावधानों को तत्काल प्रभाव से वापस (रोलबैक) लिया जाए और शिक्षा के क्षेत्र में सिर्फ योग्यता एवं समानता को ही प्राथमिकता दी जाए। रैली के दौरान प्रदर्शनकारी सीधे तौर पर कलेक्टर को ही ज्ञापन सौंपने पर अड़े रहे। बाद में तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर आंदोलनकारियों से ज्ञापन स्वीकार किया। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 7 दिन में मांगें पूरी नहीं हुई तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन की प्रतियां मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन और यूजीसी अध्यक्ष नई दिल्ली को भी भेजी गई हैं। क्षत्रिय करणी सेना और स्वर्ण समाज ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि आगामी 7 दिनों के भीतर उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की जाती है, तो वे राजगढ़ से लेकर दिल्ली तक उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। संगठन ने इस स्थिति के लिए पूरी तरह से शासन-प्रशासन को जिम्मेदार ठहराने की बात कही है।

पहले प्यार, फिर लव मैरिज रात में पति से झगड़ा सुबह बिस्तर पर मिली लाश, बाहर से कुंडी लगाकर पति फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झांसी। डेढ़ साल पहले सोशल मीडिया से शुरू हुई प्रेम कहानी का दर्दनाक अंत हो गया. लव मैरिज के बाद पति-पत्नी में अक्सर विवाद होता था. रात में दोनों के बीच झगड़ा हुआ. रात करीब दो बजे पति ने बैग लिया और कमरे की कुंडी बाहर से लगाकर फरार हो गया. सुबह पत्नी शिवानी बिस्तर पर मृत मिली. गले पर चोट का निशान मिला है. पुलिस जांच कर रही है. करीब डेढ़

साल पहले सोशल मीडिया पर शुरू हुई दोस्ती प्यार में बदली. दोनों ने परिवार की सहमति से शादी की और साथ रहने लगे. लेकिन वक्त के साथ रिश्ते में खटास आने लगी. छोटी-छोटी बातों पर विवाद होने लगा और परिवार ने मारपीट के आरोप भी लगाए. रात भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ. मामला शांत होने के कुछ घंटे बाद पति ने अपना बैग मांगा, कमरे की कुंडी बाहर से बंद की और वहां से चला गया. सुबह दरवाजा खुला तो बिस्तर पर पत्नी की लाश पड़ी थी. झांसी के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के आवास विकास इलाके में सुबह सामने आई इस घटना ने सनसनी फैला दी. 27 वर्षीय मृतका की पहचान मध्य प्रदेश के दतिया जिले के इंदरगढ़ निवासी सुधा उर्फ शिवानी वंशकार के रूप में हुई है. शिवानी की मौत के बाद उसके पति यश ठाकुर पर परिवार ने गंभीर आरोप लगाए हैं. घटना के बाद से यश फरार है. पुलिस उसकी तलाश में जुटी है. हालांकि पुलिस ने अभी हत्या की पुष्टि नहीं की है. महिला के गले पर चोट का निशान मिला है और पोस्टमार्टम कराया गया है. मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगी. शिवानी की कहानी करीब डेढ़ साल पहले शुरू हुई थी. परिवार के मुताबिक, सोशल मीडिया के जरिए उसकी पहचान ग्वालियर निवासी 28 वर्षीय यश ठाकुर से हुई थी. पहले दोनों के बीच बातचीत हुई. धीरे-धीरे यह बातचीत दोस्ती में बदली और फिर दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए. परिवार को जब उनके रिश्ते की जानकारी हुई तो दोनों ने शादी की इच्छा जताई. यश कपड़ों की दुकान पर काम करता था. परिवार ने दोनों के रिश्ते को स्वीकार कर लिया और करीब डेढ़ साल पहले शिवानी और यश की शादी हो गई. शादी के बाद शिवानी ग्वालियर में पति के साथ रहने लगी. उस वक्त शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि जिस रिश्ते की शुरुआत सोशल मीडिया पर दोस्ती और प्यार से हुई थी, वह डेढ़ साल बाद एक रहस्यमयी मौत तक पहुंच जाएगा.

शादी से इनकार पर की हत्या, फिर झाड़ियों में फेंका शव... ग्वालियर में छात्रा की हत्या का ऐसे खुला राज

ग्वालियर के कम्पू थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा की हत्या का पुलिस ने 12 घंटे में खुलासा कर दिया. पुलिस ने मुख्य आरोपी ईशान खान और उसके साथी अरवाज खान को गिरफ्तार किया है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्यप्रदेश ग्वालियर कम्पू थाना क्षेत्र के कैंसर पहाड़िया पर 16 साल की नाबालिग की हत्या की सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने 12 घंटे में पर्दाफाश कर दिया है. प्रेम-प्रसंग और शादी से इनकार करने पर युवती का गला घोंटकर हत्या की गई और शव झाड़ियों में फेंक कर आरोपी फरार हो गए थे. कम्पू पुलिस ने मुख्य आरोपी ईशान खान और उसके साथी अरवाज खान को गिरफ्तार कर घटना में इस्तेमाल बलेनो कार जब्त कर ली है. मृतका मूल रूप से अवाडपुरा की रहने वाली थी, 8वीं क्लास की छात्रा थी. घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने से वह नया बाजार स्थित मणी साड़ी की दुकान पर काम करती थी. परिजनों के मुताबिक 30 अगस्त रविवार सुबह 9 बजे वह रोज की तरह दुकान पर गई थी. लेकिन रात 8 बजे तक घर नहीं लौटी तो चिंता हुई. दुकानदार ने बताया कि वह काफी पहले निकल चुकी है. रिश्तेदारों और आसपास तलाश करने के बाद देर रात 12 बजे परिजनों ने कम्पू थाने में

गुमशुदगी दर्ज कराई और महलगांव निवासी ईशान खान पर शक जताया. 31 अगस्त सोमवार सुबह राहगीरों ने कैंसर पहाड़िया की सड़क किनारे झाड़ियों में शव पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी. पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची. गले पर कसने के निशान मिले. परिजनों को बुलाकर शिनाख्त कराई गई तो मृतका की पहचान अनन्या (परिवर्तित नाम) के रूप में हुई. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. परिजनों का आरोप है कि आरोपी ईशान खान मृतका से शादी करने का दबाव बना रहा था, जबकि युवती राजी नहीं थी. इसी को लेकर वह धमकी भी दे रहा था. 30 अगस्त की रात उसकी कार युवती के घर के आसपास भी देखी गई थी. परिजनों ने पुलिस को आरोपी का मोबाइल भी सौंपा है जिसमें दोनों के बीच के ऑडियो और व्हाट्सएप चैट हैं. SSP ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देश पर ASP शहर, CSP इंदरगंज रोबिन जैन और CSP विश्वविद्यालय रवि भदौरिया के मार्गदर्शन में 5 टीमें बनाई गईं. CCTV फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से महलगांव गली नंबर-3 से दोनों आरोपियों को पकड़ा गया. पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 30 अगस्त की शाम 6 बजे वे परिचित से बलेनो कार मांगकर लाए, साड़ी दुकान की रेकी की और रात करीब 9 बजे चत्रन्न कॉलेज के पास से युवती को जबरदस्ती कार में बैठा लिया. कैंसर पहाड़िया ले जाकर गला दबाकर हत्या कर दी और रात 11 बजे कार वापस कर दी. CSP रोबिन जैन का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ जारी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

जेवर में मां भूड़ावाली देवी मंदिर के नवीनीकरण का हुआ शुभारंभ, 1.05 करोड़ रुपये में होगा परिसर का कायाकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के जेवर स्थित मां भूड़ावाली देवी मंदिर के नवीनीकरण का काम वैदिक मंत्रों के साथ आरंभ हुआ। लगभग 1.05 करोड़ रुपये की लागत से मंदिर परिसर का विकास और सौंदर्यीकरण किया जाएगा, ताकि भक्तों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों। यह मंदिर इलाके की आस्था का प्रमुख केंद्र है और इससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा भी मिलेगा। मां भूड़ावाली देवी मंदिर के नवीनीकरण और विकास कार्य की शुरुआत रविवार को वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ हुई। एक करोड़ पांच लाख रुपये की लागत से मंदिर परिसर का कायाकल्प और सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जिससे भक्तों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और मंदिर परिसर की खूबसूरती में इजाफा होगा।

एक करोड़ पांच लाख रुपये की धनराशि मंजूर

जेवर के सिरसा माचीपुर स्थित मां भूड़ावाली देवी मंदिर इलाके की आस्था का प्रमुख केंद्र है। धार्मिक स्थलों के विकास और भक्तों को बेहतर सुविधाएं देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने मंदिर के सौंदर्यीकरण कराने के लिए एक करोड़ पांच लाख रुपये की धनराशि मंजूर की हैं।

'धार्मिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा'

जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने विकास और सौंदर्यीकरण के कार्यों का शुभारंभ कराते हुए कहा कि मंदिर के कायाकल्प से श्रद्धालुओं को सुविधाजनक माहौल मिलेगा और क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे सिरसा माचीपुर और आस-पास के इलाकों में स्थानीय विकास के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने मां भूड़ावाली देवी से क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि और जेवर क्षेत्र के निरंतर विकास की प्रार्थना की।

फर्जी IPS ऋषि यादव चढ़ा भोपाल पुलिस के हत्थे, स्पेलिंग मिस्टेक से खुला राज; झांसी का रहने वाला है शातिर आरोपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की एमपी नगर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है. पुलिस ने खुद को 2016 बैच का आईपीएस अधिकारी बताकर दर्जनों बेरोजगार युवाओं से लाखों रुपये की ठगी करने वाले शातिर ठग को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के झांसी निवासी ऋषि कुमार यादव के रूप में हुई है. आरोपी ऋषि कुमार यादव प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को निशाना बनाता था. करीब तीन महीने पहले उसने छात्रों से मुलाकात की और खुद को 2016 बैच का आईपीएस अधिकारी बताया. उसने दावा किया कि वह वर्तमान में इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में ज्वाइंट इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर के पद पर डेपुटेशन पर कार्यरत है छात्रों को प्रभाव में लेने के बाद आरोपी ने उन्हें इनकम टैक्स विभाग में 'इंटेलिजेंस ऑफिसर' के पद पर सीधी भर्ती और मोटी सैलरी दिलाने का झांसा दिया. आरोपी ने बकायदा फर्जी इंटरव्यू आयोजित किए और नौकरी का पक्का भरोसा देकर करीब एक दर्जन युवाओं से लाखों रुपये ऐंठ लिए. पैसे लेने के बाद आरोपी ने छात्रों को इनकम टैक्स विभाग के नाम से बने फर्जी जॉइनिंग लेटर भी थमा दिए. हालांकि, जब अभ्यर्थियों ने इन जॉइनिंग लेटर्स को ध्यान से पढ़ा,

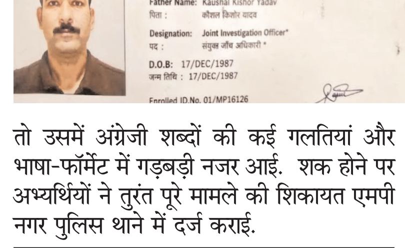

तो उसमें अंग्रेजी शब्दों की कई गलतियां और भाषा-फॉर्मेट में गड़बड़ी नजर आई. शक होने पर अभ्यर्थियों ने तुरंत पूरे मामले की शिकायत एमपी नगर पुलिस थाने में दर्ज कराई.

नोएडा बस गैंगरेप के बाद दिल्ली सरकार का बड़ा कदम... बाहरी राज्यों की बसों से जुड़ेगा GPS, रियल-टाइम निगरानी की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। चलती बस में एक 16 साल की छात्रा के साथ गैंगरेप हुआ, जिसके बाद दिल्ली सरकार हरकत में आई है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ऐलान किया कि पड़ोसी राज्यों से आने वाली बसों को जीपीएस से जोड़ा जाएगा, जिससे किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंचाई जा सके. दिल्ली में नोएडा गैंगरेप मामले के बाद सरकार अब शहर में आने वाली बसों की सुरक्षा को लेकर बड़ा कदम उठाने जा रही है. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को बताया कि पड़ोसी राज्यों से दिल्ली आने वाली बसों को जीपीएस सिस्टम से जोड़ा जाएगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके. यह फैसला उस दर्दनाक घटना के बाद लिया गया है, जिसमें नोएडा में चलती बस में एक नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप हुआ था. यह पूरा मामला 4 अगस्त की रात का है. मैनपुरी की रहने वाली 16 साल की एक छात्रा, जो 11वीं क्लास में पढ़ती है, अपनी मां से डांट खाने के बाद घर से नाराज होकर निकल गई थी. वह नोएडा सेक्टर 63 में रहने वाले अपने कजिन के पास जाने के लिए एक बस में सवार हुई. लेकिन भारी बारिश के बीच वह गलती से ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर उतर गई. वहां एक बस के कंडक्टर ने उसे बताया कि यह बस सेक्टर 63 जा रही है, जिसके बाद लड़की उस बस में बैठ गई. पुलिस के मुताबिक, बस में तकनीकी खराबी आने की वजह से उसे ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित एक वर्कशॉप ले जाया गया. इसी दौरान बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने कथित तौर पर लड़की के साथ गैंगरेप किया और बाद में उसे कश्मीरी गेट के पास छोड़कर भाग गए. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. इस घटना ने साल 2012 के निर्भया कांड की याद ताजा कर दी है, जिसने पूरे देश को झकझोर दिया था. मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस घटना पर गहरा दुख जताया और कहा कि बस के ड्राइवर और कंडक्टर की भूमिका बेहद चिंता का विषय है. उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार पड़ोसी राज्यों के साथ मिलकर बातचीत करेगी, ताकि दिल्ली आने जाने वाली बसों में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा और मजबूत की जा सके. सरकार का मकसद है कि हर बस की लोकेशन पर नजर रखी जा सके, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों.

दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों के लिए जमीन की न्यूनतम शर्त खत्म, उधर सीएम ने किया विद्यालयों के लिए बड़ा वादा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने प्राइवेट स्कूलों को मान्यता देने, मान्यता बढ़ाने और स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए तय न्यूनतम जमीन की अनिवार्यता हटा दी है। आदेश के अनुसार, अब दिल्ली में किसी नए निजी स्कूल को मान्यता देने, पहले से मान्यता प्राप्त स्कूल की मान्यता बढ़ाने या स्कूल का लेवल अपग्रेड करने के लिए शिक्षा निदेशालय न्यूनतम जमीन की कोई तय शर्त नहीं रखेगा। शिक्षा निदेशक ने 26 अगस्त को जारी आदेश में कहा है कि स्कूलों को एफिलिएशन के लिए संबंधित बोर्ड, जैसे CBSE या अन्य बोर्ड, के नियमों का पालन करना होगा।

जमीन से जुड़े नियम भी संबंधित बोर्ड के मानकों के अनुसार तय होंगे।

शिक्षा निदेशालय ने साफ किया है कि मान्यता मिलने के बावजूद स्कूलों को दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम और नियमों, बच्चों के निशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार कानून समेत अन्य जरूरी नियमों का पालन करना होगा।

सरकारी स्कूलों में खुलेंगे मेडिकल रूम

दिल्ली सरकार के स्कूलों में मेडिकल रूम खोली जाएगी। सोमवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसकी घोषणा की। सरकार के अनुसार स्कूली स्टूडेंट्स की सुरक्षा, प्राइमरी केयर और उनके पूरे स्वास्थ्य को बेहतर व मजबूत करने के मकसद से मेडिकल रूम खोलने का फैसला लिया गया है। इसे पहले चरण में 100 सरकारी स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत शुरू की जाएगी। इस फैसले से दिल्ली में निजी स्कूलों की मान्यता और अपग्रेड की प्रक्रिया में जमीन की शर्त को लेकर बड़ी राहत मिलेगी। अब स्कूलों को जमीन की तय सीमा के बजाय संबंधित बोर्ड के नियमों के अनुसार मानक पूरे करने होंगे। वहीं, सरकारी स्कूलों में मेडिकल रूम शुरू होने से छात्रों को स्कूल परिसर में ही प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधा मिल सकेगी।

किताब न लाने पर धूप में खड़ा किया करने का आरोप पेरेंट्स बोले- टीचर ने टॉर्चर किया, डिप्रेशन में चली गई बच्ची, मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 10 साल की बच्ची के परिवार वालों ने स्कूली टीचर्स पर आरोप लगाया है कि उसे इस कदर परेशान किया गया है कि डिप्रेशन से उसकी मौत हो गई। ईस्ट दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में सोमवार को परिवार वाले पहुंचे। वहां हंगामा हुआ, जिसके बाद पुलिस भी पहुंची। परिवार का आरोप है कि क्लास 7 की इस बच्ची को दो टीचर्स ने इतना परेशान किया कि वह एक महीने तक तनाव में बेहोश रही, महीने भर अस्पताल में एडमिट रही और आखिर में 27 अगस्त को दम तोड़ दिया। परिवार ने बताया कि बच्ची महीने भर इब्नेसिना अस्पताल में भर्ती रही। डॉक्टर्स ने भी बताया कि वह डिप्रेशन में थी। परिवार वालों ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। दूसरी ओर, स्कूल की ओर से बताया गया है कि बच्ची पहले से ही बीमार थी। स्कूल के बाहर सोमवार सुबह परिवार वालों और अभिभावकों की भीड़ ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस भी वहां पहुंची और स्थिति को संभालने की कोशिश की। बच्ची की मां का आरोप है कि कुछ टीचर्स उसे परेशान करते थे। 22 जुलाई को उसे जब सजा दी गई तो वह बदहवास हो गई। बच्ची बच्चों ने टीचर को बताया तो उन्होंने उसे रूम में बंद कर दिया। तबियत और बिगड़ी तब भी स्कूल वालों ने उसे अस्पताल नहीं पहुंचाया। इसके बाद वह डिप्रेशन में चली गई। बिलखती मां का कहना है कि बच्ची के साथ टॉर्चर किया गया है। उसके बीमार होने के बावजूद न तो स्कूल से कोई उसे देखने आया, न ही परिवार से बात की। घटना वाले दिन वह 7 बजे स्कूल गई थी। 9:30 बजे टीचर ने कॉल किया कि वह बीमार है, मगर उसे अस्पताल नहीं ले गए। मां का आरोप, बच्ची को रूम में बंद कर दिया था परिवार ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की हैः 'दोषी टीचर्स को सजा मिले' बच्ची की बुआ ने रोते-रोते बताया कि सोशल साइंस की टीचर ने उसे हाथ ऊपर कर धूप में अकेले खड़ा कर दिया, क्योंकि वह किताब नहीं लेकर गई थी। इस दौरान उसके यूरिन पास कर दी और बेहोश गिर गई। बच्ची ने टीचर को बताया तो उसने उसे क्लास में बंद कर दिया। मासूम रोती रही, बेहोश रही, मगर स्कूल उसे अस्पताल नहीं ले गया, बल्कि फिटनेस के आने का इंतजार किया। हमने अस्पताल में दिखाया तो डॉक्टर ने कहा कि वह डिप्रेशन में है। उसके बाद से ही वह होश में नहीं आई और ढल बसी। मौत के जिम्मेदार टीचर्स को सजा दी जानी चाहिए, यही हमारी मांग है। परिवार ने यह माना है कि बच्ची पहले से बीमार थी, जिस वजह से वह लंबी छुट्टी पर भी रही थी और इसका मेडिकल भी स्कूल को दिया गया था। मां ने कहा, जब स्कूल में मिली सजा के बाद बच्ची बीमार हुई तो अस्पताल क्यों नहीं ले जाया गया? अगर उसे सही वक्त पर ले जाया गया होता तो जान बच जाती। पटपड़गंज के विधायक रविंद्र नेगी ने परिवार को आश्वासन दिया कि जांच करवाई जाएगी। उन्होंने कहा, मैंने संज्ञान लिया, एसएचओ भी आए। हमने आश्वासन दिया कि जांच होगी। टीचर की गलती है तो विभागीय कार्रवाई जेल की जाएगी।

पूर्व नक्सली कमांडर भूपति का नया रोल, गोंडवाना यूनिवर्सिटी में बने खास प्रोग्राम के कोर्डिनेटर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागपुर। एक साल पहले सरेंडर करने वाले नक्सली कमांडर मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति अब गोंडवानी यूनिवर्सिटी से जुड़ गए हैं। नक्सल लीडर रहे भूपति नए रोल में आदिवासी ग्रामीणों को उनके संवैधानिक अधिकार दिलाने में मदद करेंगे। गढ़चिरौली की गोंडवाना यूनिवर्सिटी (त्न) ने पूर्व नक्सली लीडर को अपने प्रोग्राम में प्रशासनिक काम के लिए कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है। यूनिवर्सिटी ने यह प्रोग्राम ग्राम सभाओं और ग्रामीणों को पंचायत अधिनियम और वन अधिकार अधिनियम के बारे में जानकारी देने के साथ मदद करने के लिए चलाया है। यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर प्रशांत बोकारे ने बताया कि शनिवार को मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ भूपति को नियुक्ति पत्र जारी किया गया। उन्होंने बताया कि यह रेग्युलर जॉब नहीं बल्कि कॉन्ट्रैक्ट वाली पोस्ट है। भूपति एकल प्रोग्राम के तहत तीन कोऑर्डिनेटर्स में से एक के तौर पर काम करेंगे।

भूपति को हर महीने 30,000 रुपये मिलेंगे

गोंडवाना यूनिवर्सिटी के मुताबिक, कोर्डिनेटर के नए रोल में भूपति को हर महीने 30,000 रुपये मिलेंगे और कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलेगा। यह नियुक्ति तीन महीने की अवधि के लिए है। उनके कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ाने पर फैसला लेने से पहले उनके काम की समीक्षा की जाएगी। बता दें कि यह पहला मौका है जब किसी राज्य यूनिवर्सिटी ने सरेंडर करने वाले माओवादी को कोई काम सौंपा है।

भूपति करना चाहते थे आदिवासियों की मदद

गढ़चिरौली के एसपी एम. रमेश ने कहा कि भूपति आदिवासियों की मदद करना चाहते थे। उनकी मंशा को देखते हुए लगा कि वह एक अच्छे रिसोर्स पर्सन हो सकते हैं और इसलिए हमने उन्हें यूनिवर्सिटी भेजा। वह आदिवासियों की समस्याओं को जानते हैं। एसपी ने बताया कि इस पोस्ट के लिए भूपति के पास पर्याप्त डिग्री है। पूर्व नक्सली नेता पहले ही HSC परीक्षा पास कर चुके थे। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने PESA और FRA कानून के बारे में पूरी जानकारी दी। अब वह ग्रामीणों, ग्राम सभाओं और जिला परिषद प्रशासन के बीच तालमेल बिठाएंगे।

मुंबई में दूध के दाम 9 रुपये बढ़े, तबेले का दूध हुआ 100 के पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। 1 सितंबर 2026 से तबेले के दूध के दाम 9 रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए गए हैं. उत्पादकों का कहना है कि पशु आहार, चारा, खली और डेयरी मवेशियों की बढ़ती कीमतों ने लागत बढ़ा दी, जिसका असर अब घरों के बजट पर पड़ेगा. त्योहारी सीजन शुरू होने से ठीक पहले मुंबईकरों पर महंगाई की एक और मार पड़ी है. आज यानी 1 सितंबर से तबेले के दूध की कीमत 9 रुपये प्रति लीटर बढ़ गई है. अब मुंबई में तबेले का दूध 93 रुपये की जगह 102 रुपये प्रति लीटर मिलेगा. नई कीमतें 1 सितंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक लागू रहेंगी दूध उत्पादकों के मुताबिक, पिछले कुछ समय में डेयरी कारोबार की लागत लगातार बढ़ी है. पशुओं की कीमतों के साथ उनके आहार और चारे के दाम में भी तेजी आई है. इसका सीधा असर दूध उत्पादन की लागत पर पड़ा है. उत्पादकों का कहना है कि अनाज, तूर चुनी और चना चुनी जैसे पशु आहार की कीमतों में 25 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है. इसके अलावा खली और दूसरे जरूरी सामान भी महंगे हुए हैं. ऐसे में मौजूदा कीमत पर दूध बेचना उनके लिए मुश्किल हो रहा था. इसी बढ़ती लागत को देखते हुए दूध उत्पादकों ने 1 सितंबर से कीमत में 9 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का फैसला लिया है. इसके बाद तबेले के दूध की नई कीमत 102 रुपये प्रति लीटर हो गई है. इस बढ़ोतरी का सीधा असर मुंबई में रोजाना तबेले का दूध खरीदने वाले परिवारों के बजट पर पड़ेगा. खासकर ऐसे समय में जब त्योहारी सीजन शुरू होने वाला है और घरों में दूध की खपत भी बढ़ सकती है. यानी अब मुंबईकरों को रोजाना इस्तेमाल होने वाले दूध के लिए पहले के मुकाबले ज्यादा कीमत चुकानी होगी. महाराष्ट्र खाद्य और औषधि प्रशासन यानी एफडीए के प्रमुख तुकाराम मुंढे ने दूध में मिलावट और सिंथेटिक दूध के नेटवर्क के खिलाफ राज्यभर में बड़ी कार्रवाई की थी. एफडीए कमिश्नर तुकाराम मुंडे के नेतृत्व में दूध कलेक्शन सेंटर, चिलिंग प्लांट और स्थानीय सप्लायर्स की जांच की गई. इस दौरान 1.6 लाख लीटर से ज्यादा मिलावटी दूध और करीब 50 करोड़ रुपये के असुरक्षित खाद्य उत्पाद जब्त किए गए. कार्रवाई में ऐसे अवैध यूनिट भी पकड़े गए, जहां स्किम्ड मिल्क पाउडर, पानी, इमल्सीफायर, कास्टिक सोडा और औद्योगिक केमिकल जैसी चीजों से सिंथेटिक दूध तैयार किया जा रहा था. कई यूनिट सील की गई, एफआईआर दर्ज हुई और आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया.

65 करोड़ का 42 किलो विदेशी सोना तस्करी कर लाया गया भारत, DRI ने मुंबई, केरल और कोलकाता में किया जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। बंगाल के बांग्लादेश बॉर्डर पर बीएसएफ ने 25 किलो सोना ला रही एक महिला को पकड़ा। इस घटना के बाद अब सामने आया है कि डीआरआई ने 42 किलो सोना जब्त किया है। यह सोना मुंबई, केरल और बेंगलुरु में जब्त हुआ है। सोने के साथ 10 किलो चांदी भी जब्त की गई है। जब्त किए गए सोना-चांदी की कीमत 65 करोड़ से ज्यादा है। डीआरआई ने इस मामले में 5 विदेशी नागरिकों समेत 25 लोगों को गिरफ्तार किया है। इन ऑपरेशन्स से तस्करी के कई अलग-अलग और शातिर तरीकों का पता चला है, जैसे कि गाड़ियों में खास तौर पर बनाए गए गुप्त खानों में सोना छिपाना, शरीर पर सोना छिपाकर ले जाना, ट्रांज़िट यात्रियों और एयरपोर्ट कर्मचारियों का इस्तेमाल करना, और ज़मीनी व समुद्री रास्तों से तस्करी करना। DRI ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मुंबई के ज़रिए विदेशी सोने की तस्करी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया। इस गिरोह में दुबई, बैंकॉक और माले जैसी जगहों से मुंबई होकर गुजरने वाले विदेशी नागरिक शामिल थे। मुंबई में तस्करी का सोना चुपके से बाहर निकालने में मदद करने वाला एयरपोर्ट का एक कर्मचारी भी शामिल था। कुल 16 कैप्सूल बरामद और जब्त किए गए, जिनमें मोम के रूप में 6.85 किलोग्राम 24-कैरेट सोने का बुरादा था। इस ऑपरेशन में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें मुंबई से होकर गुजर रहे 5 विदेशी नागरिक शामिल हैं। एयरपोर्ट का एक कर्मचारी शामिल था। यह ऑपरेशन एक बार फिर दिखाता है कि संगठित गिरोह तस्करी के सोने को चुपके से बाहर निकालने के लिए ट्रांज़िट रूट और एयरपोर्ट के कर्मचारियों का ज़्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। कोलकाता के NSCBI एयरपोर्ट पर खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए दो अलग-अलग ऑपरेशन में, DRI के अधिकारियों ने बैंकॉक और दुबई से आ रहे दो यात्रियों को रोका। शक था कि वे सोने की तस्करी करने वाले गिरोहों का हिस्सा थे। दुबई से आ रहे दो यात्रियों के मामले में, उनके अंडरगारमेंट्स और जींस में छिपाकर रखा गया सेमी-सॉलिड गोल्ड पेस्ट मिलने के बाद 4.87 किलोग्राम सोना बरामद किया गया। इस मटीरियल को पिघलाया गया और उससे निकले सोने की बार को जब्त कर लिया गया। दोनों यात्रियों को कस्टम्स एक्ट, 1962 की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया। एक और मामले में, बैंकॉक से आ रही फ्लाइट के एक यात्री से 3.36 किलोग्राम विदेशी सोना (11 कच्ची चेन के रूप में) बरामद किया गया। आरोप है कि ग्रीन चैनल पार करने के लिए यह सोना उसे दूसरे यात्री ने दिया था। दोनों यात्रियों को गिरफ़्तार कर लिया गया। उसी दिन, एक अन्य मामले में छ्त्र्द्ध ने 15.61 किलोग्राम वजन के विदेशी सोने की 125 बार जब्त कीं। यह सोना नादिया जिले के बनपुर गाँव में एक महिला के घर की अचानक तलाशी के दौरान बॉर्डर सिक्योरिटी फ़ोर्स केवानों ने BOP तुंगी में बरामद किया। DRI की जांच के दौरान, महिला ने घर के पुरुषों के साथ मिलकर कथित तस्करी में शामिल होने की बात स्वीकार की। कोलकाता में एक और ऑपरेशन अधिकारियों ने चार लोगों से 1.48 किलोग्राम विदेशी सोना पेस्ट फ़ॉर्म में बरामद किया, जिसे कथित तौर पर थाईलैंड से तस्करी करके लाया गया था। ये लोग घरेलू सड़क यात्रा के दौरान अपने मलाशय/शरीर में छिपाकर रखे गए 5 कैप्सूल में पेस्ट फ़ॉर्म में तस्करी का विदेशी सोना ले जा रहे थे।

मुंबई के अस्पताल में बुर्के पर बवाल, महिला वकील को एंट्री नहीं मिली, सिक्योरिटी ने कहा- यहां बच्चा चोरी होता है

मुंबई के कूपर हॉस्पिटल में भर्ती किसी रिश्तेदार से मिलने पहुंची महिला वकील और उसकी साथी को गार्ड ने यह कहकर रोक दिया कि यहां बच्चा चोरी होता है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो वायरल हो रहा है. वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि दो महिलाएं बुर्का पहनकर मुंबई के कूपर हॉस्पिटल पहुंचती हैं. बीएमसी की ओर से संचालित इस हॉस्पिटल के सुरक्षाकर्मियों और बुर्का पहने पहुंची महिलाओं में बहस होती है. सिक्योरिटी ने बच्चा चोरी की घटनाएं होने का उल्लेख करते हुए महिलाओं को प्रवेश देने से इनकार कर दिया. यह वीडियो महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई का बताया जा रहा है. हालांकि, इसके दिन-तारीख और समय को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं है. बताया जाता है कि पेशे से एडवोकेट जेहरा शेख किसी रिश्तेदार से मिलने कूपर हॉस्पिटल पहुंची थीं. जेहरा शेख के रिश्तेदार का कूपर हॉस्पिटल में इलाज चल रहा था. जेहरा के साथ उनकी एक दोस्त भी थी और दोनों ही दोस्तों ने बुर्का पहन रखा था. जेहरा और उनकी दोस्त को हॉस्पिटल के मेन गेट पर पहुंचते ही सिक्योरिटी गार्ड्स ने एंट्री से रोक दिया. सिक्योरिटी गार्ड ने जेहरा और उनकी दोस्त को रोकते हुए कहा कि यहां बच्चा चोरी होता है. सिक्योरिटी गार्ड्स ने जेहरा और उनकी दोस्त से बुर्का हटाने के लिए कहा. जेहरा ने इससे इनकार करते हुए बुर्का हटवाए जाने को अपनी गरिमा और निजता का उल्लंघन बताया. उन्होंने इसे धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का भी उल्लंघन बताया. वायरल वीडियो को लेकर अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई बयान नहीं आया है. यह वीडियो सोशल मीडिया पर सोमवार को बहुत तेजी से वायरल हुआ. वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर पहनावे या धर्म देखकर अस्पताल में प्रवेश को लेकर सवाल उठा रहे हैं.

जिन इलाकों में कम हुई वोटिंग, वहीं से क्यों कटे सबसे ज्यादा नाम? जानिए दिल्ली में चुनाव आयोग के SIR के आंकड़ों का पूरा गणित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद जारी हुई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट ने एक चौंकाने वाला पैटर्न सामने रखा है. जिन इलाकों में 2025 के विधानसभा चुनाव के दौरान सबसे कम वोटिंग हुई थी, उन्हीं इलाकों से सबसे ज्यादा वोटरों के नाम काटे गए हैं. दिल्ली के कुल 1.45 करोड़ मतदाताओं में से करीब 47.58 लाख मतदाताओं का नाम ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर हो गया है. यानी हर तीसरे वोटर का नाम गायब है, जो कुल संख्या का करीब 33 फीसदी बैठता है चुनाव अधिकारियों के मुताबिक इसके पीछे कई कारण हैं, लेकिन सबसे बड़ी वजह अवैध निर्माण को गिराया जाना और झुग्गी बस्तियों का दूसरी जगह शिफ्ट होना है. जब आंकड़ों की गहराई से जांच की गई तो पता चला कि 2025 में सबसे कम वोटिंग वाली 18 विधानसभा सीटों में से 17 सीटों पर डिजिटल वेरिफिकेशन की दर दिल्ली के औसत 67 फीसदी से काफी कम रही. घर घर जाकर किए गए वेरिफिकेशन अभियान में भी इन्हीं इलाकों में सबसे ज्यादा लोग या तो अनुपस्थित मिले, या वे कहीं और शिफ्ट हो चुके थे, या उनकी मौत हो चुकी थी, या फिर उनका नाम एक से ज्यादा जगह की सूची में दर्ज पाया गया. आयोग ने ऐसे सभी मामलों को गैर संग्रहणीय श्रेणी में डाल दिया है. इन सभी वोटरों को अब आयोग की तरफ से नोटिस भेजा जाएगा, और वे 30 सितंबर तक फॉर्म 6 भरकर जरूरी दस्तावेजों के साथ अपना नाम दोबारा जुड़वा सकते हैं. जिलावार आंकड़ों की बात करें तो वोटर संख्या के हिसाब से मटियाला सबसे बड़ी विधानसभा सीट है, जहां अब भी सबसे ज्यादा वोटर बचे हैं. वहीं दिल्ली कैंट सबसे छोटी सीट है, जहां सबसे कम वोटर बचे हैं. वोट कटौती से सबसे ज्यादा असर ओखला इलाके पर पड़ा है, जहां करीब 1.82 लाख वोटरों के नाम कटे. दक्षिण पूर्व जिले में सबसे ज्यादा 43.62 फीसदी फॉर्म अनकलेक्टेड श्रेणी में पाए गए. नई दिल्ली इलाके में भी 39.22 फीसदी वोट कटे, जबकि बाहरी दिल्ली में सबसे कम, यानी 24.32 फीसदी वोट कटे. इस पूरे मामले पर सियासत भी गरमा गई है. आम आदमी पार्टी का आरोप है कि जानबूझकर उन्हीं इलाकों को निशाना बनाया गया है जहां गरीब, मजदूर और प्रवासी मतदाता रहते हैं. पार्टी का दावा है कि झुग्गी बस्तियों और अनधिकृत कॉलोनियों में करीब 50 फीसदी घरों तक फॉर्म पहुंचा ही नहीं. वहीं बीजेपी ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा है कि यह पूरी प्रक्रिया कानूनी है और इसका मकसद फर्जी और अवैध प्रवासियों के नाम हटाना है, ताकि वोटर लिस्ट साफ सुथरी बन सके. फिलहाल यह सिर्फ ड्राफ्ट लिस्ट है, फाइनल नहीं. जिन योग्य मतदाताओं के नाम गलती से कट गए हैं, वे दस्तावेजों के साथ फॉर्म 6 भरकर दावे और आपत्तियां 30 सितंबर 2026 तक दर्ज करा सकते हैं. सभी सुधारों के बाद दिल्ली की अंतिम वोटर लिस्ट 4 नवंबर को जारी की जाएगी.

दिल्ली में जाम और हादसों का होगा परमानेंट इलाज, 30 साल की जरूरतों पर ट्रैफिक स्टडी कराएगी सरकार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सरकार शहर में बढ़ते ट्रैफिक जाम और सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्याओं को समझने के लिए 450 किलोमीटर लंबे सड़क नेटवर्क पर व्यापक ट्रैफिक कंजेशन स्टडी और रोड सेफ्टी ऑडिट कराएगी. यह स्टडी पूर्वी, उत्तर-पूर्वी और मध्य दिल्ली के कुछ हिस्सों में प्रमुख चौराहों और मुख्य सड़कों पर किया जाएगा.ठ इस अध्ययन के तहत लोक निर्माण विभाग AI आधारित ट्रैफिक एनालिसिस, ड्रोन सर्वे और ऑटोमैटिक ट्रैफिक काउंटर्स एंड क्लासिफायर्स का इस्तेमाल करेगा. इसके आधार पर अगले 30 वर्षों के लिए ट्रैफिक सिमुलेशन मॉडल तैयार किया जाएगा. यह डिजिटल काउंटिंग सिस्टम सड़कों पर वाहनों की संख्या और उनके प्रकार को ट्रैक करेगा, जबकि मॉडल भविष्य में ट्रैफिक दबाव का अनुमान लगाने और सड़क योजना तैयार करने में मदद करेगा. अधिकारी के मुताबिक, ट्रैफिक सिमुलेशन मॉडल में दुर्घटनाओं और सड़क सुरक्षा से जुड़े आंकड़ों को शामिल किया जाएगा. इससे ज्यादा जोखिम वाले कॉरिडोर और दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान की जाएगी. इसके साथ तेज रफ्तार, कम दृश्यता, पर्याप्त संकेतों की कमी, असुरक्षित मोड़, पैदल यात्रियों से जुड़े खतरे और सड़क की बनावट से जुड़ी कमियों जैसे कारणों का भी आकलन किया जाएगा. मौजूदा ट्रैफिक जाम के स्तर के आधार पर PWD इस अध्ययन के निष्कर्षों का इस्तेमाल फ्लाईओवर, अंडरपास, एलिवेटेड कॉरिडोर और अन्य जरूरी सड़क परियोजनाओं को लेकर नीति तैयार करने में करेगा. इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी व्यवहार्यता रिपोर्ट का उद्देश्य एक एकीकृत और टिकाऊ मोबिलिटी फ्रेमवर्क तैयार करना है. अध्ययन में सार्वजनिक परिवहन कॉरिडोर के मौजूदा प्रदर्शन और भविष्य की जरूरत का भी आकलन किया जाएगा. इसके आधार पर सार्वजनिक परिवहन की दक्षता, विश्वसनीयता और यात्रियों की संख्या बढ़ाने के तरीके सुझाए जाएंगे. अधिकारी ने बताया कि मॉडल ट्रैफिक जाम वाले प्रमुख स्थानों, बार-बार लगने वाले जाम, देरी वाले कॉरिडोर और तय क्षमता से अधिक दबाव वाले चौराहों की पहचान करेगा. इसमें सड़क की क्षमता की कमी, चौराहों की खराब बनावट, सड़क किनारे पार्किंग, अतिक्रमण, मिश्रित ट्रैफिक और सिग्नल संचालन की कमियों जैसे कारणों का आकलन किया जाएगा. PWD इस अध्ययन के लिए एक साल से ज्यादा समय के लिए 3 करोड़ रुपये से अधिक की लागत पर कंसल्टेंट नियुक्त करेगा. पहले चरण में पूर्वी दिल्ली के 450 किलोमीटर के नेटवर्क को शामिल किया जाएगा, जिसमें विकास मार्ग, जीके एन्क्लेव रोड, नोएडा लिंक रोड, गीता कॉलोनी रोड, महाराजा अग्रसेन मार्ग, पटपड़गंज रोड और खिचड़ीपुर रोड शामिल हैं. फिलहाल PWD दिल्ली में करीब 1,400 किलोमीटर सड़कों का प्रबंधन करता है.

सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय अदालत का फैसला भारत ने मानने से किया इनकार

विदेश मंत्रालय ने कहा- इस फैसले का भारत की परियोजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। सिंधु जल संधि पर अंतरराष्ट्रीय स्थायी मध्यस्थता अदालत के अंतरिम फैसले को भारत ने मानने से इनकार कर दिया है। भारत ने इस अदालत को अवैध बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत के संप्रभु निर्णयों पर फैसला सुनाने का इस अदालत को कोई अधिकार नहीं है। उसने यह भी कहा कि सिंधु जल संधि को रोकने का हमारा फैसला लागू रहेगा। अपने अंतरिम आदेश में सोमवार को नीदरलैंड के हेग स्थित इस अंतरराष्ट्रीय अदालत ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ जल-साझाकरण संधि का पालन करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत कश्मीर क्षेत्र में निर्माणाधीन एक जलविद्युत संयंत्र पर भी काम को सीमित करे। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि इस अदालत के फैसले का अब या भविष्य में भारत द्वारा चलाई जा रही परियोजनाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसने कहा कि भारत ने कभी भी इस अंतरराष्ट्रीय अदालत को मान्यता नहीं दी है और लगातार कहा है कि इस कथित मध्यस्थता निकाय की स्थापना सिंधु जल संधि का सीधा-सीधा उल्लंघन है और वह इसके फैसले को उसी तरह खारिज करता है जैसे पहले की सभी घोषणाओं को करता आया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने पहलगाम हमले में अपनी किसी भूमिका से इनकार किया था और भारत द्वारा पिछले साल कश्मीर क्षेत्र में दो जलविद्युत परियोजनाओं की जलाशय क्षमता बढ़ाने के काम शुरू करने के बाद कानूनी कार्रवाई का रास्ता पकड़ा था। दोनों देशों के बीच 1960 में सिंधु जल संधि हुई थी, उसके बाद से दोनों में तीन युद्ध और छोटे-बड़े कई संघर्ष होने के बावजूद इस संधि पर कोई असर नहीं पड़ा था। वे इस पर अमल करते आ रहे थे। स्थायी मध्यस्थता कोर्ट ने कहा कि सिंधु जल संधि पूरी तरह लागू है और भारत के पास समझौते को समाप्त करने या निलंबित करने का कोई औचित्य नहीं है। अंतर-सरकारी अदालत ने कहा कि भारत को संधि के तहत अपने दायित्वों का पालन करना चाहिए, जिसमें पश्चिमी नदियों पर उसकी जलविद्युत परियोजनाओं के डिजाइन और संचालन से संबंधित दायित्व भी शामिल हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि विश्व बैंक द्वारा नियुक्त तटस्थ विशेषज्ञ अगले साल जुलाई तक यह तय करेगा कि हिमालयी क्षेत्र में जलविद्युत संयंत्रों का निर्माण संधि के अनुरूप हो रहा है या नहीं।

महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शुरुआत घर और शिक्षा से होती है : राज्यपाल पटेल

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा है कि महिला सशक्तिकरण की वास्तविक शुरुआत घर और शिक्षा से होती है। उन्होंने कहा कि आज बेटियां शिक्षा, स्टार्टअप, व्यवसाय और कई क्षेत्रों में सफलता हासिल कर रही हैं लेकिन उन्हें आगे बढ़ने के लिए सही सोच, अवसर और परिवार का सहयोग मिलना जरूरी है। एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल आनंदीबेन पटेल ने विश्वास जताया कि आने वाले सालों में महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, उद्यमिता और नेतृत्व के हर क्षेत्र में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएंगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कार्यक्रम में महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि नारी केवल परिवार की ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र की भी शक्ति है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और उन्हें अवसर के साथ-साथ नेतृत्व और फैसले लेने का अधिकार भी मिलना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि संघ के कार्यों में मातृशक्ति का योगदान हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। महाना ने कहा कि संघ में महिलाओं का सम्मान सर्वोच्च है और उनका सहयोग परिवार, सेवा तथा समाज को साथ लेकर चलने की शक्ति प्रदान करता है। आनंदीबेन पटेल ने पुस्तक के लेखिका डॉ. शोभा विजेंद्र को पुस्तक के जरिए महिला सशक्तिकरण के विचारों को समाज तक पहुंचाने और देश के कई हिस्सों में संवाद की श्रृंखला को आगे बढ़ाने के लिए बधाई दी।

अन्ना हजारे को वायरल संक्रमण, अस्पताल में भर्ती

मुंबई (एजेंसी)। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे को वायरल संक्रमण और गंभीर निर्जलीकरण के इलाज के लिए मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हजारे के एक सहयोगी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। सहयोगी के मुताबिक 89 साल के हजारे को सोमवार को दक्षिण मुंबई स्थित बॉम्बे अस्पताल लाया गया। इससे पहले उन्हें शुरुआती इलाज के लिए अहिल्यानगर जिले के एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि बॉम्बे अस्पताल के डॉक्टर हजारे की स्वास्थ्य स्थिति का विस्तृत आकलन कर रहे हैं, जिसके आधार पर आगे के इलाज के बारे में फैसला लिया जाएगा।

2014 की रैली का चैनल के पास मूल वीडियो फुटेज उपलब्ध नहीं

-आरएसएस कार्यकर्ता ने राहुल गांधी पर मानहानि का मामला किया था दायर

मुंबई (एजेंसी)। जी मीडिया ने महाराष्ट्र में भिवंडी मजिस्ट्रेट अदालत को बताया कि चैनल के पास 2014 में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की रैली का मूल वीडियो फुटेज उपलब्ध नहीं है। आरएसएस के कार्यकर्ता राजेश कुंटे ने कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया है। कुंटे का आरोप है कि राहुल गांधी ने 6 मार्च 2014 को जिले के सोनाले गांव में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी की हत्या को आरएसएस से जोड़कर अपमानजनक बयान दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक रैली के वीडियो साक्ष्य पेश करने के लिए अदालत के समन के जवाब में जी मीडिया ने एक औपचारिक हलफनामा दाखिल कर कहा कि चैनल उक्त फुटेज पेश करने में असमर्थ है। मीडिया नेटवर्क ने कहा कि इस कार्यक्रम का प्रसारण 12 साल से ज्यादा समय पहले हुआ था और मानक ''अनुपालन लॉगिंग'' दिशानिर्देशों के तहत टीवी चैनलों के लिए प्रसारण रिकॉर्ड केवल 90 दिनों तक सुरक्षित रखना कानूनी रूप से अनिवार्य है। मीडिया समूह ने कहा कि कार्यक्रम को कवर करने वाले पत्रकार भी अब या तो नौकरी छोड़ चुके हैं या सेवानिवृत्त हो चुके हैं। राहुल गांधी के वकील ने बताया कि कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए तीन अक्टूबर की तारीख तय की है।

एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसे में 6 की मौत, 15 से ज्यादा घायल

-खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहे श्रद्धालु की पिकअप खड़े ट्रक से टकराई

पलवल (एजेंसी)। हरियाणा के कुंडली-मानसर-पलवल एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ। जिसमें 6 की मौत हो गई और कम से कम 15 लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक राजस्थान के खाटू श्याम मंदिर से दर्शन कर उत्तर प्रदेश लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। इस दर्दनाक हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 15 से अधिक गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे में पिकअप और ट्रक दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए हैं। टक्कर के बाद एक्सप्रेसवे पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और एनएचएआई की राहत टीम मौके पर पहुंची और गाड़ी में फंसे लोगों को बाहर निकाला। जानकारी के मुताबिक एक्सप्रेसवे के किनारे खड़े ट्रक का अंदाजा न लग पाने या अचानक असंतुलन बिगड़ने के कारण पिकअप सीधे उसमें जा घुसी। दुर्घटना में घायल हुए 15 लोगों को तुरंत नजदीकी नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां कुछ की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। मामले की जांच शुरु कर दी है।

कौशांबी पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद एनकाउंटर में मालिक घायल

प्रयागराज (एजेंसी)। यूपी की जिस अवैध पटाखा फैक्ट्री में सोमवार को विस्फोट हुआ था, उसके मालिक को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। उसे पैर में गोली लगी है। वह शहर छोड़कर भागने की फिराक में था। मंगलवार तड़के 4 बजे सैयद सरावां इलाके में मुठभेड़ हुई थी। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले 8 बच्चों समेत 11 लोगों का पोस्टमॉर्टम होगा। पुलिस ने फैक्ट्री मालिक नौशाद, उसकी पत्नी, बेटे समेत परिवार के 6 लोगों पर मामला दर्ज किया है। पुलिस ने पत्नी शबाना को हिरासत में भी लिया है।

सीएम विजय ने इंडिया गठबंधन में पीएम चेहरे के रूप में राहुल गांधी का किया समर्थन

-तमिलनाडु में टीवीके और कांग्रेस के बीच मतभेद की अटकलों पर लगा विराम

हल्द्वानी, एजेंसी। चेन्नई,(ईएमएस)। तमिलनाडु में सत्ताधारी पार्टी टीवीके और कांग्रेस के बीच गठबंधन में मतभेद की अटकलों पर विराम लग गया है। कांग्रेस विधायक दल की नेता ताराहाई कथबर्ट ने स्पष्ट किया है कि टीवीके के प्रमुख और सीएम विजय ने इंडिया गठबंधन के पीएम पद के उम्मीदवार के रूप में राहुल गांधी का समर्थन किया है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए कथबर्ट ने कहा कि विजय और राहुल गांधी के बीच संबंध बहुत मजबूत हैं। हाल ही में एक सर्वे में विजय को पीएम पद की पसंद में तीसरा स्थान मिलने के बाद टीवीके समर्थकों के उत्साह में कुछ बातें सामने आई थीं, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वे बातें कार्यकर्ताओं का उत्साह थीं, पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं। टीवीके आधिकारिक रूप से राहुल गांधी को ही 2029 के पीएम उम्मीदवार के रूप में देखती है। इसके बाद टीवीके ने शीर्ष पद के लिए विजय का नाम आगे बढ़ाया, जिससे कांग्रेस ने गठबंधन छोड़ने की धमकी दी, जब तक कि वह इंडिया गठबंधन के प्रधानमंत्री चेहरे के तौर पर राहुल गांधी का समर्थन न करें। उन्होंने कहा कि कुछ हलकों में विजय के प्रधानमंत्री बनने की जो बातें हो रही थीं, वे टीवीके कार्यकर्ताओं के उत्साह के कारण थीं और वे नेतृत्व के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाती थीं। उन्होंने कहा कि सीएम विजय ने राहुल गांधी को पीएम उम्मीदवार के तौर पर चुना है। वे इसी तरह आगे बढ़ रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय ने राहुल गांधी को चेन्नई में अपने शपथ ग्रहण समारोह में आमंत्रित किया था, जहां उन्होंने सार्वजनिक रूप से उन्हें अपना भाई कहा था। राहुल गांधी ने भी टीवीके सरकार के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। इस बीच कथबर्ट ने कहा कि कांग्रेस तमिलनाडु में स्वतंत्र रूप से विस्तार कर रही है और टीवीके के अधीन काम नहीं करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक लोकतांत्रिक और स्वायत्त पार्टी है। उन्होंने उत्तराखंड के हल्द्वानी में शुद्धिकरण विवाद को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ हाल ही में दर्ज एफआईआर को बीजेपी की राजनीतिक घबराहट बताया था। उन्होंने दावा किया कि बीजेपी राहुल गांधी की व्यापक जन-स्वीकार्यता से डरी हुई है और वे 2029 में प्रधानमंत्री बनेंगे।

मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना कराने पर लगाया ब्रेक

-जनगणना से पहले एनआरसी को अपडेट करने की मांग पर लिया फैसला

इम्फाल, एजेंसी। जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर में केंद्र सरकार ने राज्य में जनगणना अभियान को स्थगित करने का फैसला लिया है! यह फैसला मणिपुर के नागरिक संगठनों की उस मांग के बाद लिया गया, जिसमें जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को अपडेट करने की मांग की गई थी। जनगणना के तहत राज्य में घरों की सूची बनाने का काम 1 सितंबर से शुरू होना था। मुख्यमंत्री सचिवालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को नई दिल्ली में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक में मणिपुर की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया गया। इस दौरान राज्य के लोगों की ओर से जनगणना को टालने और पहले एनआरसी लागू करने की मांग पर भी चर्चा हुई। बैठक में मणिपुर के लोगों की भावनाओं और उनकी आकांक्षाओं को देखते हुए राज्य में प्रस्तावित जनगणना को फिलहाल टालने पर सहमति बनी। मणिपुर में एनआरसी लागू करने की मांग मुख्य रूप से मैतेई और नगा समुदायों की ओर से उठाई गई है। इन समुदायों में आशंका है कि एनआरसी के बिना जनगणना कराने से राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव हो सकता है। उनका आरोप है कि पड़ोसी म्यांमार से अवैध प्रवासियों के आने के कारण राज्य की आबादी के स्वरूप में बदलाव हो रहा है। म्यांमार से आने वाले कथित अवैध प्रवासियों के कुकी समुदाय से जातीय संबंध होने की बात भी कही जाती रही है। बैठक के बाद सीएम वाई. खेमचंद सिंह ने पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आभार जताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि केंद्र ने मणिपुर के लोगों की आवाज सुनी और उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में फैसला लिया। सीएम ने बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन का भी मणिपुर के लोगों की मांगों को पूरा कराने में लगातार समर्थन देने के लिए धन्यवाद किया। बता दें मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई 2023 से जातीय हिंसा जारी है। मैतेई समुदाय मुख्य रूप से घाटी वाले इलाकों में रहता है, जबकि कुकी समुदाय के लोग पहाड़ी जिलों में बड़ी संख्या में रहते हैं। इस हिंसा में अब तक कम से कम 260 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए। लगातार जारी जातीय संघर्ष और मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद 13 फरवरी 2025 को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। करीब एक साल बाद 4 फरवरी को इसे हटा दिया गया था।

जयराम का मोदी सरकार पर हमला: फर्ज़ी सुर्खियों में व्यस्त पीएम

-महंगाई ने छीनी घर बनाने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर हमला बोलकर आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फर्जी सुर्खियां बनाने में व्यस्त हैं, जबकि देश को बढ़ती महंगाई का ज़बरदस्त झटका लग रहा है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि मोदी सरकार आंकड़ों की बाजीगरी से लोगों को गुमराह कर रही है और हर हफ़्ते देश को कीमतों का नया झटका दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि महंगाई अब केवल रसोई तक सीमित नहीं है, बल्कि बढ़ती महंगाई ने आम आदमी के घर बनाने के सपने को भी छीन लिया है। गरीब और मध्यम वर्ग को घर बनाने से लेकर बिजली के सामान तक हर चीज की बढ़ती कीमतों का ज़ोरदार झटका महसूस हो रहा है। रिपोर्ट का हवाला देकर कांग्रेस महासचिव रमेश ने बताया कि तांबे के तार की कीमत 850 से बढ़कर 1,700 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, और एल्युमीनियम की कीमत भी लगभग दोगुनी हो गई है। इससे 1,000 वर्ग फुट के घर में वायरिंग का खर्च 50,000 रुपये से बढ़कर करीब 1 लाख हुआ है। कांग्रेस नेता रमेश ने दावा किया कि सोलर पैनल 10-15 प्रतिशत महंगे हो गए हैं, जबकि पंखों, फ़्रॉल्स सीलिंग और इलेक्ट्रिक आयरन जैसे घरेलू उपकरणों की कीमतों में भी 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। एलईडी और हैलोजन लाइटें भी लगभग 20 प्रतिशत महंगी हो गई हैं। उन्होंने कहा कि स्विच, सॉकेट, मेन-लाइन केबल, टाइल्स और लेबर चार्ज जैसे घर बनाने से जुड़े हर खर्च में इजाफा हुआ है। कांग्रेस सांसद रमेश ने मोदी सरकार पर अहंकार और आंकड़ों की बाजीगरी से लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया, जबकि महंगाई आम लोगों की जेब पर हर तरफ से भारी चोट कर रही है।

सीजेपी के फिर आंदोलन के ऐलान से डरी सरकार, बात करने 2000 किमी दूर पहुंच गई

नई दिल्ली, एजेंसी। 5 सितंबर को दिल्ली में फिर आंदोलन का ऐलान कर चुकी कॉकरोच जनता पार्टी को मनाने के लिए सरकार हर संभव कोशिश कर रही है। जंतर-मंतर पर एक महीने तक आंदोलन करके सरकार को शिक्षा मंत्री से इस्तीफा लेने पर मजबूर कर चुकी सीजेपी ने अब इंडिया गेट से पुलिस हेडक्वॉर्टर तक प्रोटेस्ट मार्च निकालने का ऐलान किया है। सरकार ने सीजेपी को मनाने के लिए कोशिशें तेज कर दी हैं। सीजेपी नेता से बातचीत करने के लिए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली से करीब 2000 किलोमीटर दूर पुडुचेरी तक गया। सीजेपी ने नए आंदोलन की जो तारीख चुनी है वह दिल्ली में होने जा रहे ब्रिक्स सम्मेलन से दूर नहीं है। ऐसे में सरकार नहीं चाहती कि जब रूस, चीन समेत करीब 20 देशों के प्रतिनिधि-राष्ट्राध्यक्ष दिल्ली आएं तो सड़कों पर किसी तरह की अशांति नजर नहीं आए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी के सह संयोजक सौरभ दास ने सोमवार रात केंद्र सरकार की ओर से उठाए गए कदमों को जहां सकारात्मक बताया तो वहीं उन्होंने इस बात का भी खुलासा किया कि सीजेपी को मनाने के लिए सरकार कितनी कोशिशें कर रही है। सौरभ ने बताया कि सरकार की तरफ से एक उच्च स्तरीय कमिटी उनसे लगातार संपर्क में है। यहां तक कि वह पुडुचेरी में अपने घर चले गए थे तो यह कमिटी वहां भी पहुंचा और तीन बार उनके बीच केसों को वापस लिए जाने और मुआवजे को लेकर बातचीत हुई। दास ने संकेत दिया कि सरकार और सीजेपी के बीच समझौते की रूपरेखा तैयार हो चुकी है और इसके तहत अब सरकार ने यह कदम उठाया है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या एक बार फिर सीजेपी सरकार को दबाव में लाने में कामयाब रही? माना जा रहा है कि ब्रिक्स सम्मेलन को देखते हुए सरकार नहीं चाहती कि सितंबर की शुरुआत में दिल्ली में कोई आंदोलन हो जब ब्रिक्स बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की तैयारियां अपने चरम पर हैं। माना जा रहा है कि एफआईआर रद्द कराए जाने के बाद सरकार मुआवजे पर भी जल्द कोई ऐलान करके सीजेपी से 5 सितंबर वाले प्रदर्शन की घोषणा को वापस लेने को कह सकती है।

फडणवीस का कांग्रेस पर हमला : महिला आरक्षण, सीजेपी और एनजीओ पर सवाल

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस की घेराबंदी कर पूछा कि आखिर प्रियंका गांधी वाड्रा को मौके क्यों नहीं दिए गए और क्या कांग्रेस महिलाओं को मौका देने के पक्ष में है। सीएम फडणवीस ने कांग्रेस पर 2023 में परिसीमन प्रावधानों वाले महिला आरक्षण कानून का समर्थन करने के बावजूद अब उसका विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा 2029 तक महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करेगी। इस दौरान मुख्यमंत्री फडणवीस ने सीजेपी के कांग्रेस से गहरे संबंधों का दावा किया। उन्होंने सीजेपी आंदोलन को कांग्रेस जिताओ प्रोग्राम बताकर कहा कि यह कोई छोटा समूह नहीं, बल्कि इसके पीछे कई चेहरे और कांग्रेस से जुड़े लोग काम कर रहे हैं जो अब नए नामों से सामने आ रहे हैं। सीएम फडणवीस ने भारत जोड़ो अभियान को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले यह अभियान कांग्रेस का अपना नहीं था, बल्कि इसमें लगभग 180 अलग-अलग एनजीओ शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि इनमें से अधिकतर एनजीओ को यूपीए सरकार ने ही अर्बन नक्सल करार दिया था। फडणवीस के अनुसार, इन संस्थाओं को कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ एक नैरेटिव बनाने के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि इन एनजीओ की कोई जवाबदेही नहीं थी, ये चुनाव नहीं लड़ते थे और रोज़ झूठ फैलाते थे, जिसका भाजपा को जवाब देना पड़ता था।

दिल्ली में मसौदा मतदाता सूची से 47.5 लाख नाम हटाए गए, सबसे ज्यादा बुराड़ी से

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 70 विधानसभा सीट की मसौदा मतदाता सूची के मुताबिक बुराड़ी में सबसे ज्यादा 1.67 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए। प्रतिशत के हिसाब से सबसे ज्यादा 47.85 फीसदी नाम तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र में हटाए गए हैं। इसके बाद ओखला 45.33 फीसदी, कस्तूरबा नगर 44.03 फीसदी, और बदरपुर 42.67 फीसदी हैं। संख्या के हिसाब से सबसे ज्यादा नाम बुराड़ी में हटाए गए हैं, जो उत्तर-पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इसके बाद ओखला में 1.63 लाख, बदरपुर में 1,46,673, विकासपुरी में 1,46,225 और रिठाला में 1.06 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक संख्या के आधार पर सबसे कम 22,855 नाम दिल्ली कैंट में हटाए गए हैं। इसके बाद रोहिणी 24,888, शकूर बस्ती 27,233, राजौरी गार्डन 30,856 और मटिया महल 32,099 हैं। प्रतिशत के हिसाब से सबसे कम 16.5 फीसदी नाम रोहिणी में हटाए गए हैं। इसके बाद शकूर बस्ती 18.74 प्रतिशत, राजौरी गार्डन 20.86 प्रतिशत, मंगोलपुरी 21.24 प्रतिशत और मटिया महल 24.5 प्रतिशत हैं। जिला स्तर पर मसौदा मतदाता सूची से सबसे ज्यादा 6.79 लाख नाम दक्षिण-पूर्वी दिल्ली जिले में हटाए गए हैं। वहीं, नई दिल्ली जिले में सबसे कम 60,170 नाम हटाए गए हैं। पूर्वी दिल्ली 5.70 लाख, उत्तर-पूर्वी दिल्ली 5.43 लाख, दक्षिणी दिल्ली 5.19 लाख और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली 3.71 लाख में भी बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। एसआईआर के बाद सोमवार को जारी दिल्ली की मसौदा मतदाता सूची में मौजूदा 1.45 करोड़ मतदाताओं में से 47.5 लाख मतदाताओं के नाम शामिल नहीं किए गए हैं। मसौदा सूची जारी होने के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज कराने के लिए एक महीने का समय दिया गया है, जिन पात्र मतदाताओं के नाम सूची में नहीं हैं, वे अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची चार नवंबर को जारी की जाएगी।

एआई-171 हादसे का असर, भारत-ब्रिटेन रूट पर एयर इंडिया के यात्री घटे

- प्रतिस्पर्धियों ने बेहतर प्रदर्शन किया, परिचालन चुनौतियां भी बढ़ीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। 12 जून 2025 को एआई-171 विमान हादसे के बाद भारत-ब्रिटेन मार्ग पर एयर इंडिया के यात्री यातायात में लगातार कमजोरी दर्ज हुई है। विमानन विश्लेषण कंपनी सिरियम के आंकड़ों के मुताबिक, हादसे के बाद एयर इंडिया की सीट क्षमता के मुकाबले यात्रियों की संख्या में अधिक तेजी से गिरावट आई, जबकि इसी मार्ग पर उड़ान भरने वाली अन्य विमान कंपनियों ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया। दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट अभी लंबित है। हादसे के बाद के महीनों में एयर इंडिया के प्रदर्शन में स्पष्ट गिरावट देखी गई। जून 2025 में क्षमता वृद्धि के बावजूद यात्री वृद्धि धीमी रही। जुलाई से अक्टूबर तक, जहां क्षमता गिरी या स्थिर रही, यात्रियों की संख्या में 12 से 19 फीसदी की गिरावट आई। वहीं, ब्रिटिश एयरवेज और वर्जिन अटलांटिक जैसी अन्य कंपनियों की यात्री संख्या में 10 फीसदी से अधिक की लगातार वृद्धि देखी गई। एयर इंडिया को परिचालन संबंधी चुनौतियां भी बढ़ीं। मई 2025 में पाकिस्तान और फरवरी 2026 में पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों से उसे ब्रिटेन जाने के लिए लंबे और महंगे वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़े। फरवरी, अप्रैल और मई 2026 में यात्रियों की संख्या में क्रमशः 9.8 फीसदी, 26.8 फीसदी और 24.6 फीसदी की गिरावट आई, जबकि सीट क्षमता उतनी नहीं घटी। हालांकि, एयर इंडिया का दावा है कि उसे ग्राहकों से लगातार सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और वह बदलते परिचालन तथा प्रतिस्पर्धा के बीच ग्राहक अनुभव सुधारने पर काम कर रही है।

हुंडई की अगस्त बिक्री में रिकॉर्ड उछाल

नई दिल्ली

हुंडै मोटर इंडिया लिमिटेड ने अगस्त में अपनी कुल बिक्री में 8.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 65,796 इकाई रही। कंपनी की घरेलू बिक्री 23.6 फीसदी बढ़कर 54,396 इकाई रही, जो अगस्त महीने का अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। वाहन विनिर्माता हुंडई ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसकी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष और भू-राजनीतिक चुनौतियों से निर्यात (11,400 इकाई) प्रभावित हुआ। कंपनी के एमडी और सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, अप्रैल-अगस्त में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 12.6त्न बढ़ी है, जो मजबूत वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने आने वाले महीनों में निर्यात में सुधार की उम्मीद जताई। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की अगस्त में कुल बिक्री 8.8 प्रतिशत बढ़कर 65,796 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने मंगलवार को बताया कि अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत बढ़कर 54,396 इकाई रही जबकि निर्यात 11,400 इकाई रहा।हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा, ''वित्त वर्ष 2026-27 में हमारी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है। अप्रैल-अगस्त अवधि में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढ़ी है।''उन्होंने बताया कि अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 54,396 इकाई रही जो अगस्त महीने में दर्ज अब तक की सर्वाधिक बिक्री है। गर्ग ने कहा कि अगस्त में कुल निर्यात पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और समीक्षाधीन महीने के दौरान व्यापक भू-राजनीतिक चुनौतियों से उत्पन्न लॉजिस्टिक बाधाओं से प्रभावित हुआ। हालांकि, स्थिति में सुधार होने के साथ आने वाले महीनों में निर्यात मांग मजबूत बने रहने की उम्मीद है।

एचएफसीएल को मिला 24.4 करोड़ का विशाल निर्यात ठेका

नई दिल्ली ।

दूरसंचार उपकरण निर्माता एचएफसीएल को ऑप्टिकल फाइबर केबल आपूर्ति हेतु एक वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनी से 24.4 करोड़ डॉलर (करीब 2,329 करोड़ रुपये) का निर्यात ठेका मिला है। यह समझौता दिसंबर 2029 तक तीन साल के लिए है। कंपनी ने हालांकि इस ग्राहक का नाम गोपनीय रखा है। एचएफसीएल ने मंगलवार को शेयर बाजार को सूचित किया कि उसकी विदेशी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी के जरिए उच्च गुणवत्ता वाले, अधिक फाइबर क्षमता वाले ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) की आपूर्ति की जाएगी। इस ठेके के तहत आपूर्ति 2027 से शुरू होगी।

शेयर बाजार हल्की गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 12, निफ्टी 24 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 12.99 अंक गिरकर 76,944.28 पर रहा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 24.60 अंक फिसलकर 24,055.80 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर कुल 4559 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2555 में गिरावट दर्ज की गई, जबकि केवल 1769 शेयरों में बढ़त रही। इसमें से 235 शेयरों में कोई बदलाव नहीं आया। यह आंकड़ा दिखाता है कि बाजार में गिरावट का रुख व्यापक था।आज क्षेत्रीय मोर्चे पर, फार्मा सेक्टर ने सबसे ज्यादा गिरावट रही, जिसमें निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.5 फीसदी नीचे आया। इसके बाद निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में भी 1.4फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी ऑटो और निफ्टी पीएसयू बैंक सूचकांकों में 1.2फीसदी की कमी आई, जबकि निफ्टी बैंक 1फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.9फीसदी गिरे। इसके विपरीत, कुछ सेक्टरों में हल्की बढ़त देखी गई। निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी आईटी में 0.9फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि निफ्टी इंफ्रा, मीडिया और ऑयल एंड गैस सेक्टर 0.3फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।निफ्टी के प्रमुख शेयरों में श्रीराम फाइनेंस, मारुति सुजुकी, नेस्ले, इंटरग्लोब एविएशन और मैक्स हेल्थकेयर सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में शामिल रहे, जिन्होंने बाजार पर दबाव बढ़ाया। दूसरी ओर, आईटीसी, अडानी पोर्ट्स, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक और ओएनजीसी जैसे शेयरों ने बाजार को कुछ हद तक सहारा देने की कोशिश की और बढ़त के साथ बंद हुए। व्यापक बाजार की बात करें तो, मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी नकारात्मक प्रदर्शन रहा।

टाटा के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री अगस्त में बढ़कर 44,411 इकाई पहुंची

नई दिल्ल।

टाटा मोटर्स लिमिटेड ने अगस्त महीने में अपनी वाणिज्यिक वाहन (सीवी) बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि कुल बिक्री में पिछले साल के मुकाबले 49 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है, जो 44,411 इकाई तक पहुंच गई। पिछले साल अगस्त में यह आंकड़ा 29,863 इकाई था। कंपनी के बयान के अनुसार घरेलू वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री भी 33 प्रतिशत बढ़कर 36,619 इकाई रही, जो अगस्त 2022 में 27,481 इकाई थी। सबसे प्रभावशाली वृद्धि अंतर्राष्ट्रीय कारोबार में देखने को मिली, जहां कंपनी ने 7,792 इकाई बेचीं। यह एक साल पहले इसी महीने बेची गई 2,382 इकाइयों की तुलना में 227 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्शाती है, जो वैश्विक बाजारों में कंपनी के मजबूत प्रदर्शन को रेखांकित करता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया मंगलवार को 72 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.92 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार के शुरुआती कारोबार के दौरान भारतीय रुपये में 26 पैसे की तेजी दर्ज की गई। 95.06 के स्तर पर खुलने के बाद यह मजबूत होकर 94.96 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। विशेषज्ञों के अनुसार निकट अवधि में रुपये को 95.10 से 95.20 के दायरे में मजबूत समर्थन मिल रहा है।रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 26 पैसे चढ़कर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.96 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मुकाबले रुपये को निकट अवधि में 95.10-95.20 के आसपास मजबूत समर्थन मिलता दिख रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.06 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद इसमें तेजी आई और यह 26 पैसे की बढ़त दर्ज करते हुए 94.96 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपये ने सोमवार को शुरुआती नुकसान की भरपाई की और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की बढ़त के साथ 95.22 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.46 पर रहा।

ई-वाणिज्यिक वाहन निर्माता मुश्किल में, पीएम ई-ड्राइव की स्थानीयकरण शर्तों पर मांगी मोहलत

चीन के दुर्लभ खनिज मैग्नेट पर निर्यात प्रतिबंधों के कारण ट्रैक्शन मोटर के स्थानीय उत्पादन में बाधा

मुंबई ।

इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन (ई-सीवी) बनाने वाली कंपनियां प्रधानमंत्री ई-ड्राइव योजना के तहत स्थानीय विनिर्माण की जरूरतों को पूरा करने में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। मंगलवार से लागू होने वाले कड़े नियमों के बीच, उद्योग ने स्थानीय स्तर पर ट्रैक्शन मोटर और मोटर नियंत्रण प्रणाली के उत्पादन की समय-सीमा में सात महीने की बढ़ोतरी की मांग की है। इसकी मुख्य वजह चीन द्वारा दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंध हैं, जिसने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) ने भारी उद्योग मंत्रालय से 1 सितंबर, 2026 से लागू होने वाली स्थानीयकरण की समय-सीमा को 1 अप्रैल, 2027 तक बढ़ाने का आग्रह किया है। सायम ने अपने पत्र में डिस्प्रोसियम और टर्बियम जैसे दुर्लभ खनिज तत्वों पर चीन के निर्यात नियंत्रण को मुख्य कारण बताया, जो स्थायी मैग्नेट की आपूर्ति में बाधा डाल रहे हैं। ये मैग्नेट इलेक्ट्रिक बसों और ट्रकों में इस्तेमाल होने वाले ट्रैक्शन मोटर के लिए महत्वपूर्ण हैं। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि उद्योग के इस अनुरोध पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। पीएम ई-ड्राइव योजना के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) के तहत, ट्रैक्शन मोटर के मुख्य पुर्जों का भारत में ही विनिर्माण अनिवार्य है। सरकार ने पहले इन नियमों को सितंबर 2025 से लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन उद्योग की प्रतिक्रिया के बाद इसे दो बार बढ़ाया जा चुका है, अंतिम समय-सीमा 1 सितंबर, 2026 निर्धारित की गई थी। उद्योग अब भी आपूर्ति संबंधी अनिश्चितता से जूझ रहा है। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि उद्योग के इस अनुरोध पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। पीएम ई-ड्राइव योजना के चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम (पीएमपी) के तहत, ट्रैक्शन मोटर के मुख्य पुर्जों का भारत में ही विनिर्माण अनिवार्य है। सरकार ने पहले इन नियमों को सितंबर 2025 से लागू करने की योजना बनाई थी, लेकिन उद्योग की प्रतिक्रिया के बाद इसे दो बार बढ़ाया जा चुका है, अंतिम समय-सीमा 1 सितंबर, 2026 निर्धारित की गई थी।

जोमैटो ने प्लेटफॉर्म से हटाए कृत्रिम डेरी उत्पाद

एफएसएसएआई की कार्रवाई के बाद कंपनी ने उठाया कदम;

नई दिल्ली ।

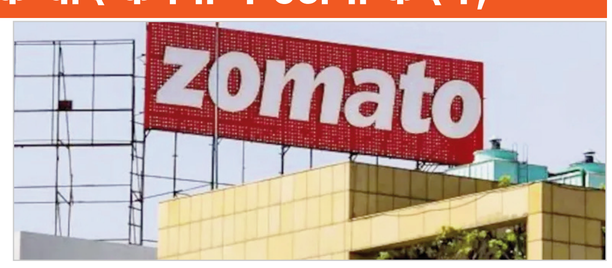

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अपने प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध रेस्टोरेंट्स द्वारा एनालॉग (कृत्रिम) डेरी उत्पादों की बिक्री पर सख्त नीति अपनाने की घोषणा की है। कंपनी ने उन सभी व्यंजनों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है, जिनमें एनालॉग डेरी उत्पादों का उपयोग होने की बात रेस्टोरेंट्स ने घोषित की थी। यह महत्वपूर्ण कदम भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा महाराष्ट्र में की गई कार्रवाई के बाद उठाया गया है, जिसने नकली डेरी उत्पादों की निगरानी और परीक्षण प्रक्रिया को मजबूत करने का भी निर्देश दिया था, जिसके तहत कई भोजनालयों के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। एनालॉग डेरी उत्पाद मुख्य रूप से पनीर, घी, खोया और मक्खन जैसे पारंपरिक डेरी उत्पादों के कृत्रिम विकल्प होते हैं, जिन्हें असली सामग्री के बजाय सस्ते पदार्थों से तैयार किया जाता है। जोमैटो ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई पारदर्शिता और खाद्य गुणवत्ता के प्रति उसके गंभीर रुख को दर्शाती है। कंपनी ने कहा कि उल्लंघन पाए जाने पर किसी भी उत्पाद को सूची से हटाने का अधिकार उसके पास सुरक्षित है। जोमैटो ने अपने रेस्टोरेंट साझेदारों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए हैं। उन्हें केवल प्राकृतिक डेरी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करने, मेन्यू से एनालॉग डेरी उत्पादों वाली वस्तुओं को हटाने और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्रदान किए गए उत्पाद लेबल व सामग्री घोषणाओं की गहन समीक्षा करने को कहा गया है। कंपनी ने चेतावनी दी है कि नियमों का ठीक तरीके से पालन न करने वाले रेस्टोरेंट्स को प्लेटफॉर्म की सूची से हटा दिया जाएगा। जोमैटो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य मंगला ने इस पहल पर टिप्पणी करते हुए कहा, जोमैटो का लक्ष्य लोगों को बेहतर भोजन उपलब्ध कराना है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- सीईए

मुंबई ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने घोषणा की कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष और ऊर्जा कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। उन्होंने इस स्थिरता का श्रेय पिछले कई वर्षों में किए गए संरचनात्मक सुधारों को दिया। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के बाद उन्होंने बताया कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आर्थिक वृद्धि मजबूत रही। इस तिमाही में वास्तविक जीडीपी में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछली तिमाही के 8.6 फीसदी से थोड़ी कम है। विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि कृषि क्षेत्र का योगदान कम रहा। नागेश्वरन ने जोर देकर कहा कि अर्थव्यवस्था की यह मजबूती कई अन्य आर्थिक संकेतकों से भी परिलक्षित होती है। उन्होंने स्वीकार किया कि वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों, ऊर्जा आपूर्ति और कीमतों तथा खाद्य कीमतों को लेकर अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं। इस बार जीडीपी के आकलन में डबल डिफ्लेशन नामक नई अंतरराष्ट्रीय पद्धति का प्रयोग किया गया है, जिसकी जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय (मॉस्पी) के सचिव सौरभ गर्ग ने दी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- 7.8 फीसदी जीडीपी वृद्धि बेहद उत्साहजनक

विनिर्माण, सुधार और विदेशी निवेश ने बढ़ाया भरोसा

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति पर गहरा संतोष व्यक्त किया है, खासकर वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में हासिल 7.8 फीसदी की प्रभावशाली जीडीपी वृद्धि को रेखांकित करते हुए। उन्होंने इस उल्लेखनीय प्रगति को भारतीय नागरिकों की कठिन परिस्थितियों और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद की गई कड़ी मेहनत का परिणाम बताया।

सीतारमण ने जानकारी दी कि इस अवधि में विनिर्माण क्षेत्र में 9.2 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई और अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में सकारात्मक विकास देखा गया। उन्होंने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार का श्रेय राज्यों के सहयोग को दिया, साथ ही सरकार द्वारा 1,000 से अधिक पुराने कानूनों को हटाने और लगभग 40,000 नियमों को सरल बनाने के प्रयासों का भी जिक्र किया।

वित्त मंत्री ने एफसीएनआर जमा और विदेशी निवेश में वृद्धि को भारतीय बैंकिंग प्रणाली और अर्थव्यवस्था में बढ़ते भरोसे का स्पष्ट संकेत बताया। उन्होंने कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों से अर्थव्यवस्था के सकारात्मक आंकड़ों को स्वीकार करने का आग्रह किया, यह कहते हुए कि राजनीतिक कारणों से भारतीय अर्थव्यवस्था की नकारात्मक तस्वीर पेश करना उचित नहीं है। सीतारमण ने स्वीकार किया कि कुछ क्षेत्रों में सुधार की गुंजाइश हो सकती है, लेकिन लगातार अच्छे आर्थिक आंकड़े भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाते हैं। उन्होंने कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और उर्वरकों के आयात से जुड़ी चुनौतियों को भी स्वीकार किया, लेकिन जोर दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार खुद को लगातार ढाल रही है। उन्होंने आरबीआई के सकारात्मक आकलन का हवाला देते हुए विश्वास जताया कि सरकार हर चुनौती में भारत को लाभ की स्थिति में रखने के लिए काम करेगी।

अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर, वित्त मंत्री ने पोलैंड, कतर, दक्षिण कोरिया और रूस के साथ सफल द्विपक्षीय बैठकों की जानकारी दी, जहां सभी देशों ने भारत के साथ संबंध मजबूत करने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने कनाडा और अमेरिका में निवेशकों, पेंशन फंड और फंडिंग एजेंसियों के साथ मुलाकातों का भी जिक्र किया, जिन्होंने भारत में निवेश में गहरी रुचि दिखाई। उन्होंने बताया कि आयात प्रक्रिया को आसान और तेज बनाने के लिए कस्टम्स और बैंकिंग क्षेत्र में कई सुधार किए जा रहे हैं।

हुंडई की अगस्त बिक्री में रिकॉर्ड उछाल

नई दिल्ली ।

हुंडै मोटर इंडिया लिमिटेड ने अगस्त में अपनी कुल बिक्री में 8.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो 65,796 इकाई रही। कंपनी की घरेलू बिक्री 23.6 फीसदी बढ़कर 54,396 इकाई रही, जो अगस्त महीने का अब तक का सर्वाधिक आंकड़ा है। वाहन विनिर्माता हुंडई ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में उसकी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, पश्चिम एशिया संघर्ष और भू-राजनीतिक चुनौतियों से निर्यात (11,400 इकाई) प्रभावित हुआ। कंपनी के एमडी और सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, अप्रैल-अगस्त में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 12.6त्न बढ़ी है, जो मजबूत वृद्धि दर्शाती है। उन्होंने आने वाले महीनों में निर्यात में सुधार की उम्मीद जताई। हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड की अगस्त में कुल बिक्री 8.8 प्रतिशत बढ़कर 65,796 इकाई हो गई। वाहन विनिर्माता कंपनी ने मंगलवार को बताया कि अगस्त में घरेलू बिक्री 23.6 प्रतिशत बढ़कर 54,396 इकाई रही जबकि निर्यात 11,400 इकाई रहा।हुंदै मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा, ''वित्त वर्ष 2026-27 में हमारी वृद्धि की गति मजबूत बनी हुई है।

पशुधन क्षेत्र की सुस्ती से कृषि जीवीए वृद्धि दर धीमी

कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की वृद्धि पहली तिमाही में घटी, पशुपालन पर मौसम का असर पड़ा भारी

मुंबई । सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026) में कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों की सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि दर में गिरावट दर्ज की गई है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 4.4 प्रतिशत से घटकर 3.6 प्रतिशत पर आ गई है, जो कृषि क्षेत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। विशेषज्ञों का कहना है कि कृषि जीवीए में आई यह गिरावट मुख्य रूप से पशुपालन और पशुधन क्षेत्रों में कम उत्पादन के कारण हुई है। दरअसल, अप्रैल से जून 2026 के दौरान देश के कई हिस्सों में आई बाढ़ और अत्यधिक गर्मी ने पशुधन को बुरी तरह प्रभावित किया था, जिससे उत्पादन प्रभावित हुआ। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री ने भी इस बात पर सहमति जताई कि पशुधन क्षेत्र का जीवीए पर यह प्रभाव अत्यधिक संभावित है, क्योंकि आमतौर पर पहली तिमाही में कृषि गतिविधियां कम रहती हैं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वित्त वर्ष 2027 के लिए कृषि जीवीए पर कम मॉनसून का वास्तविक असर आने वाली तिमाहियों में महसूस किया जाएगा। उन्होंने पूरे वित्त वर्ष के लिए कृषि व संबद्ध गतिविधियों का जीवीए लगभग 3.5-4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो इस क्षेत्र के दीर्घकालिक रुझान के अनुरूप है, लेकिन इसमें गिरावट का स्पष्ट रुझान दिखाई दे रहा है। गिरावट का यह रुझान इस तथ्य के कारण है कि बारिश में सुधार के बावजूद, खरीफ फसल का रकबा पिछले साल की तुलना में कम रहेगा, जिसका अर्थ है कि खोया हुआ रकबा वापस नहीं मिल पाएगा।

हालांकि, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में मौजूदा कीमतों पर जीवीए वृद्धि 7.5 प्रतिशत रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 4.7 प्रतिशत थी।

पार्थ जिंदल को मिली जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की कमान

संभालेंगे 6000 करोड़ का मेगा प्रोजेक्ट

मुंबई ।

जेएसडब्ल्यू समूह ने अपनी वाहन क्षेत्र की महत्वाकांक्षाओं को नई दिशा देते हुए घोषणा की कि सज्जन जिंदल के पुत्र पार्थ जिंदल को जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। 36 वर्षीय पार्थ, जो पहले से ही जेएसडब्ल्यू सीमेंट और पेंट्स के प्रबंध निदेशक हैं, अब समूह के इस सबसे बड़े नए उद्यम के केंद्र में आ गए हैं। समूह की वाहन रणनीति, विनिर्माण विस्तार और स्थानीयकरण में सक्रिय भूमिका निभाते रहे पार्थ जिंदल की यह पदोन्नति ऐसे समय में हुई है जब जेएसडब्ल्यू की वाहन संबंधी महत्वाकांक्षाएं एमजी से कहीं आगे बढ़ रही हैं। समूह जेएसडब्ल्यू मोटर्स के तहत स्वतंत्र यात्री वाहन कारोबार बना रहा है, जिसमें चीन की चेरी ऑटोमोबाइल की तकनीक का इस्तेमाल होगा। इसके अलावा, फोक्सवगैन ग्रुप के साथ भी भारत में संभावित साझेदारी को लेकर बातचीत चल रही है। जेएसडब्ल्यू एमजी और उसके आपूर्तिकर्ता संयुक्त रूप से लगभग 6,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रहे हैं। इस योजना के तहत, जनवरी 2028 तक हलोल संयंत्र की क्षमता को मौजूदा 1,10,000 वाहनों से बढ़ाकर सालाना 2,20,000 किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जेएसडब्ल्यू मोटर्स महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में नई-ऊर्जा वाले वाहनों के लिए एक नया विनिर्माण संयंत्र भी विकसित कर रही है। पार्थ जिंदल की रणनीतिक दृष्टि समूह के लिए कोई नई बात नहीं है। फरवरी 2018 में, जब समूह भूषण स्टील की दिवालिया प्रक्रिया पर विचार कर रहा था, तब पार्थ ने टाटा समूह के विस्तार के जवाब में भूषण पावर ऐंड स्टील (बीपीएसएल) को हासिल करने का तर्क दिया था। उनकी सलाह आखिरकार सही साबित हुई और जेएसडब्ल्यू ने बीपीएसएल को खरीदकर पूर्वी भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

क्या आप तैयार हैं फर्स्ट इंप्रेशन के लिए?

आज के समय में सिर्फ कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर लेना ही काफी नहीं है। जॉब पाने के लिए प्रोफेशनल एटिकेट्स की समझ–बूझ होना भी बहुत जरूरी है। इसी से आपकी एक इमेज भी बनती है। जब आप इंटरव्यूअर के साथ बैठते हैं, तो फर्स्ट इंप्रेशन बनने में महज कुछ सेकंड का समय ही लगता है। इतने ही वक्त में आपके बारे में एक राय बन जाती है। भले ही इस दौरान आप एक भी शब्द न बोलें, लेकिन इंटरव्यूअर आपकी ड्रेसिंग, ग्रूमिंग, चेहरे के भाव और बॉडी लैंग्वेज को देखकर बहुत कुछ समझ जाते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी हो जाता है कि आप अच्छा इंप्रेशन बनाने को लेकर चौकस रहें।

'हाथ' देता है संदेश

एक–दूसरे से हाथ मिलाने के स्टाइल से भी आपके व्यक्तित्व और आत्मविश्वास को आंका जा सकता है। इसलिए हैंडशेक को कतई हल्के में न लें। किसी व्यक्ति से मुलाकात के दौरान चेहरे पर मुस्कान रखना और आंख मिलाकर बात करना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है मजबूती और गर्मजोशी से हाथ मिलाना। इतना ही नहीं, हाथ मिलाते समय आप सामने वाले को उत्साही भी दिखें। यह हैंडशेक सही ढंग से होना चाहिए, यानी न तो सामने वाले का हाथ बहुत ज्यादा कसकर पकड़ना चाहिए और न ही इसे ढीला छोड़ना चाहिए। आम तौर पर हैंडशेक के दौरान हाथ को दो–तीन बार हिलाना सही माना जाता है।

ड्रेसिंग–ग्रूमिंग पर ध्यान

प्रोफेशनल ड्रेसिंग और सोशल ड्रेसिंग मौके के हिसाब से उपयुक्त होना चाहिए। अगर आप पहली बार जॉब के लिए इंटरव्यू देने जा रहे हैं, तो आपको यह फर्क समझना होगा। इंटरव्यू के लिए जाने हेतु पुरुषों के लिए डार्क कलर का ट्राउजर और लाइट कलर की फॉर्मल शर्ट ही श्रेष्ठ होती है। हल्की–फुल्की धारीदार शर्ट भी पहन सकते हैं। ऐसे मौके पर पैटर्न या डिजाइन वाले कपड़े पहनने से बचें। महिलाएं स्ट्रेट–कट कुर्ता पहन सकती हैं। चाहें, तो साड़ी भी पहन सकती हैं। मगर ध्यान रहे, इसमें ज्यादा तड़क–भड़क न हो। अगर वेस्टर्न ड्रेस पहनना चाहें, तो स्ट्रेट–कट, वेल फिटिंग ट्राउजर पहन सकती हैं। ऐसे मौकों पर एक्सेसरी व मेकअप के मामले में जितना सिंपल रहें, उतना बेहतर होता है।

रेज्यूमे में कॉपी–पेस्ट नहीं!

रेज्यूमे आपकी प्रोफेशनल लाइफ का आईना होता है। इसलिए इसको लेकर हमेशा गंभीरता बरतें। कई युवा अपना रेज्यूमे बनाते समय किसी दोस्त के रेज्यूमे को लगभग जस–का–तस कॉपी–पेस्ट कर देते हैं। यह बिल्कुल गलत है। कारण यह कि हर व्यक्ति की शख्सियत और खासियत अलग होती है और इसी प्रकार हर जॉब के लिए अलग तरह के रेज्यूमे की जरूरत होती है। अगर कोई हॉस्पिटैलिटी सेक्टर में काम कर रहा है, तो उसके रेज्यूमे को कॉपी–पेस्ट करके आप आईटी सेक्टर में जॉब के लिए आवेदन नहीं कर सकते। रेज्यूमे में आपकी अपनी शख्सियत झलकनी चाहिए। इसमें आपके अनुभव, काम, हॉबी, कॉलेज के प्रोजेक्ट्स आदि का उल्लेख हो। कोशिश करें कि इसमें स्पेलिंग या ग्रामर की गलतियां बिल्कुल न हों। ऐसी गलतियों से आपके बारे में नकारात्मक इंप्रेशन बनता है। रेज्यूमे बनाने के बाद इसे किसी सीनियर या जानकार को एक बार जरूर दिखा दें ताकि उसमें कोई कमी रह जाने पर उसे दूर किया जा सके।

जॉब पाने के बाद

अगर आपको जॉब मिल जाती है, तो वर्कप्लेस पर विनम्र और मिलनसार बने रहना कई मायनों में फायदेमंद होता है। शुरूआती दिनों में कोई शिकायत या दूसरों की आलोचना करने से बचें। अपना ध्यान सिर्फ काम पर लगाएं। जो जिम्मेदारी आपको दी गई है, उसे बेहतर तरीके से निभाने की कोशिश करें। काम के प्रति प्रो–एक्टिव रवैया दिखाकर आप बॉस की नजर में अच्छा इंप्रेशन बना सकते हैं। सोशल मीडिया पर आजकल लगभग सभी सक्रिय हैं। मगर ध्यान रहे, अपनी ऑनलाइन इमेज साफ–सुथरी रखना जरूरी है क्योंकि आपके बारे में इंप्रेशन बनाने में इसका भी योगदान होता है।

बाजार के बदलते मिजाज पर रखिए नजर

कंपनियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के चलते मार्केट रिसर्च बड़े उद्योग के रूप में उभर रहा है। यहां आपके लिए जॉब के कई अवसर है।

बाजार में किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले कंपनियों के जेहन में एक बात जरूर होती है कि लोगों को उनका उत्पाद पसंद आएगा या नहीं। लोग क्या पसंद करते हैं? उत्पाद की बिक्री कैसी रहेगी.? इन सवालों के जवाब पाने के लिए कंपनियां बाकायदा मार्केट रिसर्च कराती हैं। फिर मार्केटिंग की रणनीति बनाती हैं। ऐसा कमोबेश सभी कंपनियां करती हैं। यही वजह है कि बीते कुछ वर्षों में मार्केट रिसर्च की अहमियत बढ़ी है क्योंकि बाजार का मिजाज रोज बदल रहा है। किसी भी उत्पाद की लॉन्चिंग में कंपनियों के करोड़ों रुपए दांव पर लगे होते हैं। इसलिए कंपनियां कोई रिस्क नहीं लेना चाहतीं। किसी प्रोडक्ट या सर्विस की लॉन्चिंग/ रीलॉन्चिंग से पहले वे मार्केट सर्वे का सहारा जरूरी लेती हैं। मार्केट रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, देश में रिसर्च इंडस्ट्री की वर्तमान विकास दर करीब 10 प्रतिशत है। इसमें आगे और विस्तार की उम्मीद बनी हुई है क्योंकि देश में कंज्यूमर कॉन्फिडेंस लगातार बढ़ रहा है।

सर्वे का बढ़ता स्कोप मार्केट रिसर्च कंपनियों की सेवाएं निजी कंपनियों के साथ अब राजनीतिक दल भी खूब लेने लगे हैं। आम तौर पर सभी राजनीतिक पार्टियां टिकट बंटवारे से लेकर चुनावी व्यूह रचना और घोषणापत्र तक मार्केट रिसर्च के आधार पर ही तैयार करती हैं। चुनाव पूर्व सर्वे के जरिये जनता का मूड जानने की कोशिश भी की जाती है। टीवी चैनल्स और अखबारों में छपने वाले ओपिनियन पोल और एक्जिट पोल की लोकप्रियता से तो सभी वाकिफ हैं।

कैसे होती है मार्केट रिसर्च?

मार्केट रिसर्चर या एनालिस्ट का कार्य मुख्य रूप से सर्वे और रिसर्च से जुड़ा है। अपने तरीकों से ये प्रोफेशनल बाजार का मूड टटोलने की कोशिश करते हैं। दरअसल, यह भी एक मार्केटिंग रणनीति है। उत्पाद की लॉन्चिंग से पहले सर्वे कराने से यह पता चलता है कि प्रतिस्पर्धा में कौन–कौन–से उत्पाद हैं, उनकी कीमत क्या है, बिक्री क्या है? कंपनी की मार्केटिंग रणनीति क्या है? बाजार में नए उत्पान की बिक्री का स्कोप क्या है? साथ ही, कंपनियां यह भी जानना चाहती हैं कि लोग क्या पसंद करते हैं, उन्हें क्या नया पसंद आएगा आदि। इन सभी सवालों का फीडबैक जुटाने के लिए मार्केट रिसर्चर एक क्वैश्चनेयर नुमा फॉर्म तैयार करते हैं। फिर कंज्यूमर सर्वे कराते हैं। ये सर्वे कई तरह से किए जाते हैं, जैसे टेलिफोन या इंटरनेट के जरिये या फिर ग्राउंड सर्वे। बाद में रिसर्च कंपनियां क्लाइंट कंपनी के लिए एक रिपोर्ट या प्रेजेंटेशन तैयार करती हैं। मार्केट रिसर्चर के इन्हीं सुझावों के आधार पर आखिरकार कंपनियां अपने उत्पाद या सेवा की लॉन्चिंग करती हैं।

पर्सनल स्किल

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम करने के लिए आपको डाटा एनालिसिस का ज्ञान रखना बहुत जरूरी है। आपकी कम्युनिकेशन स्किल भी अच्छी होनी चाहिए। इंग्लिश पर अच्छी पकड़ भी होना जरूरी है। बेहतर सेल्समैनशिप और क्रिएटिव क्वॉलिटी भी रखनी होगी। साथ ही, अगर आप टीमवर्क की भावना और काम के प्रति लगन रखते हैं, तो बेझिझक मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं।

जॉब प्रोफाइल

मार्केट रिसर्च का कार्य मुख्य तौर पर दो हिस्सों में बंटा है : फील्ड वर्क और रिसर्च वर्क। इसलिए यहां अलग अलग पृष्ठभूमि के लोगों के लिए जॉब के अवसर भी खूब हैं। रिसर्च एजेंसीज में आप वाइस प्रेसिडेंट ऑफ मार्केटिंग रिसर्च, रिसर्च डायरेक्टर, असिस्टेंट डायरेक्टर, प्रोजेक्ट मैनेजर, डाटा प्रोसेसिंग स्पेशलिस्ट, एनालिस्ट, फील्ड वर्क डायरेक्टर, फील्ड सुपरवाइजर आदि पदों पर जॉब पा सकते हैं।

कहां हैं जॉब्स?

मौजूदा समय में कई देशी–विदेशी कंपनियां आपको इस फील्ड में जॉब दे सकती हैं। बड़ी कंपनियों में आपको विदेश में भी काम करने का मौका मिल सकता है। इसके अलावा केंद्र व राज्य सरकारों के तमाम विभागों में भी मार्केट रिसर्चर की काफी मांग है। टेलीकॉम कंपनियों में भी जॉब की संभावनाएं हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म और कंसल्टेंसी का विकल्प भी खुला है। अगर चाहें, तो एंटरप्रेन्योर बनकर खुद की रिसर्च एजेंसी भी खोल सकते हैं।

शैक्षणिक योग्यताएं

मार्केट रिसर्च के क्षेत्र में काम की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता ग्रेजुएशन है। अगर करियर बनाना चाहते हैं, तो बीबीए या मार्केटिंग में एमबीए करके यहां एंट्री लें। साइकोलॉजी, सोश्योलॉजी या एंथ्रोपोलॉजी में ग्रेजुएट भी यहां करियर बना सकते हैं। कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट के लिए भी यहां करियर स्कोप है। कई संस्थान मार्केट रिसर्च के लिए डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा कोर्स भी ऑफर कर रहे हैं। वहीं, फील्ड वर्क के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है।

सैलरी कितनी?

रिसर्च कंपनियों में हर तरह के प्रोफेशनल्स को काफी आकर्षक सैलरी मिलती है। रिसर्चर या एनालिस्ट लेवल पर शुरूआत में ही 30 से 40 हजार रुपए महीना आसानी से मिल जाते हैं। अनुभव बढ़ने पर यह सैलरी 70 हजार से 1 लाख रुपए के आसपास भी पहुंच सकती है। फील्ड वर्क से जुड़े लोग भी शुरूआत में 10 से 15 हजार रुपए महीना कमा सकते हैं।

ऑनलाइन एग्जाम से डरें नहीं, अपनाएं ये टिप्स

बैंकों में नियुक्ति के लिए परीक्षाएं कराने वाली प्रमुख एजेंसियां, जैसे आईबीपीएस, एसबीआई और आरबीआई भी कम्प्यूटराइज्ड ऑनलाइन फॉर्मेट में परीक्षा लेना या तो शुरू कर चुकी हैं या ऐसा करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन फॉर्मेट अपनाने पर परीक्षार्थियों और अकादमिक विशेषज्ञों दोनों की ओर से मिश्रित प्रतिक्रियाएं आई हैं। इस बात में कोई शक नहीं कि कम्प्यूराइज्ड एग्जाम के कई फायदे हैं मगर कई लोगों ने इस आधार पर इसका विरोध भी किया है कि इससे कम्प्यूटर टेक्नोलॉजी तक पहुंच और उसमें सिद्धहस्तता के आधार पर विभिन्न परीक्षार्थियों में भेद किया जाता है।

जो युवा इस टेक्नोलॉजी से कम परिचित हैं, वे अन्य मामलों में योग्य होने हुए भी पिछड़ सकते हैं। कई ऐसे युवा भी हो सकते हैं, जो यूं तो कम्प्यूटर का प्रयोग खूब करते हैं लेकिन परीक्षा ऑनलाइन देने के नाम पर असहज हो जाते हैं। यदि आप भी उन लोगों में से हैं, जो ऑनलाइन बैंकिंग एग्जाम को लेकर चिंतित हैं, तो हम आपके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं, जिनसे आपको निश्चित ही लाभ होगा। ऑनलाइन परीक्षा की तकनीक पर चर्चा करने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि आखिर क्यों बैंकिंग परीक्षाओं को ऑनलाइन करने का फैसला किया गया।

ऑनलाइन का है भविष्य

जो भी हो, ऑनलाइन परीक्षाओं के लाभ इसकी हानियों से ज्यादा हैं और भविष्य तो कम्प्यूटराइज्ड परीक्षाओं का ही है। आगे चलकर तमाम परीक्षाएं इसी फॉर्मेट में होने वाली हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। अभी तक पेपर–पेन वाली परीक्षाएं देते आए परीक्षार्थियों को शुरू–शुरू में ऑनलाइन परीक्षा थोड़ी असहज लग सकती है लेकिन यह कोई हिमालय लांघने जैसा काम भी नहीं है। वैसे भी, सभी बैंकिंग प्रोफेशनल्स से यह अपेक्षा तो की ही जाती है कि उन्हें कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान हो। तो फिर परीक्षा भी कम्प्यूटर पर ही देने में हिचक कैसी?

परीक्षा के माहौल से परिचित हों

कम्प्यूटराइज्ड बैंक परीक्षाओं की आलोचना का एक आधार यह रहा है कि परीक्षार्थी प्रश्नों के उत्तर देने में सहज नहीं हो पाते और समय पर पेपर पूरा नहीं कर पाते। इस समस्या का समाधान खुद परीक्षार्थी के पास ही है। जो युवा बैंकिंग एग्जाम देने का इरादा रखते हैं, वे परीक्षा के इस नए माहौल से खुद को अभ्यस्त करना शुरू कर दें। इससे आप एग्जाम फॉर्मेट, स्टाइल और प्रश्नों की शैली से परिचित हो जाएंगे।

टेक्नोलॉजी का लाभ उठाएं

टेक्नोलॉजी हमेशा से भविष्य का रास्ता बताती आई है। ऑनलाइन बैंक पीओ एग्जाम भी इससे अलग नहीं है। टेक्नोलॉजी से समय और मेहनत की बचत होती है, यह तो सब जानते हैं। सो आप भी इस बात पर फोकस करें कि आप टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए कैसे कर सकते हैं और कैसे कम समय व कम मेहनत के साथ पेपर हल कर सकते हैं।

अपनी ताकत और कमजोरी पहचानें

एक बार आप ऑनलाइन परीक्षा की टेक्नोलॉजी और फॉर्मेट से परिचित हो जाएं, तो आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचान सकते हैं। फिर आप अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। मसलन, हो सकता है कि आप कम्प्यूटर पर मैथ्स के प्रश्न तो आसानी से हल कर लें लेकिन स्क्रीन पर इंग्लिश लैंग्वेज के प्रश्न पढ़ने और उनके उत्तर देने में आपको दिक्कत हो रही हो। ऐसे में आप मैथ्स के मुकाबले इंग्लिश की तैयारी पर अधिक ध्यान दे सकते हैं।

ऑनलाइन मॉक टेस्ट

कम्प्यूटराइज्ड आरबीआई बैंक एग्जाम्स के आने के बाद से कई कोचिंग सेंटर्स तथा टेस्ट प्रेप वेबसाइट्स ऑनलाइन मॉक टेस्ट कराती हैं। ये मॉक टेस्ट बैंकिंग एग्जाम के सिलेबस, फॉर्मेट तथा प्रश्नों की शैली को अच्छी तरह समझने के बाद तैयार की जाती हैं। इसलिए इन्हें हल करने पर आप वास्तविक परीक्षा के अनुभव से अवगत हो सकते हैं। इससे नियत समय में पूरा पेपर हल करने में भी आपको मदद मिलेगी।

शॉर्टकट और ट्रिक्स

बैंकिंग एग्जाम में बैठने वाले परीक्षार्थी मैथ्स और क्वॉन्टिटेटिव एबिलिटी के प्रश्न हल करने के लिए कई तरह के शॉर्टकट तथा ट्रिक्स का इस्तेमाल करते आए हैं। ऑनलाइन कम्प्यूटराइज्ड टेस्ट में भी आप ऐसा कर सकते हैं। सच तो यह है कि ऑनलाइन टेस्ट दे चुके कई परीक्षार्थियों का कहना है कि उन्हें इस फॉर्मेट में पहले से कहीं ज्यादा शॉर्टकट और ट्रिक्स हाथ लगी हैं! आप भी इन शॉर्टकट्स और ट्रिक्स को जानें और इन्हें आजमाएं।

पाकिस्तान क्रिकेट: मिसबाह-उल-हक का इस्तीफा, सात खिलाड़ियों को किया बाहर

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों इंग्लैंड में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है. पहले दो मैच हारकर ही वो सीरीज हार चुके हैं. लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में उन्हें 194 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा. इससे पहले लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट मैच में उन्हें पारी और 103 रनों हार मिली थी. ये पिछले छह टेस्ट मैचों में से पाकिस्तान की पांचवीं हार है।

टीम के लगातार खराब प्रदर्शन की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ी और कोच से खुश नहीं है. इसलिए बोर्ड ने सीरीज के बीच में ही आखिरी टेस्ट से पहले टीम में बड़े बदलाव कर दिए हैं. बोर्ड ने कोच समेत सात खिलाड़ियों को टीम से एजबेस्टन में 9 सितंबर से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट मैच से पहले ही हटा दिया है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मिसबाह-उल-हक ने पाकिस्तान पुरुष राष्ट्रीय सिलेक्शन कमिटी से इस्तीफा देने की पेशकश की है। यह कदम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा इंग्लैंड दौरे के दौरान टेस्ट टीम और कोचिंग स्टाफ में बड़े बदलाव करने के फैसले के बाद उठाया गया है। क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने अभी तक मिसबाह का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। उन्होंने लाहौर में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में बैटिंग कंसल्टेंट की भूमिका से भी हटने का फैसला किया है।

टीम से बाहर होने वाले खिलाड़ी

टेस्ट स्क्वाड से बाहर होने वाले खिलाड़ियों में सलमान अली आगा, विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान, ओपनिंग बल्लेबाज इमाम-उल-हक, अली उस्मान, आमिर जमाल, मुहम्मद अवैस जफर और खुर्रम शहजाद के नाम शामिल हैं।

कोच की भी छुट्टी

यह बदलाव सिर्फ खिलाड़ियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि रेड-बॉल हेड कोच सरफराज अहमद और बॉलिंग कोच उमर गुल को भी उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है. उनकी जगह अब व्हाइट-बॉल के हेड कोच माइक हेसन और एशले नोफके को रखा गया है।

7 नए खिलाड़ियों की टीम में एंट्री

बाहर किए गए 7 खिलाड़ियों की जगह 7 नए खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में शामिल किया गया है. जिसमें टेस्ट स्तर पर पांच अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं. जिसमे बल्लेबाज साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल के साथ-साथ बाएं हाथ के स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर अराफात मिन्हास शामिल हैं. अनकैप्ड खिलाड़ी मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान और रजाउल्लाह भी टीम से जुड़ेंगे।

साइम अयूब 8 टेस्ट और अब्दुल्ला फजल दो टेस्ट मैच खेल चुके हैं. जबकि अराफात मिन्हास ने तीन वनडे और चार टी-20 मैच खेले हैं. इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान जूनियर, विकेटकीपर-बल्लेबाज और कायद-ए-आजम ट्रॉफी 2025-26 के 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' साद बेग, और दाएं हाथ के पेस बॉलिंग ऑलराउंडर मोहम्मद इमरान (जिन्हें इमरान रंधावा के नाम से भी जाना जाता है) और रजाउल्लाह हैं।

पाकिस्तान की अपडेटेड टेस्ट स[ाड

बाबर आजम (कप्तान), अब्दुल्ला फजल, अराफात मिन्हास, अजान अवैस, मोहम्मद अब्बास, मोहम्मद अली, मुहम्मद इमरान, मोहम्मद इमरान जूनियर, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), रजाउल्लाह, साद बेग (विकेटकीपर), साइम अयूब, साजिद खान, सऊद शकील, शान मसूद और उबैद शाह।

वैभव ने बनाए 40 रन, ईस्ट जोन को 159 का मिला टारगेट

नईदिल्ली (एजेंसी)। दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी दूसरी पारी में 40 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के लगाए।सेंट्रल जोन की दूसरी पारी 158 रन पर सिमट गई। ईस्ट जोन को टेस्ट मैच जीतने के लिए 159 रन का टारगेट मिला है। इसके जवाब में टीम ने 27 ओवर में 3 विकेट पर 94 रन बना लिए हैं। कुमार कुशाग्र 16 और कप्तान ईशान किशन 1 रन बनाकर खेल रहे हैं। सेंट्रल जोन की शुरुआत खराब

रही और 37 रन तक टीम के तीन विकेट गिर गए। कप्तान रजत पाटीदार 5 और रिंकू सिंह 20 रन ही बना सके। 95 रन तक 7 विकेट गंवाने के बाद अरशद खान ने लोअर ऑर्डर के साथ मिलकर टीम को 150 रन के पार पहुंचाया। हालांकि टीम 158 रन पर ही सिमट गई। अमन मोखाड़े ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। अरशद खान ने 25 और हर्ष दुबे ने 24 रन की पारी खेली। ईस्ट जोन की ओर से मुकेश कुमार सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 12 ओवर में 44 रन देकर 4 विकेट लिए। मोहम्मद शमी ने 3, जबकि अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और कुनैन कुरैशी ने 1-1 विकेट लिया। मोहम्मद शमी ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। ईस्ट जोन की ओर से खेल रहे शमी ने सेंट्रल जोन के खिलाफ 3 विकेट लेकर प्रोफेशनल क्रिकेट में अपने 900 विकेट पूरे किए। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले सिर्फ छठे भारतीय गेंदबाज बने। शमी ने 36 साल की उम्र में यह मुकाम हासिल किया।

ब्राजील के खिलाफ भारत ने टीम का किया ऐलान

कोलकाता (एजेंसी)। भारत में फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए फीफा वर्ल्ड कप में भाग ले चुकी तीन टीमें- पनामा, ब्राजील और उरुग्वे- भारत का दौरा करने वाली है। ये तीनों टीमें सितंबर और अक्टूबर में भारतीय फुटबल टीम से फ्रेंडली मैच भी खेलने वाली है. जिससे भारत को खुद को परखने का मौका मिलेगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में पनामा के खिलाफ मैच खेलेगी. इसके बाद वे कोलकाता जाएंगे, जहां उनका मुकाबला 3 अक्टूबर को पांच बार की वर्ल्ड चैंपियन ब्राजील और 6 अक्टूबर को दो बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे से होगा। बता दें कि ये तीनों टीमें इस साल की शुरुआत में हुए वर्ल्ड कप में खेली थीं, लेकिन पनामा और उरुग्वे ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थीं जबकि ब्राजील राउंड ऑफ 16 में नार्वे से हारकर बाहर हो गई थी। इस तीन इंटरनेशनल फ्रेंडली मैचों के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के हेड कोच खालिद जमील ने 26 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा भी कर दी. जिसमें चार गोलकीपर, आठ डिफेंडर, आठ मिडफील्डर और छह फॉरवर्ड शामिल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम

गोलकीपर- एल्बिनो गोम्स, गुरप्रीत सिंह संधू, प्रभसुखन सिंह गिल, सोम कुमार.
डिफेंडर-अभिषेक सिंह टेकचम, आकाश मिश्रा, अनवर अली, बिजॉय वर्गीज, ह्मिंगथनमाविया राल्टे, जय गुप्ता, प्रमवीर, रिकी मीतेई हाओबाम.
मिडफील्डर- अनिरुद्ध थापा, आशिक कुरुनियन, फारुख चौधरी, लालेंगमाविया राल्टे, मैकार्टन निक्सन, मोहम्मद सनन, रिकी शबोंग, सहल अब्दुल समद.
फॉरवर्ड-एडमंड लालरिंडिका, इरफान यादवाड, मनवीर सिंह, रहीम अली, रयान विलियम्स, विक्रम प्रताप सिंह।
चार रिजर्व खिलाड़ी- गोलकीपर ऋतिक तिवारी, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह कोंशम और रोशन सिंह नाओरेम, मिडफील्डर सुरेश सिंह वांगजाम।

स्टार टेनिस खिलाड़ी की दरियादिली बाढ़ पीड़ितों के लिए दान किए 1 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग छिनवेन ने एक बार फिर मुश्किल वक्त में अपने देश के लोगों का साथ देकर दिल जीत लिया है। याहू स्पोर्ट्स के मुताबिक, इस स्टार खिलाड़ी ने तिब्बत के ग्यिरोंग काउंटी में बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित लोगों की मदद के लिए एक मिलियन युआन यानी करीब 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 1.4 करोड़ रुपये) दान किए हैं। चीन चैरिटी फेडरेशन ने इस योगदान की पुष्टि की है। यह मदद ऐसे समय में आई है जब खुद झेंग चोट और सर्जरी के बाद अपने करियर को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश कर रही हैं।

बाढ़ और भूस्खलन ने मचाई भारी तबाही

चीन-नेपाल सीमा के पास स्थित ग्यिरोंग काउंटी में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई। इस आपदा में बड़ी संख्या में लोगों के लापता होने और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की जानकारी सामने आई है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। इसी मुश्किल घड़ी में झेंग ने आपदा राहत और पुनर्वास प्रयासों के लिए बड़ी रकम दान की। उनका 10 लाख युआन का योगदान प्रभावित लोगों तक आपात सहायता पहुंचाने और बचाव-पुनर्निर्माण कार्यों में इस्तेमाल किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है जब झेंग ने प्राकृतिक आपदा के पीड़ितों की मदद के लिए आगे बढ़कर योगदान दिया है।

2023 में भी की थी बड़ी मदद

झेंग ने इससे पहले 2023 में चीन के गांसू प्रांत के जिशिशान काउंटी में आए भूकंप के बाद राहत कार्यों के लिए 2 लाख युआन यानी करीब 28 हजार डॉलर का दान दिया था। इस बार उनका योगदान पहले की तुलना में पांच गुना है। चीन की सबसे चर्चित खेल हस्तियों में शामिल झेंग का यह कदम उनके सामाजिक सरोकार को भी दिखाता है। 23 साल की झेंग ने खेल की दुनिया में भी कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने 2024 पेरिस ओलंपिक में महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतकर चीन के सबसे बड़े खेल सितारों में अपनी जगह मजबूत की थी।

चोट ने बदली करियर की रफ्तार

हालांकि, पिछले कुछ समय में झेंग के टेनिस करियर को चोट ने बुरी तरह प्रभावित किया। वह कोहनी की चोट के कारण सर्जरी से गुजरीं और लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहीं। इसका असर उनकी रैंकिंग पर भी पड़ा। एक समय दुनिया की नंबर-4 खिलाड़ी रह चुकीं झेंग अब रैंकिंग में 121वें स्थान पर पहुंच गई हैं। चोट के कारण वह 2025 यूएस ओपन में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं। इस सीजन में वापसी के बाद उन्हें शुरुआती दौर में कई हार का सामना करना पड़ा। खुद झेंग ने माना कि लगातार हार से वह मानसिक रूप से भी परेशान हुई।उन्होंने कहा, 'वापसी के बाद मैं कुछ ऐसे मैच हार गई, जिन्हें मुझे नहीं हारना चाहिए था। यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक था।' झेंग ने बताया कि उन्हें लगता था कि उन्होंने अपने प्रशंसकों को निराश किया है।

यूएस ओपन में वापसी से नई उम्मीद

चोट से वापसी के बाद झेंग के लिए 2026 यूएस ओपन बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लिए उन्हें क्वालीफाइंग के तीन मुकाबले खेलने पड़े और तीनों में जीत हासिल कर उन्होंने अपनी वापसी को यादगार बनाया। उन्होंने पहले मुकाबले में चीन की यू शियाओदी को 6-3, 6-2 से हराया। इसके बाद क्लारा बुरेल को 6-1, 7-5 से मात दी। आखिरी क्वालीफाइंग मुकाबले में एलेना प्रिदांकिना के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद उन्हें दूसरे सेट में हार मिली, लेकिन निर्णायक सेट में उन्होंने 6-0 की शानदार जीत के साथ 6-4, 3-6, 6-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

मेसी के संन्यास पर पत्नी हुईं भावुक वीडियो और फोटो शेयर किया

नई दिल्ली। लियोनल मेसी के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से दूसरी बार संन्यास लेने के फैसले ने दुनियाभर के प्रशंसकों को भावुक कर दिया है। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर के इस फैसले के बाद उनकी पत्नी एंटोनेला रोकुजो ने भी सोशल मीडिया पर अपने जज्बात जाहिर किए। उन्होंने मेसी का एक प्यारा वीडियो और बच्चों के साथ तस्वीर साझा की और उनके पूरे सफर को याद करते हुए दिल छू लेने वाला नोट लिखा।

तुम्हें इस तरह सफर खत्म करते देखना गर्व की बात

एंटोनेला ने अपने पोस्ट की शुरुआत मेसी के लिए गर्व जताते हुए की। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें इस तरह अपने इस सफर का अंत करते देखना कितने गर्व की बात है।' उन्होंने कहा कि मेसी के सफर में कई साल, अनगिनत पल, खुशियां और मुश्किल दौर रहे। उन्होंने अपने पति को संघर्ष करते, गिरते और फिर उठते हुए करीब से देखा है। एंटोनेला ने लिखा, 'मैंने तुम्हें दुखी होते देखा, गिरते देखा और फिर उठते हुए भी देखा। मैंने तुम्हें तब भी आगे बढ़ते देखा, जब चीजें तुम्हारे मुताबिक नहीं हो रही थीं। और तुम्हें हर बार फिर से कोशिश करते और अपने विश्वास को बनाए रखते देखा।' यह संदेश मेसी के उस दौर की भी याद दिलाता है, जब अर्जेंटीना के साथ लगातार फाइनल हारने के बाद उन्होंने 2016 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हालांकि, वह बाद में वापस लौटे और उनकी कहानी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने उन्हें फुटबॉल इतिहास के सबसे महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया। एंटोनेला ने मेसी द्वारा साझा किया गया एक वीडियो अपनी स्टोरी पर लगाया है।

बच्चों के लिए सबसे खास रही पिता की कहानी

एंटोनेला के पोस्ट का सबसे भावुक हिस्सा उनके बच्चों को लेकर था। उन्होंने बताया कि उनके बच्चों ने मेसी के पूरे सफर को बेहद करीब से देखा है। उन्होंने लिखा, 'हमारे बच्चों का इस कहानी को बेहद करीब से देखते हुए बड़ा होना मुझे सबसे ज्यादा भावुक करता है। उन्होंने अपने पिता को उस चीज के लिए लड़ते देखा, जिसे वह हासिल करना चाहते थे। उन्होंने तुम्हें हार न मानते और आखिरी पल तक विश्वास बनाए रखते देखा।' मेसी और एंटोनेला के बच्चे अपने पिता के करियर के सबसे बड़े पलों के भी गवाह रहे हैं। खास तौर पर 2022 विश्व कप जीत उनके परिवार के लिए बेहद खास रही। अर्जेंटीना ने कतर में फ्रांस को हराकर विश्व कप जीता था और मेसी ने पहली बार अपने करियर में यह ट्रॉफी उठाई थी। एंटोनेला ने लिखा कि उनके बच्चों को मेसी को सब कुछ हासिल करते और विश्व कप की ट्रॉफी उठाते देखने का मौका मिला।

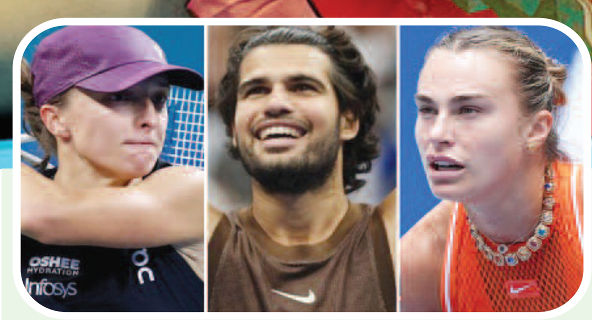

यूएस ओपन: अल्काराज जीते वावरिंका का सफर खत्म

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में जारी यूएस ओपन के दूसरे दिन कई बड़े मुकाबलों ने टेनिस प्रशंसकों का ध्यान खींचा। लंबे ब्रेक के बाद एकल कोर्ट पर लौटे कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ शुरुआत की, जबकि तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर हार के साथ समाप्त हो गया। महिला वर्ग में इगा स्वियातेक, डिफेंडिंग चैंपियन आर्यना सबालेंका और चोट से वापसी कर रहीं झेंग छिनवेन ने भी दूसरे दौर में जगह बनाई।

अल्काराज ने सीधे सेटों में दर्ज की जीत

चार महीने के ब्रेक के बाद यूएस ओपन में वापसी कर रहे कार्लोस अल्काराज ने रोमन सफीउलिन को 6-4, 6-4, 6-4 से हराया। मिश्रित युगल में सेरेना विलियम्स के साथ शुरुआती मैच में हारने के बाद स्पेनिश स्टार ने एकल मुकाबले में अपनी लय हासिल कर ली। अल्काराज पूरे मुकाबले में नियंत्रण में नजर आए और उन्होंने सीधे सेटों में जीत दर्ज कर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर खत्म

पूर्व यूएस ओपन चैंपियन स्टेन वावरिंका को मैटेओ बेरेटिनी के खिलाफ 7-6(4), 7-6(3), 6-0 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वावरिंका का ग्रैंड स्लैम करियर समाप्त हो गया। वावरिंका पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि वह 2026 सीजन के बाद पेशेवर टेनिस को अलविदा कह देंगे। उन्होंने 2016 में यूएस ओपन का खिताब जीता था।

शेल्टन ने हार के बाद पलटा मुकाबला

अमेरिका के नंबर-1 बेन शेल्टन ने टैलोन ग्रीक्सपूर के खिलाफ धीमी शुरुआत की। वह पहला सेट 1-6 से हार गए, लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट 6-1, 7-6(3), 6-2 से जीत लिए। शेल्टन ने इस तरह मुकाबला 1-6, 6-1, 7-6(3), 6-2 से अपने नाम किया और हाल ही में कनाडा में अपने खिताब का सफल बचाव करने के बाद शानदार फॉर्म जारी रखी।

डेविस को मौका, स्टार्क-कमिंस की वापसी, लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया टीम से बाहर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका दौरे के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं जोएल डेविस पहली बार वनडे टीम में चुने गए हैं। मिचेल मार्श और ट्रैविस हेड की वापसी हुई है, जबकि पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। लाबुशेन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत के खिलाफ नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि, मौजूदा फॉर्म को देखते हुए उन्हें इस दौरे के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। लाबुशेन ने पिछली 18 वनडे पारियों में 21.87 की औसत से रन बनाए हैं। ऑलराउंडर जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलिया की वनडे टीम में चुना गया है। उन्होंने जून में बांग्लादेश के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। युवा ओली पीक भी टीम में अपनी जगह बनाए रखने में सफल रहे हैं। कूपर कोनोली को भी टीम में बरकरार रखा गया है।

सिलेक्टर जॉर्ज बेली ने कहा कि जिम्बाब्वे और साउथ अफ्रीका में होने वाली छह मैचों की सीरीज अगले साल के वर्ल्ड कप की तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण है। 2027 का वनडे वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे

और नामीबिया में खेला जाना है।जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे मैचों में मार्श टीम की कप्तानी करेंगे। रेगुलर कप्तान पैट कमिंस साउथ अफ्रीका सीरीज में टीम से जुड़ेंगे। हालांकि कमिंस ने संकेत दिया है कि वे साउथ अफ्रीका के सभी तीन वनडे नहीं खेलेंगे, ऐसे में मार्श फिर कप्तानी की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

स्टार्क भी साउथ अफ्रीका सीरीज में वनडे टीम में वापसी करेंगे। जोश हेजलवुड दोनों सीरीज के लिए टीम में हैं। स्पेंसर जॉनसन भी एक साल से ज्यादा समय बाद वनडे क्रिकेट में वापसी करेंगे, जबकि बिली स्टेनलेक को भी तेज गेंदबाजी आक्रमण में शामिल किया गया है।

हिमांशी खुराना ने लगाई आसिम पर आरोपों की झड़ी

हिमांशी खुराना और आसिम रियाज के बीच जुबानी जंग चल रही है। यह विवाद बीते कुछ दिनों में ही काफी बढ़ गया है। आसिम की पोस्ट के बाद अब हिमांशी ने सोशल मीडिया के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें जवाब दिया है।

हिमांशी ने पोस्ट में क्या लिखा?

हिमांशी खुराना ने सोशल मीडिया के जरिए आसिम का नाम लिए बिना उनपर निशाना साधा है। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने कभी धर्मांतरण का मुद्दा नहीं उठाया। इसके साथ ही आसिम द्वारा अपने स्वास्थ को लेकर रही की गई बातों पर भी प्रतिक्रिया दी। हिमांशी ने लिखा – मैंने किसी पर जबरन धर्मांतरण का आरोप नहीं लगाया। मैंने हमेशा सार्वजनिक रूप से अपनी निजी जीवन को साझा करते समय सम्मान और सावधानी बरती है। हर चीज चाहे वह बिग बॉस का अनुभव हो, मेरी आध्यात्मिक यात्रा हो, या मेरी सेहत से जुड़े मामले हों, मैंने सम्मान बनाए रखा। मैंने अपने जीवन के इन पहलुओं को ईमानदारी से साझा किया है। कभी भी किसी का अपमान करने के लिए उपयोग नहीं किया। मैंने अपना पक्ष हमेशा मजबूती के साथ रखा है।

हेल्थ पर की गई टिप्पणी पर बोलीं

आसिम रियाज ने हिमांशी की हेल्थ से जुड़ी भी कई बातें कहीं थीं। इन पर हिमांशी ने कहा, 'जहां तक मेरे स्वास्थ्य का मजाक उड़ाया जाता है और मेरे संघर्षों पर सवाल किए जाते हैं, तो मुझे लगता है कि अब एक सीमा तय करने का समय आ गया है। मुझे भी सब कुछ बता देना चाहिए।'

सारे सबूत मेरे पास भी हैं

आगे हिमांशी ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'अगर हम सबूतों की बात करने जा रहे हैं, तो चलिए सब पर बात करते हैं। मेरे पास मेरे साथ हुई हिंसा से संबंधित तथ्य और सबूत हैं। उम्मीद है आपको 27.11.23 की वह सुबह याद होगी, मैं उसे भी साझा करने के लिए तैयार हूं। अगर आप मेरी छवि खराब करना चाहते हैं, तो अब मैं वह व्यक्ति नहीं हूं जो आपकी तथाकथित छवि बचाने के लिए चुपचाप सब कुछ छुपाती रहूंगी, या बार-बार अपमानित और अनादर किए जाने पर भी चुप रहूंगी।'

लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया

हिमांशी खुराना ने अप्रत्यक्ष रूप से आसिम रियाज पर निशाना साधा। उन्होंने आगे लिखा, 'अलग-अलग प्रोडक्शन हाउस और चैनल के लोगों ने आपकी गंदगी को छुपाया, लेकिन मैं अब उनके जैसी नहीं हूं। मैंने अपनी गरिमा बनाए रखी है और सम्मान दिखाया है, और बदले में मैं भी यही उम्मीद करती हूं। अगर उस सम्मान का प्रतिफल नहीं मिलेगा, तो मेरे पास अब चुप रहने का कोई कारण नहीं है। अगर आप 'सबूत' का खेल खेलना चाहते हैं, तो चलिए इसे ईमानदारी से खेलते हैं। तथ्यों, जवाबदेही और पूरी सच्चाई के साथ।' इससे पहले आसिम रियाज ने सोशल मीडिया पोस्ट कर हिमांशी को सभी आरोपों को खारिज किया था। उन्होंने कहा था कि उन्होंने कभी हिमांशी को धर्म बदलने के लिए मजबूर नहीं किया। इसके साथ ही उन्होंने हिमांशी की स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों की वजह भी बताई थी।

हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है, 'अनुपमा' का किरदार भी कुछ ऐसा ही है

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल 'अनुपमा' में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, 'टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है।' अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, 'हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं हैं और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें।'

उन्होंने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है।'

अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब भी उन्हें कोई रोल ऑफर होता है, तो वह पहले अपने किरदार के बारे में सोचती हैं कि उसमें क्या नयापन लाया जा सकता है।

उन्होंने कहा, 'जब भी मुझे कोई रोल ऑफर होता है, तो मेरे लिए यह समझना बहुत जरूरी होता है कि मैं उस किरदार में क्या ला सकती हूं। एक एक्टर के तौर पर, मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं? उसके बाद, कैरेक्टर के बारे में मेरी समझ बहुत जरूरी हो जाती है। मेरे लिए स्क्रीन पर रोल के साथ जस्टिस करना और यह पक्का करना भी उतना ही जरूरी है कि लोग उससे कनेक्ट करें।'

24 साल बाद टीवी पर होस्ट बनकर लौट रहीं माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की धक-धक गर्ल माधुरी दीक्षित ने अपने लंबे फिल्मी करियर में एक्टिंग और डांस से तो दर्शकों का दिल जीता ही है, अब वह एक नई जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। वह जल्द ही टीवी के लोकप्रिय क्विज शो के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करती नजर आएंगी। यह शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के लोकप्रिय फॉर्मेट पर आधारित है। खास बात यह है कि माधुरी करीब 24 साल बाद एक बार फिर टीवी होस्टिंग की दुनिया में वापसी कर रही हैं। शो को लेकर वह काफी उत्साहित हैं, और उन्होंने बताया कि उन्हें इस प्रोजेक्ट की तरफ सबसे ज्यादा कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों ने आकर्षित किया। शो में शामिल होने की वजह बताते हुए माधुरी दीक्षित ने कहा, ''कोण होणार करोडपती' सिर्फ सवालों के जवाब देकर पैसे जीतने वाला शो नहीं है, बल्कि यह लोगों के आत्मविश्वास और सपने देखने की हिम्मत से भी जुड़ा है। मुझे सबसे ज्यादा उत्साह इस बात का है कि मैं कंटेस्टेंट्स की कहानियों और उनके सपनों के जरिए उनसे जुड़ पाऊंगी। लोगों की जिंदगी के बारे में जानना और उनके सपनों को समझना मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करता है।''

माधुरी ने एक्टिंग और होस्टिंग के बीच के अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, ''एक अभिनेता को कैमरे के सामने किसी किरदार में ढलना पड़ता है, जबकि होस्ट के तौर पर वह खुद रह सकता हैं। इस शो में दर्शक मेरा स्वाभाविक अंदाज देखेंगे। मैं कंटेस्टेंट्स के सामने बैठकर उनकी जिंदगी के बारे में बात करूंगी और उनकी बातें सुनूंगी।''

'कोण होणार करोडपती' के जरिए माधुरी करीब 24 साल बाद टीवी होस्टिंग में वापसी कर रही है। इससे पहले वह 'कहीं ना कहीं कोई है' नाम के टीवी शो को होस्ट कर चुकी हैं। हालांकि, इसके बाद उन्होंने फिल्मों और दूसरे प्रोजेक्ट्स में ज्यादा ध्यान दिया।

मराठी 'केबीसी' फॉर्मेट को माधुरी से पहले सचिन खेडेकर, स्वप्निल जोशी और नागराज मंजुले जैसे कलाकार होस्ट कर चुके हैं। शो के मेकर्स ने इसी महीने 'कोण होणार करोडपती' का पहला प्रोमो भी जारी किया था। इसमें माधुरी पारंपरिक महाराष्ट्रीयन अंदाज में नजर आई थीं। उनके इस लुक ने भी दर्शकों का ध्यान खींचा। प्रोमो सामने आने के बाद से ही शो को लेकर चर्चा तेज हो गई है। माधुरी के इस नए सफर की जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया था कि माधुरी को 'कौन बनेगा करोड़पति' के मराठी वर्जन 'कोण होणार करोडपती' को होस्ट करने के लिए चुना गया है। उन्होंने शो के प्रोमो की शूटिंग पूरी कर ली है और इसे हिंदी 'कौन बनेगा करोड़पति' के प्रीमियर एपिसोड के साथ जोड़े जाने की तैयारी थी। हिंदी 'केबीसी' को महानायक अमिताभ बच्चन होस्ट करते हैं।

सलमान खान 'मॉन्स्टर' के लिए खुद करेंगे जोखिम भरे स्टंट्स

सलमान खान और नयनतारा की एक्शन फिल्म का नाम 'मॉन्स्टर' तय माना जा रहा है। अभी तक फिल्म को अस्थायी तौर पर 'SVC 63' के नाम से जाना जा रहा था। हालांकि, मेकर्स की ओर से अभी तक टाइटल की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सलमान की इस फिल्म को को बड़े स्केल पर तैयार किया जा रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर एक्शन सीक्वेंस और काफी हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिलेगा। इसी बीच सेट से खबर आई है कि सलमान के बॉडी डबल को अचानक हार्ट अटैक आ गया। इसके बावजूद शूटिंग की रफ्तार न थमे, इसलिए उन्होंने खुद ही जोखिम भरे स्टंट्स करने का फैसला लिया है। सलमान शूटिंग को लेकर बेहद गंभीर हैं और नहीं चाहते कि किसी भी वजह से काम अटक। हालांकि, सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए टीम में नए स्टंट एक्सपर्ट्स को भी शामिल किया जा रहा है।

हेली शाह ने खुद में खोजा कॉमेडी का एक नया पहलू

टेलीविजन और ओटीटी पर अपने दमदार अभिनय के लिए पहचानी जाने वाली अभिनेत्री हेली शाह अपनी आगामी वेब सीरीज़ 'चुंबक' के साथ पहली बार कॉमेडी करती नजर आनेवाली हैं। हालांकि इस संदर्भ में हेली का मानना है कि इस नए जॉनर को एक्सप्लोर करना उनके लिए उत्साह के साथ-साथ घबराहट से भरा अनुभव भी था, लेकिन शो के राइटर-डाइरेक्टर आतिश कपाड़िया के विश्वास और भरोसे ने उन्हें इस चुनौती को स्वीकार करने और अपने अभिनय के एक ऐसे पहलू को खोजने में मदद की, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आजमाया था। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए हेली ने कहा, 'यह पहला मौक़ा है जब मैं कॉमेडी कर रही हूं। मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की। और मैं सच कहूँ तो मैं बहुत नर्वस थी, मुझे बिल्कुल यकीन नहीं था कि मैं इसे कर पाऊंगी। सच कहूँ, तो अब मुझे लगता है कि यह अतिश सर का मुझ पर भरोसा और विश्वास ही था कि मैं यह कर पाई। मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने मेरे अंदर वह चमक देखी, क्योंकि मैं सच में सेट पर खुद को पूरी तरह सरेंडर करके गई थी। मुझे नहीं पता था कि यह कैसा होगा और मैं क्या करूंगी।'

गौरतलब है कि हेली के लिए यह अनुभव सिर्फ एक नए जॉनर को आजमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके लिए अपने अभिनय के एक अनदेखे पहलू को खोजने का मौका भी बन चुका है, जिसमेंआतिश कपाड़िया ने उनकी मदद की। इस सिलसिले में हेली कहती हैं 'उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर मुझे अपने एक ऐसे हिस्से को एक्सप्लोर करने में मदद की, जिसके बारे में मुझे पता ही नहीं था। मुझे सच में नहीं पता था कि मैं कॉमेडी भी कर सकती हूं। और इसके लिए मैं सर की बहुत आभारी हूँ।'

क्या साथ नजर आएंगे करीना और धनुष?

संजय लीला भंसाली एक पौराणिक जंगल एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें करीना कपूर खान नजर आएंगी। उनके अलावा साउथ एक्टर धनुष भी लीड रोल में होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान पीएस मित्रन संभालेंगे। हाल ही में मिथ्रन ने फिल्म को लेकर अपडेट शेयर किया है। निर्देशक पीएस मित्रन ने बताया कि संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली एक फिल्म के लिए करीना कपूर खान और धनुष के साथ बातचीत चल रही है। पीएस मित्रन इन दिनों 'सरदार 2' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस दौरान 'सिनेमा विकटन' से बात करते हुए मित्रन ने कहा, 'करीना और धनुष से बातचीत चल रही है, हम कन्फर्मेशन के लिए तारीखें देख रहे हैं। उम्मीद है कि इससे कुछ अच्छा नतीजा निकलेगा'। मित्रन के इस अपडेट के बाद भंसाली के प्रोडक्शन में बनने वाली फिल्म के लिए करीना और धनुष के साथ आने की खबरों ने जोर पकड़ लिया है।

इसी साल शूटिंग शुरू होने की उम्मीद

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाए जाने की तैयारी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह प्रोजेक्ट अभी लिखने के स्टेज पर है और फाइनल होने से पहले इसकी स्क्रिप्ट को कई बार फिर से लिखा गया है। उसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नवंबर 2026 में प्री-प्रोडक्शन शुरू होने की उम्मीद है। वहीं, जनवरी 2027 में मुख्य शूटिंग की योजना है। अगर यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ता है, तो यह हिंदी सिनेमा में मित्रन के निर्देशन में बनने वाली पहली फिल्म होगी। इसी के साथ इस फिल्म में धनुष और करीना कपूर खान पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। वहीं, 2000 के दशक की शुरुआत में मनमुटाव के बाद संजय लीला भंसाली के साथ करीना इस फिल्म में पहली बार काम करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

मादुरो ने जेल से जारी की तस्वीरें और संदेश दिया ...मजबूती से डटा

काराकास, एजेंसी। अमेरिका की जेल में बंद वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने पहली बार अपनी तस्वीरें जारी की और संदेश दिया कि वे जेल में मजबूती से डटे हुए है। न्यूयॉर्क की ब्रुकलिन जेल में बंद 63 वर्षीय मादुरो ने अपने टेलीग्राम और एक्स अकाउंट पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में वे ग्रे रंग के ट्रैकसूट में मुस्कुराते हुए और उंगलियों से 'जीत' का इशारा करते दिख रहे हैं। मादुरो ने अपने समर्थकों से कहा, मैं चाहता हूं कि आप जानें कि हम मजबूती से खड़े हैं> वेनेजुएला फिर से उठ खड़ा होगा। बता दें कि जनवरी 2026 में अमेरिकी सेना ने एक गुप्त ऑपरेशन चलाकर मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर लिया था। उन पर ड्रग तस्करी और आतंक फैलाने के आरोप हैं। इस मामले का ट्रायल 1 जून 2027 से शुरू होगा। मादुरो की यह तस्वीर ऐसे समय में आई है जब वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने अमेरिका के साथ एक बहुत बड़ा समझौता किया है। इसके तहत अमेरिका वेनेजुएला के लगभग 65 अरब बैरल के तेल भंडारों पर नियंत्रण या बड़ा हिस्सा हासिल करेगा।

अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर किया हमला, जवाब में जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरानी मिसाइल अटैक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच छह महीने से अधिक समय से जारी संघर्ष में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने रविवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में लारक द्वीप पर ईरान के रॉकेट लॉन्चरों पर हमला किया। यह करीब एक महीने में अमेरिका की ईरान के खिलाफ पहली सैन्य कार्रवाई है। हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई की है। ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के जवाब में उसने जॉर्डन स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक, निशाने पर किंग हुसैन और अल-अज्राक स्थित अमेरिकी ठिकाने थे। इससे पहले रविवार को अमेरिका ने ईरान के लारक द्वीप पर दो सैन्य लॉन्चरों को निशाना बनाया था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, आईआरजीसी के जवान इन लॉन्चरों के जरिए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में समुद्री बारूदी सुरंगें पहुंचाने वाले रॉकेट लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। अमेरिका ने इसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिए तत्काल खतरा बताया। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उनकी सेनाएं इलाके पर करीबी नजर बनाए हुए हैं और समुद्री व्यापार के मुक्त प्रवाह की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने को तैयार हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में नई माइंस बिछाने वाले किसी भी जहाज या नाव के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। लारक द्वीप पर अमेरिकी हमले के बाद ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने पहले ही चेतावनी दी थी कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा। अब ईरानी मीडिया ने आईआरजीसी के हवाले से बताया है कि जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर मिसाइल हमला किया गया। ईरानी सरकारी प्रसारणकर्ता ङ्घत्रढ्ढक्च के अनुसार, लारक पर अमेरिकी हमले में कई ईरानी सैन्यकर्मी और नागरिक मारे गए और घायल हुए। वहीं, आईआरजीसी से जुड़े तस्नीम न्यूज एजेंसी ने दावा किया कि हमले में ड्रोन का इस्तेमाल हुआ और दो लोगों की मौत हुई, जबकि दो अन्य घायल हुए। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि तत्काल नहीं हो सकी है। यह संकरा समुद्री मार्ग फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इस मार्ग से दुनिया के तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस के करीब पांचवें हिस्से का परिवहन होता है। अमेरिका का कहना है कि वह सैन्य सुरक्षा के जरिए स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है। दूसरी ओर, ईरान ने जलमार्ग को लेकर अपनी स्थिति बनाए रखी है और अमेरिकी दबाव के सामने लंबे संघर्ष के लिए तैयार रहने का संकेत दिया है। लारक ईरान का एक छोटा द्वीप है, जो स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में स्थित है।

टोरंटो में मोहन भागवत ने कहा- भारत 'महाशक्ति' नहीं, बल्कि 'विश्वगुरु' है

टोरंटो, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत 'महाशक्ति' (सुपरपावर) बनकर नहीं, बल्कि मानवता की निस्वार्थ सेवा के जरिए 'विश्वगुरु' बना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के सभ्यतागत डीएनए में सार्वभौमिक मित्रता, शरण देने की भावना और विविधता के प्रति सम्मान निहित है।

टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु - मित्रता में विश्व को गले लगाओ' सभा को संबोधित करते हुए, भागवत ने दुनिया भर में उत्पीड़न और युद्ध से भागने वालों के लिए एक अभयारण्य के रूप में भारत की ऐतिहासिक भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, 'कोई भारत को महाशक्ति कह सकता है, लेकिन यह ऐसा नहीं है। इसने दुनिया की सेवा की और अपने चरित्र से यह 'विश्वगुरु' बन गया, महाशक्ति नहीं।'

मोहन भागवत ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय संकट के दौरान भारत के आगे बढ़ने के ऐतिहासिक और आधुनिक उदाहरणों को याद किया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश शरणार्थियों की दुर्दशा को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे जामनगर के महाराजा ने उन्हें सुरक्षित घर लौटने तक शरण और सुरक्षा की पेशकश की थी। संकट के समय मदद करने की भारत की परंपरा का ज़िक्र करते हुए भागवत ने कहा, 'ऐसे कई उदाहरण हैं और यह सिलसिला अभी भी जारी है.' उन्होंने मध्य पूर्व में हाल के संघर्षों के दौरान लोगों को सुरक्षित निकालने के अभियानों का ज़िक्र करते हुए बताया कि कैसे भारत के सैन्य परिवहन विमानों ने न सिर्फ़ भारतीय नागरिकों को, बल्कि युद्धग्रस्त इलाक़े में फँसे सात अन्य देशों के नागरिकों को भी बचाया। उन्होंने कहा, 'जब कुछ साल पहले मध्य पूर्व में युद्ध के दौरान लोग फँस गए थे, तो भारत के सैन्य विमान वहाँ गए और न सिर्फ़ भारतीय नागरिकों को, बल्कि सात अन्य देशों के नागरिकों को भी वहाँ से सुरक्षित निकाला।' उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ऐतिहासिक रूप से भारत में मुसलमानों, ईसाइयों, यहूदियों और पारसियों को बिना किसी उत्पीड़न के डर के शांतिपूर्ण आश्रय और ज्ञान मिला है। भागवत ने कहा, 'दुनिया में कहीं भी अगर किसी पर जुल्म हुआ, तो उसे भारत में ही शरण मिली.' आरएसएस प्रमुख ने भारत की ऐतिहासिक वैश्विक पहुंच और साम्राज्यवादी विस्तारवाद के बीच अंतर बताते हुए कहा कि भारतीय सभ्यता ने अपना दबदबा बनाने के बजाय ज्ञान का प्रसार किया.

'हमारे पूर्वजों ने मैक्सिको से साइबेरिया तक यात्रा की, उन्होंने पैदल ही हिमालय पार किया, छोटी नावों से दक्षिण-पूर्व एशिया गए, लेकिन उन्होंने किसी देश पर कब्जा नहीं किया. उन्होंने ज्ञान, खगोल विज्ञान, आयुर्वेद और सभ्यता से जुड़े मूल्य सिखाए. आज भी, जब कोई आम भारतीय किसी देश में जाता है, तो वहां के लोग नमस्कार करते हैं. दूसरों की मदद करने की भारत की सभ्यतागत परंपरा पर जोर देते हुए आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जब भी मुसीबत में फंसे लोगों ने मदद मांगी, तो देश ने कभी मना नहीं किया और अक्सर बिना मांगे ही मदद का हाथ बढ़ाया. यही परंपरा है. यही भारत का डीएनए है. हिंदू दर्शन के मूल भाव को समझाते हुए, भागवत ने स्पष्ट किया कि यह पहचान भाषाई या धार्मिक सीमाओं से कहीं ऊपर है. जब मैं हिंदू कहता हूं, तो हिंदू शब्द को किसी खास भाषा, किसी खास पूजा-पद्धति या किसी खास जीवनशैली से परिभाषित नहीं किया जा सकता,' उन्होंने कहा और जोड़ा कि हिंदू 'सभी का सम्मान करते हैं' और 'सभी को स्वीकार करते हैं'.

भागवत ने मानवता की मूल एकता को पहचानते हुए विविधता को अपनाने का भी आह्वान किया. हमें इस विविधता की सेवा करनी चाहिए, इसे स्वीकार करना चाहिए और इसका सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह एकता की अभिव्यक्ति है. यह उसे सुंदर बनाती है. यह उसकी शोभा है. हम इसका उत्सव मनाते हैं,' उन्होंने कहा. उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन सोच विविधता को स्वाभाविक मानती है, जबकि एकता को मूल सच्चाई मानती है. यहां कई जातियां, कई पंथ और कई भाषाएं रही हैं. सब कुछ अनेक है. प्रकृति, सच्चाई की अभिव्यक्ति, विविध है. विविधता स्वाभाविक है. एकता ही सच्चाई है.

आपको सच्चाई को ध्यान में रखते हुए स्वाभाविक चीजों से निपटना होगा. यही भारत की प्राचीन सोच है,' उन्होंने आगे कहा. 'वसुधैव कुटुंबकम' की विचारधारा पर जोर देते हुए भागवत ने कहा कि जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे इस विचार को मानते हैं कि पूरी दुनिया एक परिवार है. 'जो लोग खुले विचारों वाले और ज्ञानी हैं, वे 'वसुधैव कुटुंबकम' की अवधारणा को अपनाते हैं. यानी यह विश्वास कि पूरी पृथ्वी एक परिवार है,' उन्होंने कहा. उन्होंने कहा कि भले ही लोगों की शारीरिक बनावट अलग-अलग हो, 'मूल रूप से हम सब एक हैं'।

अमेरिका: ग्रैंड कैन्यन में अचानक आई बाढ़, 15 लोग लापता; 62 को सुरक्षित निकाला

कोलोराडो, एजेंसी। अमेरिका के ग्रैंड कैन्यन नेशनल पार्क में अचानक आई बाढ़ के बाद करीब 15 लोगों के लापता होने की खबर है। अचानक आई बाढ़ ने ब्राइट एंजेल कैन्यन और फैंटम रैंच इलाके को प्रभावित किया। नेशनल पार्क सर्विस के अनुसार, बाढ़ अपने साथ बड़े पत्थर, धातु के ढांचे और अन्य मलबा बहाकर कोलोराडो नदी में ले गई। नेशनल पार्क सर्विस ने बताया कि वह प्रभावित इलाके से लोगों को निकालने और वहां मौजूद लोगों का पता लगाने के लिए एरिजोना के अधिकारियों के साथ काम कर रही है। एजेंसी ने लापता लोगों या इलाके में मौजूद पैदल यात्रियों के बारे में किसी भी जानकारी की अपील की है।

बाढ़ ने बहाए कई पुल, इलाके का बदला नजारा : शनिवार दोपहर करीब 2:30 बजे ब्राइट एंजेल क्रीक में अचानक बाढ़ शुरू हुई। यह नाला आगे जाकर कोलोराडो नदी में मिलता है। तेज बहाव ने नाले पर बने पैदल पुलों को बहा दिया और इलाके का स्वरूप काफी बदल गया। इलाके के वीडियो में नाले का तल पहले की तुलना में चौड़ा दिखाई दे रहा है। इसके अलावा वहां नदी के तेज बहाव वाला एक नया हिस्सा भी बनता नजर आ रहा है। यूटा स्टेट यूनिवर्सिटी में सेंटर फॉर कोलोराडो रिवर स्टडीज के निदेशक जैक शिमट ने कहा, 'यह याद दिलाता है कि ग्रैंड कैन्यन कितना गतिशील और सक्रिय भू-दृश्य है।' बाढ़ से बची एरिका वियोला ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि शनिवार दोपहर बारिश शुरू होने के समय वह ब्राइट एंजेल कैंपग्राउंड में थीं। उनके साथ करीब 50 अन्य पैदल यात्रियों ने नाले का जलस्तर बढ़ते देखा। इसके बाद मलबा बहना शुरू हो गया, जिसमें एक इमारत का हिस्सा भी नजर आया। उन्होंने बताया कि समूह को हेलीकॉप्टर से सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। इस वजह से उनका अभियान तय समय से दो दिन पहले ही खत्म हो गया। फ्लैगस्टाफ में राष्ट्रीय मौसम सेवा के मौसम विज्ञानी जस्टिन जॉन्ड्रो के अनुसार, चट्टानी इलाके में करीब 30 मिनट के भीतर आधा इंच से एक इंच तक बारिश हुई। इस इलाके में जमीन काफी ऊंचाई से नीचे की ओर जाती है। जॉन्ड्रो ने कहा, 'इसका ज्यादातर पानी तुरंत बह गया।' उन्होंने बताया कि बाढ़ ग्रैंड कैन्यन के उत्तरी हिस्से में आई, जहां ब्राइट एंजेल क्रीक नॉर्थ रिम से नीचे उतरकर कोलोराडो नदी में मिलती है।

गर्म होता हिमालय बढ़ा रहा आपदाओं का खतरा

त्सांगबू री , एजेंसी। 26 अगस्त को नेपाल-तिब्बत सीमा क्षेत्र में त्सांगबू री के पास ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा टूटने और उसके मलबे से भोटे कोसी-त्रिशूली नदी तंत्र में अचानक बाढ़ आने की घटना ने हिमालय में बढ़ते जलवायु और भूगर्भीय जोखिम की गंभीरता फिर सामने ला दी। वैज्ञानिकों के अनुसार हिमालय अब केवल बर्फ पिघलने की समस्या से नहीं, बल्कि पूरे पर्वतीय तंत्र में हो रहे बदलावों से जूझ रहा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट के अध्ययन बताते हैं कि हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर लगातार सिकुड़ रहे हैं। इससे आने वाले दशकों में पानी की उपलब्धता के साथ-साथ ग्लेशियल झीलों के विस्तार और अचानक बाढ़ का जोखिम भी बढ़ रहा है। ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ उनकी जगह बड़ी और अस्थिर झीलें बन सकती हैं। इन झीलों के किनारे अक्सर बर्फ, चट्टान और ढीले मलबे से बने होते हैं। भूकंप, अत्यधिक बारिश, हिमस्खलन या चट्टान गिरने से इनके टूटने पर कुछ ही मिनटों में भारी मात्रा में पानी और मलबा नीचे की घाटियों में पहुंच सकता है। तापमान बढ़ने से यह पर्माफ्रॉस्ट पिघल रहा है। इसके कमजोर होने से चट्टानी ढलानों की स्थिरता घट सकती है।

आइसलैंड के लोगों का ईयू में शामिल होने से इनकार : रेक्याविक, एजेंसी। आइसलैंड के मतदाताओं ने यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने के सरकार के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। सरकारी प्रसारक आरयूवी ने बताया कि अभी कुछ मतों की गिनती बाकी है, लेकिन इनके नतीजे से परिणाम बदलने की उम्मीद नहीं है। सरकार ने सदस्यता को व्यापार युद्धों और आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा से सुरक्षा के लिए जरूरी बताते हुए इसे अब या कभी नहीं का मौका करार दिया था।

मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों से की एकजुट होने की अपील, अमेरिका-इजरायल को बताया क्षेत्र का बड़ा दुश्मन

तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के छह महीने पूरे होने के बीच ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने खाड़ी देशों और इस्लामी राष्ट्रों के नाम बड़ा संदेश जारी किया है। उन्होंने क्षेत्र के देशों से आपसी मतभेदों को भुलाकर एकजुट होने की अपील की और अमेरिका तथा इजरायल को क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया। खामेनेई का यह संदेश ऐसे समय सामने आया है, जब लंबे समय से जारी संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया में राजनीतिक और सैन्य तनाव बढ़ा दिया है। पैगंबर मोहम्मद के जन्मदिवस के अवसर पर जारी लिखित बयान में मोजतबा खामेनेई ने मुस्लिम देशों के बीच सहयोग और भाईचारे को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के देशों को अपने साझा हितों और भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए।

मुस्लिम देशों में फूट से दुश्मनों को फायदा : मोजतबा खामेनेई ने अपने संदेश में कहा कि मुस्लिम समुदाय और इस्लामी देशों के बीच किसी भी तरह का विभाजन बाहरी शक्तियों को फायदा पहुंचाता है। उनके अनुसार, राजनीतिक और धार्मिक मतभेदों को बढ़ाने वाले कदम क्षेत्र की एकता को कमजोर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति या नेतृत्व अगर ऐसा कार्य करता है जिससे समाज और देशों के बीच फूट पैदा हो, तो इसका लाभ उन ताकतों को मिलता है जो क्षेत्र को अस्थिर रखना चाहती हैं। खामेनेई ने खाड़ी देशों के नेताओं से आपसी सहयोग बढ़ाने और साझा सुरक्षा हितों पर मिलकर विचार करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी शक्तियों के प्रभाव से अलग होकर क्षेत्रीय देशों को अपनी नीतियों और प्राथमिकताओं के आधार पर भविष्य की रणनीति तैयार करनी चाहिए।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों के बाद बढ़ा तनाव : युद्ध के दौरान ईरान और अमेरिका के बीच तनाव कई बार गंभीर स्तर तक पहुंच चुका है। संघर्ष के शुरुआती दौर में अमेरिकी और इजरायली हमलों के बाद ईरान की सर्वोच्च राजनीतिक और धार्मिक नेतृत्व व्यवस्था में बड़े बदलाव हुए और मोजतबा खामेनेई ने देश की सर्वोच्च जिम्मेदारी संभाली। पद संभालने के बाद उन्होंने सार्वजनिक भाषणों या वीडियो संदेशों के बजाय मुख्य रूप से लिखित बयानों के जरिए अपने विचार रखे हैं। पिछले छह महीनों के दौरान क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ीं और ईरान की ओर से कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने के दावे भी सामने आए। इन घटनाओं के बाद सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, जॉर्डन, कुवैत, कतर और बहरीन समेत कई देशों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और कूटनीति को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। अपने संदेश में मोजतबा खामेनेई ने केवल अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर ही नहीं, बल्कि ईरान की घरेलू स्थिति पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नागरिकों और समाज के विभिन्न वर्गों से राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की अपील की।

उत्तरी साइप्रस के पास लगभग 270 लोगों को ले जा रही एक फेरी पलटी, 8 लोगों की मौत

बोडरम (तुर्की), एजेंसी। उत्तरी साइप्रस के तट पर रविवार (30 अगस्त) को एक दर्दनाक घटना घटी। लगभग 270 यात्रियों और क्रू सदस्यों को ले जा रही एक फेरी के पलट जाने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई है। हालांकि इस दौरान खबर सामने आई कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 22 अन्य लोगों की तलाश जारी है।

कहां जा रही थी फेरी : कैटामरन शैली की यह फेरी उत्तरी साइप्रस के क्यरेनिया (गिर्ने) बंदरगाह से मर्सिन प्रांत के तुर्की बंदरगाह तसुचु जा रही थी। मिली जानकारी के मुताबिक, ये फेरी साइप्रस तट से लगभग 7.5 किलोमीटर दूर ही हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे के बाद लोग फेरी के आसपास पानी में लाइफ जैकेट पहने दिखे। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन भी चलाया गया। इस मामले में उत्तरी साइप्रस के प्रधानमंत्री उनाल उस्टेल का बयान भी सामने आया। उन्होंने तुर्की राज्य प्रसारक टीआरटी न्यूज चैनल को बताया कि 237 लोगों को बचाया जा चुका है। 24 लोगों की तलाश जारी है। काइरेनिया के मेयर मूरत सेनकुल ने कहा कि यह जहाज़ फिलो डेनिज़सिलिक फेरी कंपनी का था और साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास डूब गया. टीआरटी ने बताया कि फेरी में तट से लगभग 7.5 किलोमीटर (4 नॉटिकल मील) दूर पानी भरने लगा. मौके के वीडियो फुटेज में लोग पलटी हुई नाव के आसपास पानी में लाइफ-वेस्ट पहने तैरते हुए दिख रहे हैं. वहीं नॉर्थ साइप्रस के ट्रांसपोर्टेशन मंत्री एरहान अरिकली ने कहा कि अभी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है. मंत्री ने आगे बताया, हमें नहीं पता कि जहाज में पानी किस वजह से भरा है. हालांकि, कई कंपनियां कायरनिया और तासुकु के बीच व्यस्त मार्ग पर फेरी चलाती हैं. बता दें कि मेडिटेरियन सागर में नाव के हादसे का शिकार होना आम बात है। पिछले साल मार्च में साइप्रस के केप ग्रेको के पास एक नाव पलटी थी, जिसमें 7 लोगों की मौत हो गई थी. उस्टेल ने ये भी बताया कि फेरी इस हादसे का शिकार क्यों हुई। उन्होंने बताया कि फेरी को प्रतिकूल मौसम का सामना करना पड़ा। रवाना होने के महज 15 मिनट बाद ही उसमें पानी भरने लगा था। इसके थोड़े समय बाद ही मदद के लिए कॉल किया गया था। क्यरेनिया के मेयर मुरात सेंकुल इस मामले पर बताया कि साइप्रस के उत्तरी तट पर डायना बीच के पास फेरी डूबी थी। वियतनाम में भी स्पीडबोट पलटने से भी हुई थी 15 लोगों की मौत जुलाई की शुरुआत में वियतनाम के फू क्वोक द्वीप के पास हॉन मे रट न्गोई के पास 32 भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक स्पीडबोट पलट गई थी, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद स्थानीय अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया था।

नेपाल त्रासदी: प्रधानाचार्य ने 1643 बच्चों की जिंदगी बचाई, सलाम कर रहे लोग; तीन मंजिला स्कूल पूरा बह गया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने के लिए बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। नेपाली सेना ने कई जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों से 361 श्रमिकों को सुरक्षित निकाला है। पर, रसुवा व नुवाकोट में अब भी 898 कामगार फंसे हुए हैं। नुवाकोट की त्रिशूली-3ए परियोजना में जवान सुरंग में छेद बनाकर अंदर पहुंचे, पर वहां कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बचावकर्मियों ने छह इंच का छेदकर पाइप से ऑक्सीजन व भोजन भेजा है।

सैन्य अफसरों के मुताबिक, त्रिशूली-3ए में 35 कर्मचारियों के फंसे होने का अनुमान है। चार किमी लंबी सुरंग में रोशनी, हवा के लिए चार छेद किए गए हैं। इसके जरिये सुरंग में जाने पर सात मीटर व्यास वाले हिस्से में काफी ऊंचाई तक पानी भरा मिला। ड्रिलिंग व ब्लास्ट के जरिये सुरंग का छेद बड़ा कर कामगारों तक पहुंचने की तैयारी है। भारत-चीन के विशेषज्ञ भी लोगों को बचाने के अभियान में मदद दे रहे हैं। तबाही के बीच नुवाकोट के त्रिभुवन त्रिशूली सेकेंडरी स्कूल के प्रधानाचार्य राजेंद्र दवाड़ी ने सूझबूझ से 1643 बच्चों की जिंदगी बचा ली। दोस्त से बाढ़ की चेतावनी मिलते ही उन्होंने घंटी बजाकर स्कूल आ चुके 900 बच्चों व शिक्षकों को ऊंचे स्थानों पर भेज दिया। 700 से अधिक बच्चे पैदल और बसों से स्कूल की ओर आ रहे थे। उन्होंने बसों से संपर्क कर वहीं से लौटने को कहा। एक बस स्कूल के पास पुल तक पहुंच चुकी थी। 47 साल के दवाड़ी ने उसे वापस भेजा। जैसे ही बस पुल के दूसरी ओर पहुंची, पुल बह गया। कुछ ही देर में त्रिशूली नदी के सैलाब में तीन मंजिला स्कूल भवन पूरी तरह बह गया।

अब तक 788 मौतों की पुष्टि, 2500 से अधिक लापता : नेपाल में 26 अगस्त को आई आपदा में अब तक 788 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, तिब्बत में मरने वालों का आंकड़ा 16 पहुंच गया है। 2,502 लोग लापता हैं। इनमें 512 विदेशी नागरिक हैं। अब तक 9435 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। अपनों को खोजने के लिए लोग तस्वीरें लेकर अस्पतालों के सामने खड़े हैं। शवों की पहचान के लिए आए परिजन अपना दर्द छिपा नहीं पा रहे।

दिल्ली में रहने वाले नेपाली भी मदद के लिए तत्पर, जुटाए 90 लाख : अपने परिवार और परिचितों की सलामती जानने के लिए लोग लगातार संपर्क कर रहे हैं। कई लोग अपनों को खो चुके हैं, जबकि कइयों के परिजन अब भी लापता हैं। ऐसे मुश्किल समय में दिल्ली में रहने वाले नेपाली मूल के लोगों ने अपनी कमाई से नेपाल की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। दिल्ली में नेपाली मूल के करीब दो से तीन लाख लोग रहते हैं। इनमें बड़ी संख्या में नौकरी और दूसरे काम करने वाले लोगों की है। दिल्ली में नेपाली समुदाय से जुड़ी करीब 23 संस्थाएं सक्रिय हैं। इन संस्थाओं ने मिलकर अब तक करीब 90 लाख रुपये जुटाए हैं। यह राशि नेपाल के प्रधानमंत्री राहत कोष में भेजी गई है। मित्र मंच मानव कल्याण समिति के महासचिव कांशीराम आचार्य ने बताया कि 90 लाख रुपये का योगदान आपदा के सामने भले ही छोटा हो, लेकिन समुदाय अपनी ओर से पूरी कोशिश कर रहा है। दिल्ली-नेपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष युबराज बराल ने बताया कि दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों से नेपाल की मदद के लिए आगे आने की अपील की जा रही है।

जी20 वित्त मंत्रियों की बैठक : अमेरिका पहुंचीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

एशविले, एजेंसी। जी20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक में हिस्सा लेने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रविवार (अमेरिकी स्थानीय समय) को अमेरिका के साउथ कैरोलिना पहुंचीं। इस बैठक में ग्लोबल ग्रोथ, आर्थिक असंतुलन, सरकारी कर्ज और ईरान संघर्ष के नतीजों पर चर्चा होगी। ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने सीतारमण का स्वागत किया। सीतारमण सोमवार से नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में शुरू होने वाली दो दिवसीय बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगी। भारत के वित्त मंत्रालय ने सोशल मीड?िया प?लेटफॉर्म 'एक?स' पोस्ट में ल?िखा, 'केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण का आज साउथ कैरोलिना के ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने स्वागत किया।

मंत्रालय ने बताया कि वित्त मंत्री अगले दो दिनों तक नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में आयोजित जी20 और उससे जुड़ी बैठकों में भाग लेंगी। रविवार को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट और फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वार्श भी एशविल पहुंचे। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, दोनों जॉइंट बेस एंड्रयूज से एक साथ वहां पहुंचे। बेसेंट जी20 के 19 सदस्य देशों, यूरोपीय संघ और अफ्रीकी संघ के वित्त मंत्रियों तथा केंद्रीय बैंक गवर्नरों की मेजबानी करेंगे। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और आमंत्रित संगठनों के प्रतिनिधि भी बैठक में शामिल होंगे। अमेरिका ने अपनी जी20 वित्तीय अध्यक्षता के दौरान आर्थिक विकास को सबसे बड़ी प्राथमिकता बनाया है। एशविल पहुंचने के बाद स्कॉट बेसेंट ने 'एक?स' पर लिखा, 'जैसे राष्ट्रपति ट्रंप अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नई गति देने और उसे अपनी सरकार की प्राथमिकता बनाने पर काम कर रहे हैं, वैसे ही हम भी इस वर्ष जी20 वित्तीय ट्रैक के मेजबान के रूप में आर्थिक विकास को प्राथमिकता दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हम दुनिया भर के नीति

निर्माताओं और निजी क्षेत्र के नेताओं के साथ मिलकर यह संदेश देना चाहते हैं कि मजबूत आर्थिक विकास न केवल संभव है, बल्कि जरूरी भी है।' बैठक में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने, लंबे समय से बने ग्लोबल आर्थिक असंतुलन को दूर करने, सरकारी ऋण संबंधी चुनौतियों से निपटने और अधिक मजबूत सप्लाई चेन विकसित करने पर चर्चा होने की उम्मीद है। ईरान से जुड़े संघर्ष के आर्थिक प्रभाव, खासकर ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी और होर्मुज स्ट्रेट से होने वाले व्यापार में व्यवधान, भी चर्चा के प्रमुख विषय रहेंगे। बताया जा रहा है कि अमेरिका इस बैठक और द्विपक्षीय वार्ताओं के जरिए ईरान के आर्थिक संबंधों को सीमित करने के अपने अभियान के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर सकता है। हालांकि, प्रतिबंधों, व्यापार शुल्कों (टैरिफ) और चीन की औद्योगिक नीतियों जैसे मुद्दों पर मतभेदों के कारण किसी व्यापक सहमति वाले दस्तावेज पर पहुंचना आसान नहीं माना जा रहा है। जी20 बैठक में शामिल होने से पहले सीतारमण ने शिकागो में निवेश, नवाचार और भारत की मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं पर केंद्रित कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। एक कारोबारी गोलमेज बैठक में उन्होंने वैश्विक कंपनियों को भारत में विनिर्माण इकाइयां, प्रौद्योगिकी केंद्र और नवाचार केंद्र स्थापित करने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि कंपनियां भारत को अंतरराष्ट्रीय बाजारों की सेवा देने के आधार के रूप में उपयोग कर सकती हैं। सीतारमण ने कहा, 'नीतिगत माहौल लगातार ऐसा बनाया जा रहा है जिससे व्यवसायों को निवेश, विनिर्माण, नवाचार और विस्तार करने में सुविधा मिले। जब वैश्विक कंपनियां अपनी सप्लाई चेन और पूंजी निवेश की रणनीति पर दोबारा विचार कर रही हैं, तब भारत केवल एक बड़ा बाजार ही नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश और संचालन के लिए एक मजबूत मंच भी प्रदान करता है।' वित्त मंत्री ने कृषि, रक्षा प्रौद्योगिकी और आतिथ्य क्षेत्र की कई प्रमुख कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। इन बैठकों में एडीएम के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्त अधिकारी मोनीश पटोलावाला, शील्ड एआई के सह-संस्थापक और अध्यक्ष ब्रैंडन सेंग, तथा हयात के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी मार्क एस होपलामाजयिन शामिल थे। सीतारमण ने शिकागो में भारतीय समुदाय के लोगों को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने सरकार के राजकोषीय सुधार कार्यक्रम, भारत के आर्थिक लक्ष्यों तथा द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समझौतों के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर चर्चा की। एशविल में अपनी बैठकों के बाद सीतारमण निवेशकों और कंपनियों से मुलाकात के लिए न्यूयॉर्क जाएंगी। यह उनकी छह दिवसीय अमेरिका यात्रा का हिस्सा है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.